आज का विचार

इंसान को पहचानने के लिए आंखों की जरूरत नहीं होती है। उसकी वाणी के वजन से ही उसकी परख हो जाती है।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । वीरवार, 9 अप्रैल, 2026 वर्ष 24, अंक 85, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

सभी विभाग जेम पोर्टल से अनिवार्य खरीद को और प्रभावी बनाएं : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने जेम पोर्टल पर यूपी द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में किए गए क्रय एवं जेम क्रय नीति-2024 की समीक्षा की

सिटी दर्पण संवाददाता

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में जेम पोर्टल पर उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में किए गए क्रय एवं 26 नवम्बर, 2024 को जारी की गई जेम क्रय नीति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश की जेम क्रय नीति की सराहना की है।

मुख्यमंत्री ने जेम पोर्टल पर खरीद में उत्तर प्रदेश के शीर्ष स्थान पर रहने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 22,337 करोड़ रुपये की खरीद जेम पोर्टल के माध्यम से की गई, जो सरकार की पारदर्शी नीति का प्रमाण है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की गयी इस खरीद में सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों का योगदान 43 प्रतिशत से बढ़कर 55 प्रतिशत हो गया है। इस बढ़ोत्तरी में उत्तर प्रदेश आधारित सूक्ष्म व लघु उद्योगों का योगदान 82 प्रतिशत पाया गया है।

मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि केन्द्र सरकार ने इसे आदर्श नीति घोषित करते हुए अन्य प्रदेशों को भी इसी प्रकार की व्यवस्था लागू करने को कहा है। इस नीति से शासकीय क्रय में पारदर्शिता व शुचिता तथा समावेशिता में भारी वृद्धि हुई है, जिससे प्रदेश सरकार को निरन्तर आर्थिक व सामाजिक लाभ भी प्राप्त हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि जेम पोर्टल की रिवर्स ऑक्शन पद्धति से 9,700 करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है। इसके साथ ही, महिला उद्यमियों के व्यवसाय में 44 प्रतिशत, एस0सी0-एस0टी0 उद्यमियों के व्यवसाय में 48 प्रतिशत एवं स्टार्टअप उद्यमियों के व्यवसाय में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस पारदर्शी प्रक्रिया के कारण शासकीय क्रय प्रक्रिया में शिकायतों में भी 80 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई है, जिससे क्रय प्रक्रिया त्वरित एवं प्रभावी हो सकी है। बेहतर जेम क्रय प्रणाली के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश के क्रेताओं को कुल 42,648 करोड़ रुपये का व्यवसाय प्राप्त हुआ है। इसमें से 15,617 करोड़ रुपये का व्यवसाय इन्हें उत्तर प्रदेश से प्राप्त हुआ है, जबकि शेष 27 हजार करोड़ रुपये से अधिक का व्यवसाय केन्द्र सरकार व अन्य राज्यों द्वारा मिला है। यह राज्य सरकार के विक्रेताओं की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को भी दशार्ता है। मुख्यमंत्री को राज्य के जेम पोर्टल पर उत्तर प्रदेश के शीर्ष 10 विभागों द्वारा की गई खरीद से भी अवगत कराया गया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अन्य विभाग भी जेम पोर्टल से अनिवार्य खरीद को प्रभावी बनाएं। उन्होंने राज्य की क्रय प्रक्रिया को और बेहतर व पारदर्शी बनाने के लिए जेम पोर्टल को कोषागार से एकीकरण करने एवं केन्द्रीय व्यवस्था के अनुरूप पद आधारित स्थायी क्रय समिति का गठन किए जाने के निर्देश दिए, जिससे क्रय प्रक्रिया सुव्यवस्थित, उत्तरदायी, पारदर्शी व त्वरित हो सके।

योगी सरकार में बढ़ा 40 फीसदी दुग्ध उत्पादन, कई राज्यों को छोड़ा पीछे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश में पहले की तुलना में 40 प्रतिशत दुग्ध उत्पादन बढ़ गया है। यही नहीं, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे प्रमुख दुग्ध उत्पादक राज्यों को पीछे छोड़ते हुए यूपी सबसे सशक्त बनकर उभरा है। बुधवार को पशुपालन विभाग के अपर मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम ने बताया कि करीब 40 प्रतिशत की यह वृद्धि प्रदेश में योजनाबद्ध विकास और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जमीनी स्तर पर किए गए ठोस प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने बताया कि देश के कुल दुग्ध उत्पादन में पांच अग्रणी राज्यों की 54 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसमें अकेले उत्तर प्रदेश का योगदान 16 फीसदी तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा प्रदेश की बढ़ती ताकत और मजबूत डेयरी संरचना का स्पष्ट उदाहरण है। वर्ष 2016-17 में जहां उत्पादन 277 लाख मीट्रिक टन था, वहीं वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर 388 लाख मीट्रिक टन के पार पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि इस दुग्ध क्रांति की बड़ी ताकत ग्रामीण महिलाएं बनीं हैं। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से लाखों महिलाएं डेयरी गतिविधियों से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। प्रदेश के 31 जिलों में महिला समूह प्रतिदिन करीब 10 लाख लीटर दूध का संग्रहण कर रहे हैं और करीब 5000 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पांच प्रमुख दुग्ध उत्पादक कंपनियों के जरिए करीब चार लाख महिला किसान जुड़ीं हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिली है।

विधानसभा चुनाव: असम, केरल और पुडुचेरी में मतदान आज

दोनों राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में मतदान की सभी तैयारियां पूरी

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए 9 अप्रैल (गुरुवार) को एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा। चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन ने शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। असम की 126, केरल की 140 और पुडुचेरी की 30 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की किस्मत 09 अप्रैल को ईवीएम में बंद हो जाएगी। इन सभी सीटों के लिए मतदान प्रक्रिया एक ही चरण में पूरी की जाएगी।

असम में कुल 2.5 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.25 करोड़ पुरुष, 1.25 करोड़ महिलाएं और 343 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। 18-19 आयु वर्ग के 5.75 लाख युवा मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। असम की 126 विधानसभा सीटों के लिए 722 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। यहां बहुमत का आंकड़ा 64 है। राज्य की 15वीं विधानसभा का कार्यकाल 20 मई, 2026 को समाप्त होने वाला है। इसी तरह से केरल विधानसभा की 140 सीटों के लिए 890 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। यहां मुकाबला त्रिकोणीय है, जिसमें प्रमुख राजनीतिक दल शामिल हैं। सरकार बनाने के लिए 71 सीटों के बहुमत की आवश्यकता है। राज्य में कुल 2.71 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.32 करोड़ पुरुष, 1.39 करोड़ महिलाएं और 273 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं।

वहीं, पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं, जिनमें से पांच सीटें अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित हैं। सरकार बनाने के लिए 16 सीटों के बहुमत की आवश्यकता है। यहां कुल 9.44 लाख मतदाता हैं, जिनमें लगभग 4.43 लाख पुरुष, 5 लाख महिलाएं और 139 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। असम चुनाव के लिए 31,490 पोलिंग स्टेशनों पर 25,054,463 मतदाता मताधिकार के हकदार हैं और इन सभी मतदान केंद्रों की निगरानी लाइव वेबकास्ट के जरिए की जाएगी। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) कार्यालय से जारी जानकारी में कहा गया है कि सीईओ अनुराग गोयल की अगुवाई में सभी संबंधित अधिकारी मतदान प्रक्रिया से जुड़ी अपनी ज़िम्मेदारियां देख रहे हैं। कानून-व्यवस्था और चुनाव खर्च समेत सभी पहलुओं की कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने पहले ही केंद्रीय पर्यवेक्षकों को तैनात कर दिया है। निगरानी व्यवस्था और मजबूत करने के लिए आयोग के निर्देशों के मुताबिक वेबकास्टिंग की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। सभी 31,490 पोलिंग स्टेशनों पर वेबकास्टिंग की सुविधाएं चालू कर दी गई हैं, इनमें 31,486 मुख्य मतदान केंद्र और 4 सहायक मतदान केंद्र शामिल हैं। इससे ज़िला चुनाव अधिकारियों, मुख्य चुनाव अधिकारी और भारत के चुनाव आयोग के दफ़्तरों से मतदान प्रक्रिया की रियल-टाइम (लाइव) निगरानी करना मुमकिन हो पाएगा।

151,132 मतदान कर्मियों को किया है तैनात

चुनावी प्रक्रिया पूरी कराने के लिए कुल 151,132 मतदान कर्मियों को तैनात किया गया है। मतदान प्रक्रिया के लिए 41,320 बैलेट यूनिट, 43,975 कंट्रोल यूनिट और 43,997 वीवीपैट मशीनों का इंतजाम किया गया है, इनमें आपातकालीन स्थितियों में इस्तेमाल के लिए रिजर्व में रखी गई मशीनें भी शामिल हैं। जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल के लिए अतिरिक्त मतदान कर्मियों को भी स्टैंडबाय पर रखा गया है। सीईओ के दफ़्तर के मुताबिक, इस चुनाव में 722 उम्मीदवार मैदान में हैं और कुल 25,054,463 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें 12,531,552 पुरुष मतदाता , 12,522,593 महिला मतदाता और ट्रांसजेंडर श्रेणी के 318 मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा, 63,423 सर्विस मतदाता भी हैं। मतदाताओं में से 642,314 लोग 18-19 आयु वर्ग के हैं, 250,006 लोग 80 वर्ष से अधिक आयु के हैं और 205,085 लोग दिव्यांग हैं। इसके अलावा, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 60(सी) के अनुसार, चुनाव आयोग ने 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और पहचान किए गए दिव्यांग व्यक्तियों के लिए डाक मतपत्र (पोस्टल बैलट) के माध्यम से घर से ही अपना वोट डालने की एक वैकल्पिक सुविधा प्रदान की है। इसी तरह, केरल के सभी मतदान केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ), रतन यू. केलकर ने बताया कि सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान कराया जाएगा। 883 उम्मीदवार की किस्मत का फैसला लगभग 2 करोड़ 70 लाख मतदाता करने वाले हैं। मतदान के लिए पूरे राज्य में 30,495 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। इस आंकड़े में 24 सहायक मतदान केंद्र भी शामिल हैं।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने किया डीजल उर्वरक आपूर्ति बढ़ाने का अनुरोध

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

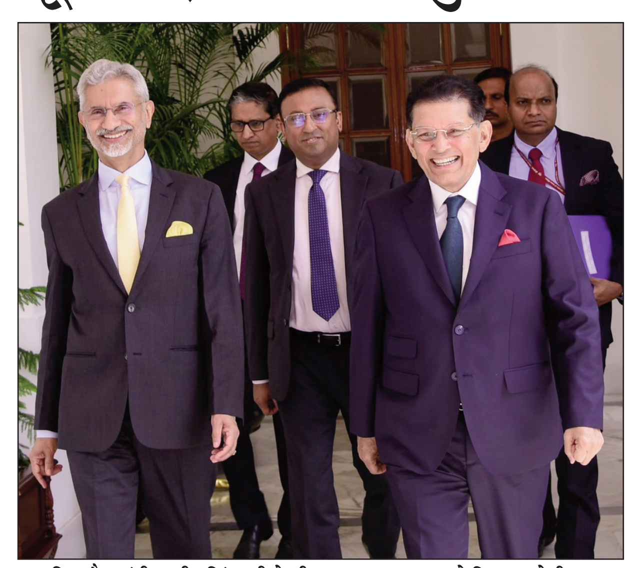

बांग्लादेश की नई सरकार के विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान ने अपने पहले भारत दौरे में बुधवार को विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर से मुलाकात की। इस दौरान जयशंकर ने संबंधों को और मजबूत करने की भारत की इच्छा को दोहराया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में उम्मीद जताई कि इसके बाद की आधिकारिक बैठकें जल्द ही आयोजित की जाएंगी। वहीं बैठक के दौरान मेहमान नेता ने भारत से डीजल-उर्वरक आपूर्ति बढ़ाने का अनुरोध किया है।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि विदेश मंत्री जयशंकर ने बुधवार को नई दिल्ली में बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान से मुलाकात की। इस बैठक में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर भी उपस्थित थे। इस दौरान जयशंकर ने नई सरकार के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की भारत की इच्छा को दोहराया। दोनों पक्ष संबंधित द्विपक्षीय तंत्रों के माध्यम से साझेदारी को गहरा करने के प्रस्तावों पर विचार करने पर सहमत हुए। इसके अलावा दोनों पक्षों ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

अपनी यात्रा के दौरान विदेश मंत्री रहमान ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से भी मुलाकात की। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि चर्चा के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने आने वाले हफ़्तों में बांग्लादेशियों के लिए भारतीय वीजा, विशेष रूप से मेडिकल और बिजनेस वीजा प्राप्त करने की प्रक्रिया को आसान बनाने की बात कही है।

मंत्री हरदीप पुरी से मुलाकात के दौरान डॉ. रहमान ने बांग्लादेश को डीजल की आपूर्ति के लिए भारत का धन्यवाद दिया और डीजल तथा उर्वरक की आपूर्ति की मात्रा बढ़ाने का अनुरोध किया। मंत्री पुरी ने संकेत दिया कि भारत सरकार इस अनुरोध पर तत्परता से और सकारात्मक रूप से विचार करेगी।

वक्तव्य में कहा गया है कि डॉ. रहमान ने शहीद उस्मान हादी के संदिग्ध हत्यारों को गिरफ़्तार करने के लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया। दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि गिरफ़्तार किए गए व्यक्तियों को दोनों देशों के बीच हुई प्रत्यर्पण संधि में निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार बांग्लादेश को सौंप दिया जाएगा। साथ ही बांग्लादेशी पक्ष ने शेख हसीना के प्रत्यर्पण के अपने अनुरोध को भी दोहराया है। उल्लेखनीय है कि शेख हसीना की सरकार के तख्तापलट के बाद हुए चुनाव में बीएनपी नेता तारिक रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश में नई सरकार सत्ता में आई है।

उत्तर बंगाल की जनसभा में भाजपा नितिन नवीन ने किया परिवर्तन का आह्वान

एजेंसी (हि.स.)

कोलकाता

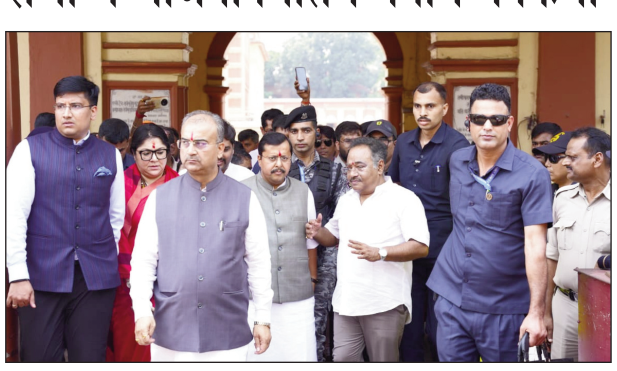

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला और आगामी विधानसभा चुनाव में परिवर्तन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दार्जिलिंग की पहाड़ियों से लेकर सुंदरबन के द्वीपों तक तथा उत्तर बंगाल के चाय बागानों से लेकर कोलकाता की गलियों तक राज्य में बदलाव की मांग उठ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल सरकार के शासन में भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और अपराध बढ़े हैं। भाजपा अध्यक्ष ने अपने भाषण में तृणमूल कांग्रेस पर कट मनी, घोटालों और कानून व्यवस्था की खराब स्थिति को लेकर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा बन गया है और कई चर्चित घटनाओं ने राज्य की छवि को प्रभावित किया है। नितिन नवीन ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार की नीतियों के कारण श्रमिकों और युवाओं को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य के कई इलाकों में श्रमिकों को प्रतिदिन 150 से 200 रुपये तक की मजदूरी पर काम करना पड़ता है, जबकि अन्य राज्यों में इससे अधिक भुगतान होता है।

उन्होंने कहा कि यदि राज्य में भाजपा की सरकार बनती है तो कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ दिया जाएगा, खाली सरकारी पदों को भरा जाएगा तथा भर्ती घोटालों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि भर्ती विवाद से प्रभावित युवाओं को आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट देने पर विचार किया जाएगा।

सिक्किम के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मिलकर विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से यहां मुलाकात कर राज्य के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार दोनों नेताओं के बीच सौहार्दपूर्ण और सार्थक बातचीत हुई। मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री तमांग ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्न पर इस मुलाकात की जानकारी देते हुए इसे सम्मानजनक बताया। तमांग ने बैठक के दौरान सिक्किम की प्रमुख विकास प्राथमिकताओं और उभरती जरूरतों से प्रधानमंत्री को अवगत कराया। उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, सतत विकास और राज्य के लोगों के समग्र कल्याण के लिए केंद्र से सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने जून 2026 से फिर से शुरू होने वाले नाथुला दर्रा (सिल्क रूट) व्यापार मार्ग को फिर से खोलने के फैसले के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय समुदायों और व्यापारिक गतिविधियों को बड़ा लाभ मिलेगा। इसके अलावा तमांग ने सिक्किम राज्य स्थापना के स्वर्ण जयंती समारोह के समापन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री को आमंत्रित किया, जिसे प्रधानमंत्री ने स्वीकार कर लिया। मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास और समृद्धि के लिए केंद्र द्वारा लगातार मिल रहे मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और समर्थन के लिए भी आभार जताया।

हरियाणा कैबिनेट ने पीडीएस सुधारों और उचित मूल्य की दुकानों में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण को मंजूरी दी

भूपेंद्र शर्मा

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई कैबिनेट की बैठक में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए उचित मूल्य की दुकानों के लाइसेंस आवंटन में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान को मंजूरी दी। इससे प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के कामकाज को और अधिक सुदृढ़ तथा सुव्यवस्थित करने में सहयोग मिलेगा। कैबिनेट ने 'हरियाणा लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (लाइसेंसिंग एवं नियंत्रण) संशोधन आदेश, 2026' को अपनी सहमति प्रदान की, जो मौजूदा 'हरियाणा लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (लाइसेंसिंग एवं नियंत्रण) आदेश, 2022' में संशोधन करेगा।

ये संशोधन पूरे राज्य में उचित मूल्य की दुकानों के आवंटन और संचालन में पारदर्शिता बढ़ाने, दक्षता में सुधार करने और अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लागू किए गए हैं। इनका उद्देश्य विशेष रूप से महिलाओं को इस प्रणाली में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करके समावेशिता और व्यापक भागीदारी को बढ़ावा देना भी है। संशोधित प्रावधानों के तहत, उचित मूल्य की दुकान का लाइसेंस प्राप्त करने के लिए पात्रता मानदंडों को स्पष्ट रूप से परिभाषित और युक्तिसंगत बनाया गया है। आवेदकों के लिए अब न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10+2 (बारहवीं पास) होना, साथ ही कंप्यूटर का बेसिक ज्ञान होना आवश्यक होगा। आवेदकों के लिए आयु सीमा 21 से 45 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है, और आवेदकों के पास एक वैध 'परिवार पहचान पत्र' होना तथा संबंधित क्षेत्र का निवासी होना अनिवार्य होगा। आवंटन प्रक्रिया में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए, सरकारी कर्मचारियों, मौजूदा लाइसेंस धारकों और उनके निकटतम

परिवार के सदस्यों, साथ ही स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों को इस प्रक्रिया से अयोग्य घोषित किया गया है।

इसमें कड़े प्रावधान शामिल किए गए हैं, जिनके तहत यदि कोई लाइसेंस धारक बाद में किसी स्थानीय निकाय में निर्वाचित पद ग्रहण करता है या सरकारी सेवा में शामिल होता है, तो उसे अपना लाइसेंस वापस (सरेंडर) करना होगा; ऐसा न करने पर उसका लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। इसे 'रोस्टर प्रणाली' के आधार पर लागू किया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि हर तीसरा लाइसेंस महिलाओं के लिए आरक्षित हो। महिलाओं के लिए निर्धारित इस कोटे के भीतर, एसिड हमले की पीड़ितों, महिला स्वयं सहायता समूहों (प्रत्येक ब्लॉक में कम से कम एक), विधवाओं और तलाकशुदा/एकल माताओं, तथा रउ/इउ और सामान्य श्रेणी की महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इस संशोधन में पारदर्शिता पर भी काफी जोर दिया गया है। इसके तहत, लाइसेंस देने की पूरी प्रक्रिया सरल पोर्टल पर एक ऑनलाइन सिस्टम के जरिए पूरी करना अनिवार्य कर दिया गया है। आवेदन मंगाने के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार-प्रसार किया जाएगा, जिसमें स्थानीय स्तर पर घोषणाएँ और अखबारों में विज्ञापन शामिल होंगे। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि योग्य आवेदकों को इस प्रक्रिया के बारे में पूरी जानकारी मिले और वे इसमें हिस्सा ले सकें। यह संशोधन विभिन्न परिभाषाओं और कामकाज से जुड़े पहलुओं को और भी स्पष्ट करता है, ताकि उन्हें 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013' के अनुरूप बनाया जा सके। यह 'वस्तु' और 'परिवार' जैसे अहम शब्दों को ज्यादा सटीक तरीके से परिभाषित करता है। इसके लिए, इन शब्दों को राशन कार्ड और 'परिवार पहचान पत्र' के रिकॉर्ड से जोड़ा गया है।

पूर्व अग्निवीरों को सरकारी सेवाओं में मिलेगा 20 प्रतिशत आरक्षण

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां आयोजित कैबिनेट की बैठक में अग्निवीर नीति, 2024 को स्वीकृति प्रदान की गई। इससे पूर्व अग्निवीरों के पुनर्वास, उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने तथा वदीर्धारी सेवाओं और सुरक्षा से संबंधित पदों में उनके कौशल का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित हो सकेगा। साथ ही उन्हें हरियाणा सरकार के अधीन सेवाओं/पदों, जैसे कि फॉरेस्ट गार्ड (पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव विभाग), वार्डर (कारागार विभाग) तथा माइनिंग गार्ड (खान एवं भूविज्ञान विभाग) में वर्तमान 10 प्रतिशत हॉरिजॉन्टल आरक्षण को बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने पूर्व में हरियाणा के अधिवासी पूर्व अग्निवीरों को कुछ ग्रुप ह्यसीह्न पदों, जिनमें फॉरेस्ट गार्ड, वार्डर और माइनिंग गार्ड शामिल हैं, में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण प्रदान किया हुआ था। इसके पश्चात, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विभिन्न सेवाओं/पदों की भर्ती में, जहां उनके विशेष सैन्य प्रशिक्षण, शारीरिक क्षमता, अनुशासन और फील्ड अनुभव का प्रभावी उपयोग किया जा सकता है, पूर्व अग्निवीरों के लिए आरक्षण को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने की सलाह दी थी। मंत्रिमंडल के इस निर्णय को सभी चालू तथा भविष्य की भर्ती प्रक्रियाओं में लागू करने के लिए संबंधित प्रशासनिक विभागों को आवश्यक संशोधन करने तथा संशोधित निर्देश जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

हिमाचल में भाजपा पांच गुटों में बंटी, राज्य में आर्थिक संकट नहीं : मुख्यमंत्री सुक्खू

कहा, आरडीजी किसी सरकार का नहीं बल्कि हिमाचल के लोगों का अधिकार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भाजपा पर एक बार फिर तीखा राजनीतिक हमला करते हुए कहा है कि प्रदेश भाजपा इस समय पांच गुटों में बंटी हुई है और राज्य में अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। असम में चुनाव प्रचार से लौटने के बाद बुधवार को शिमला में मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के अलग-अलग गुट आपस में ही राजनीतिक संघर्ष में उलझे हुए हैं, जबकि प्रदेश के हितों के मुद्दों पर वह सरकार का साथ नहीं दे रही है। उन्होंने विशेष रूप से राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) के मुद्दे पर भाजपा की चुप्पी पर सवाल उठाए।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में किसी प्रकार का आर्थिक संकट नहीं है बल्कि राज्य सरकार वित्तीय अनुशासन को मजबूत करने के लिए कुछ आवश्यक कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि इन कदमों का उद्देश्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना और हिमाचल को आत्मनिर्भर दिशा में आगे बढ़ाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार आरडीजी में कटौती कर राज्य के विकास की रफ्तार को प्रभावित कर रही है। मुख्यमंत्री ने और इस मुद्दे पर प्रदेश भाजपा को सरकार के साथ खड़ा होना चाहिए था। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि भाजपा आरडीजी की बहाली को लेकर केंद्रीय वित्त मंत्री से मिलने सरकार के प्रतिनिधिमंडल के साथ नहीं गई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि प्रदेश के हितों के मुद्दों पर भाजपा गंभीर नहीं है। इस दौरान उन्होंने पूर्व भाजपा सरकार के समय चलाई गई हिमकेयर योजना में भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान सरकार हिमकेयर योजना को बंद नहीं करेगी, बल्कि इसमें सुधार कर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। सेवा विस्तार और पुनर्नियुक्ति के मुद्दे पर मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि सरकार ने अधिकारियों और कर्मचारियों को सेवा विस्तार देने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है।

मेडिकल कॉलेजों में पीजी सीटें बढ़ाएगी सरकार : सुक्खू

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि प्रदेश के सभी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर (पीजी) सीटों की संख्या बढ़ाई जा रही है, ताकि मेडिकल कॉलेजों का कामकाज मजबूत हो और मरीजों को बेहतर इलाज की सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने यह बात बुधवार को स्वास्थ्य शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी मेडिकल कॉलेजों में मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि लोगों को बेहतर इलाज के लिए प्रदेश से बाहर न जाना पड़े और उन्हें अपने ही राज्य में आधुनिक सुविधाएं मिलें। इसी दिशा में मेडिकल कॉलेजों में पीजी सीटों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय टांडा में 57, श्री लाल बहादुर शास्त्री राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय मंडी में 29, डॉ. यशवंत सिंह परमार राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नाहन में 32, पंडित जवाहर लाल नेहरू राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय चंबा में 33, डॉ. राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय हमीरपुर में 67 और इंदिरा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय शिमला में 96 पीजी सीटें बढ़ाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इससे विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ेगी और मरीजों को बेहतर उपचार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने नए मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसरों तथा टांडा मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी को देखते हुए उनकी सेवानिवृत्ति की आयु अगले तीन वर्षों के लिए 65 वर्ष करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने से किसी भी स्तर पर पदोन्नति प्रभावित नहीं होगी।

हिमाचल प्रदेश में 61 जजों के तबादले हाईकोर्ट ने जारी किए आदेश

यह अधिसूचनाउच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल की ओर से जारी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य की न्यायिक व्यवस्था में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 61 न्यायिक अधिकारियों के तबादले और नई तैनाती के आदेश जारी किए हैं। इन आदेशों में जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, वरिष्ठ सिविल जज और सिविल जज स्तर के अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। यह अधिसूचना बीती रात उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल की ओर से जारी की गई है।

जारी आदेशों के अनुसार अनुजा सूद को जिला एवं सत्र न्यायाधीश चंबा नियुक्त किया गया है, जबकि प्रीति ठाकुर को पीठासीन अधिकारी, श्रम न्यायालय सह-औद्योगिक न्यायाधिकरण शिमला तैनात किया गया है। विक्रांत कौंडल को अतिरिक्त सचिव राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण शिमला और मनीषा गोयल को वरिष्ठ सिविल जज सह-मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कुल्लू बनाया गया है। निरंजन सिंह को पदोन्नत कर वरिष्ठ सिविल जज सह-सीजेएम लाहौल भेजा गया है, जबकि प्रशांत सिंह नेगी को सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोलन और विशाल कौंडल को वरिष्ठ सिविल जज सह-एसीजेएम बड़सर तैनात किया गया है। इसी क्रम में शिखा लखनपाल को सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊना, प्रतिभा नेगी को वरिष्ठ सिविल जज सह-एसीजेएम-एक शिमला, अनिता शर्मा को वरिष्ठ सिविल जज सह-एसीजेएम-एक कांगड़ा, जितेंद्र कुमार को वरिष्ठ सिविल जज सह-एसीजेएम-एक अंब और आभा चौहान को वरिष्ठ सिविल जज सह-एसीजेएम-एक नालागढ़ भेजा गया है। अजय कुमार को सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण किन्नौर (रिकांगपिओ) और आकांक्षा डोगरा को वरिष्ठ सिविल जज सह-एसीजेएम-दो शिमला तैनात किया गया है। इसके अलावा सोनल शर्मा को धर्मशाला, आर. मिहुल शर्मा को कांगड़ा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, एकांश कपिल को चंबा और विशाल तिवारी को कुल्लू जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का सचिव बनाया गया है। दीपिका नेगी को जोगिंद्रनगर, अशोक कुमार को जयसिंहपुर और निकिता ताहिम को सोलन में सिविल जज सह-जेएमएफसी नियुक्त किया गया है। डॉ. पुष्प लता को नूरपुर, ईशा अग्रवाल को ऊना, राघव गुप्ता को बिलासपुर, अंशुल मलिक को नाहन, युद्धवीर सिंह को कंडाघाट, विकास कपूर को शिलाई, चुनौती सांगरोली को कुल्लू और दिव्या शर्मा को सुंदरनगर में तैनाती दी गई है। इसके अलावा कई न्यायिक अधिकारियों को मोबाइल ट्रैफिक मजिस्ट्रेट और प्रशिक्षण रिजर्व के पदों पर भी नियुक्त किया गया है।

शिमला में महिला बेच रही थी चिट्टा, पुलिस ने किया गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

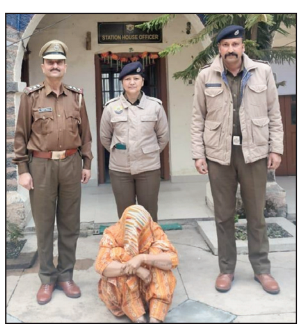

शिमला में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला शिमला पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस के अनुसार मंगलवार शाम को स्पेशल सेल शिमला की टीम थाना सदर शिमला के क्षेत्र में गश्त पर थी।

इसी दौरान उन्हें गुप्त सूचना मिली कि मनीमाजरा की रहने वाली करीब 40 वर्षीय एक महिला डाउनडेल स्थित कोडी बस्ती इलाके में हेरोइन (चिट्टा) बेच रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। पुलिस ने गवाहों की मौजूदगी में महिला पुलिस कर्मी के माध्यम से संदिग्ध महिला के पर्स की तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 40 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ को मौके पर ही कब्जे में लेकर सील कर लिया और आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी कीं। पुलिस के मुताबिक इस मामले में थाना सदर शिमला में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 के तहत मामला दर्ज किया गया है और आरोपी महिला को मादक पदार्थ रखने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की आगे की जांच जारी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आरोपी महिला इस नशे के नेटवर्क से कब से जुड़ी हुई थी और इसके पीछे और कौन-कौन लोग शामिल हो सकते हैं।

अमेरिका-ईरान युद्धविराम की घोषणा के बाद पूरे कश्मीर में जश्न का माहौल

श्रीनगर। अमेरिका-ईरान युद्धविराम की घोषणा के बाद कश्मीर में विभिन्न स्थानों पर जश्न मनाया गया और लोगों ने इसे इस्लामिक गणराज्य के लिए जीत बताया। विशेषकर घाटी के शिया बहुल इलाकों में सैकड़ों लोग संघर्षविराम का जश्न मनाने के लिए सड़कों पर एकत्र हुए। शहर के सैदाकदल और जदीबल इलाकों के साथ-साथ घाटी के बडगाम, बारामूला, गांदरबल, पुलवामा और बांदीपोरा जिलों में जश्न मनाया गया। ईरानी झंडे लहराते हुए लोगों ने युद्धविराम की घोषणा पर खुशी व्यक्त की और जश्न मनाने के लिए पटाखे फोड़े। उन्होंने उत्सव के हिस्से के रूप में कश्मीरी केहवा भी वितरित किया। लोगों ने युद्धविराम को अमेरिका और इजराइल पर ईरान की ₹जीत₹ बताया। इससे पहले ईरान के साथ एकजुटता दिखाने के लिए कश्मीर में बड़े पैमाने पर धन उगाही की गई थी। घाटी के लोगों ने ईरान के लोगों की मदद के लिए धन और अन्य कीमती सामान दान किया। कश्मीर और ईरान के बीच गहरे सांस्कृतिक, भाषाई और धार्मिक संबंध हैं। कश्मीर को अक्सर 'ईरान-ए-सगीर' (छोटा ईरान) कहा जाता है।

बारिश में भी डटे रहे एंबुलेंस कर्मचारी तीसरे दिन हड़ताल से सेवाएं प्रभावित

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में 108 और 102 एंबुलेंस सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों की हड़ताल का असर लगातार तीसरे दिन भी देखने को मिला। बुधवार को शिमला के छोटा शिमला स्थित सचिवालय के बाहर बारिश के बावजूद एंबुलेंस कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर धरने पर डटे रहे। पांच दिन की प्रदेशव्यापी हड़ताल के चलते तीसरे दिन भी एंबुलेंस सेवाएं पूरी तरह प्रभावित रहीं, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ने की स्थिति बनी रही। हिमाचल प्रदेश 108 एवं 102 एंबुलेंस कर्मचारी यूनियन, जो सीटू के बैनर तले आंदोलन कर रही है, का कहना है कि नेशनल हेल्थ मिशन के तहत मेडस्वान फाउंडेशन के अधीन काम कर रहे पायलट, कैप्टन और ईएमटी कर्मचारियों को लंबे समय से न्यूनतम वेतन तक नहीं मिल रहा है। यूनियन नेताओं का आरोप है कि कर्मचारियों से 12 घंटे की ड्यूटी ली जाती है, लेकिन उन्हें नियमानुसार ओवरटाइम का भुगतान नहीं किया जाता। धरने को संबोधित करते हुए सीटू के प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र मेहरा ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय, लेबर कोर्ट, सीजेएम कोर्ट शिमला और श्रम विभाग के आदेश भी आए हैं। लेकिन उनके बावजूद कर्मचारियों की स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। यूनियन का आरोप है कि मांग उठाने वाले कर्मचारियों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है, कई बार उनका तबादला कर दिया जाता है या उन्हें ड्यूटी से बाहर रखा जाता है। यूनियन ने यह भी कहा कि कर्मचारियों के ईपीएफ और ईएसआई के क्रियान्वयन में गंभीर त्रुटियां हैं और पहले जीवीके ईएमआरआई कंपनी के अधीन काम करने के दौरान सेवा समाप्ति पर उन्हें छंटनी भत्ता, ग्रेच्युटी और अन्य देय भुगतान भी नहीं मिले। कर्मचारियों ने सेवा की निरंतरता और वरिष्ठता का लाभ देने की भी मांग उठाई है। हड़ताली कर्मचारियों की मुख्य मांगों में सरकारी नियमों के अनुसार न्यूनतम वेतन लागू करना, 12 घंटे की ड्यूटी पर डबल ओवरटाइम का भुगतान, नियमानुसार छुट्टियां देना और अदालतों के आदेशों को लागू करना शामिल है। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं की गईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

पाकिस्तान की तरह हिमाचल भी आर्थिक दिवालियापन की कगार पर : जयराम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में पाकिस्तान का मॉडल लागू हो गया है। मंडी में पत्रकारों से बात करते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि जिस तरह से आज पाकिस्तान आर्थिक दिवालिया हो चुका है, उसी प्रकार हिमाचल प्रदेश को भी प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने आर्थिक दिवालियापन की कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में आटा, पैट्रोल-डीजल को लेकर मारामारी चल रही है। जिसके चलते कर्मचारियों की तनख्वाहों में कटौती की जा रही है। उसी प्रकार हिमाचल में भी अधिकारियों और मंत्रियों के वेतन में भी कटौती की जा रही है। उन्होंने कहा कि मंडी में करीब आठ साल बाद हुई प्रदेश भाजपा कार्यसमिति की बैठक में प्रदेश और देश की राजनैतिक और आर्थिक परिस्थितियों को लेकर दो प्रस्ताव पारित किए गए। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश को केंद्र की ओर से भरपूर सहयोग मिला है। जबकि हिमाचल के बजट पहली बार विकास कार्यों के लिए मात्र पांच प्रतिशत ही पैसे का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि इस बार हिमाचल सरकार का बजट पिछली साल की तुलना में साढ़े तीन हजार करोड़ कम है। जबकि उनकी सरकार के समय विकास कार्यों के लिए 44 प्रतिशत से लेकर तीस और सताईस प्रतिशत का प्रावधान रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कहते हैं कि हमारी सरकार ने पचहतर हजार करोड़ का कर्ज लिया है। जबकि यह सही नहीं है, हमारी सरकार ने 69हजार करोड़ का कर्ज लिया था। वहीं पर मात्र साढ़े तीन साल कांग्रेस सरकार ने करीब 41हजार करोड़ रूपए का कर्ज लिया है और कर्ज का आंकड़ा अब एक लाख दस हजार करोड़ से ऊपर हो गया है। जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश को 2027 तक आत्मनिर्भर राज्य बनाने की बात कर रहे है। जबकि प्रदेश सरकार की हालत ऐसी है कि कर्मचारियों को एरियर नहीं दिया जा रहा है। एक हजार करोड़ की देनदारी सिर पर है और नौकरियों पर रोक लगी हुई है।

तेज रफ्तार और लापरवाही पर अंकुश जरूरी, ट्रैफिक नियमों का पालन करें लोग : अपूर्व देवगन

मंडी। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति तथा सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि तेज रफ्तार और लापरवाही सड़क हादसों का मुख्य कारण है, इसलिए लोगों को ट्रैफिक नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को सड़क सुरक्षा के प्रति समन्वित रूप से कार्य करने तथा वार्षिक रोड सेफ्टी एक्शन प्लान शीघ्र भेजने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने बताया कि वर्ष 2025 में जिले में कुल 250 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 97 लोगों की मृत्यु तथा 385 लोग घायल हुए। वहीं वर्ष 2026 में 31 मार्च तक 83 दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 28 लोगों की मृत्यु तथा 111 लोग घायल हुए हैं। इनमे सभी दुर्घटनाएं तेज रफ्तार तथा लापरवाही से वाहन चलाने के कारण हुई हैं। उपायुक्त ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करना बेहद आवश्यक है। इसके लिए स्कूलों, कॉलेजों तथा सार्वजनिक स्थानों पर निरंतर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सड़क सुरक्षा योजना के अंतर्गत चिन्हित सभी बिंदुओं पर निरंतर कार्य किया जाए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

आतंकवादी हिंसा, उग्रवाद या सीमा पार गोलीबारी से प्रभावित बच्चों को शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

आतंकवादी हिंसा, उग्रवाद अथवा सीमापार गोलीबारी के कारण अनाथ या निराश्रित हुए बच्चों की पहचान, सत्यापन एवं संस्तुति के लिए उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त ने बताया कि समिति पात्रता से संबंधित अभिलेखों एवं तथ्यों का सत्यापन कर निर्धारित प्रपत्र में आवेदन तैयार करेगी तथा मामलों को संस्तुति सहित राज्य सरकार के गृह विभाग को भेजेगी। उपायुक्त ने कहा कि पात्र बच्चों की पहचान आंगनबाड़ी कार्यकताओं, अध्यापकों, आशा कार्यकताओं तथा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से की जाएगी। भारत सरकार द्वारा गठित राष्ट्रीय बाल कोष के तहत पात्र बच्चों को कक्षा 12वीं तक की शिक्षा, आईटीआई, डिप्लोमा या कम्प्यूटर कोर्स के लिए प्रतिवर्ष 15 हजार रुपए, स्नातक या स्नातकोत्तर शिक्षा के लिए प्रतिवर्ष 18 हजार रुपए तथा व्यावसायिक कोर्स करने पर प्रतिवर्ष 21 हजार रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। यह सहायता पढ़ाई पूरी होने तक या अधिकतम 25 वर्ष की आयु तक उपलब्ध रहेगी। बैठक में पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार, अतिरिक्त उपायुक्त गुरसिमर सिंह, उपनिदेशक उच्च शिक्षा यशवीर कुमार, उपनिदेशक शिक्षा माध्यमिक भुवनेश्वरी वरवाल, एन. आर. ठाकुर उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-समाचार

नम मौसम के कारण जंगली कुंडी की भरपूर फसल हुई भद्रवाह में सैकड़ों महिलाओं को मिली आजीविका

भद्रवाह। पिछले एक पखवाड़े से हो रही बारिश और नम मौसम ने जम्मू-कश्मीर के भद्रवाह में शंकुधारी जंगल को दुर्लभ कुंडी मशरूम (अर्थ कप फंगस) के खजाने में बदल दिया है, जिससे स्थानीय लोगों विशेषकर महिलाओं को बहुत खुशी हो रही है - जो उन्हें इकट्ठा करते हैं और बाजार में अच्छी कीमत पर बेचते हैं। पिछले कुछ वर्षों से हिमालय के जंगलों से सबसे पसंदीदा शुरुआती वसंत व्यंजन 'कुंडी' गायब हो गया है जिसका मुख्य कारण इस मौसम में शुष्क मौसम का फिर से प्रचुर मात्रा में उभर आना है जिससे क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं को आजीविका मिलती है क्योंकि दुर्लभ खाद्य कवक को भद्रवाह शहर के बाजारों में स्थानीय लोगों और आगंतुकों द्वारा हॉटकेक की तरह प्राप्त किया जा रहा है। महिलाएं अक्सर अपने दिन की शुरुआत भोर में करती हैं देवदार के पेड़ों के किनारे हरे-भरे, नम जंगलों में इस मायावी कवक की तलाश करती हैं। भद्रवाह घाटी के भुड्डा, चिंता, डुग्गी, कंसार, घुरका, चिनचोरा, जटानी, थुब्बा, धुमांडा, सरतिंगल, कट्यारा, मठोला, हंगा और शंखोजा जैसे घने देवदार के जंगल के किनारे स्थित गांवों की ग्रामीण महिलाएं जंगली से इन दुर्लभ मशरूमों को इकट्ठा करने के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। फिर वे इस मौसमी और पसंदीदा व्यंजन को स्थानीय बाजारों में 400 से 700 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर बेचते हैं।

शिमला में दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस प्रतियोगिता शुरू, पांच देश ले रहे हिस्सा

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को शिमला के इंदिरा गांधी राज्य खेल परिसर में दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2026 का शुभारम्भ किया। यह प्रतियोगिता 11 अप्रैल तक चलेगी। इसमें भारत, श्रीलंका, मालदीव, बांग्लादेश और नेपाल सहित पांच देशों के 100 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इस स्तर की अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन हिमाचल प्रदेश में पहली बार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है और प्रदेश के युवाओं को भी खेलों के प्रति आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल अधोसंरचना को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है, ताकि अधिक से अधिक युवा खेल गतिविधियों से जुड़ सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों से युवाओं में अनुशासन, समर्पण और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है और उन्हें जीवन में सकारात्मक दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि खेल गतिविधियां युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने के लिए भी प्रेरित करती हैं और स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

नगर पंचायत संगड़ाह के मतदाता सूचियों का प्रारूप प्रकाशित, 16 अप्रैल तक मांगे दावे व आपतियां

नाहन। नगर पंचायत संगड़ाह के वार्ड संख्या 1 से 07 के निर्वाचन हेतू मतदाता सूचियों का प्रारूप तैयार कर 7 अप्रैल 2026 को प्रकाशित कर दिया गया है। प्रकाशित की गई मतदाता सूची लोगों के निरीक्षण हेतू उप मंडलाधिकारी कार्यालय संगडाह तथा तहसीलदार कार्यालय संगडाह में उपलब्ध रहेगी। यह जानकारी निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी एवं उप मंडलाधिकारी(ना0) संगडाह सुनील कायथ ने देते हुए बताया कि यदि किसी व्यक्ति को मतदाता सूची में नाम जोड़ने का दावा, सूची में दर्ज नाम पर आपति अथवा किसी प्रविष्टि में उल्लेखित विवरणों में सुधार दर्ज करना हो तो वह प्रपत्र संख्या 4, 5 अथवा 6 में अपना दावा या आपति 16 अप्रैल, 2026 तक पुनरीक्षण प्राधिकारी एवं नायब तहसीलदार संगडाह के समक्ष व्यक्तिगत रूप से अथवा एजेंट के माध्यम से या पंजीकृत डाक द्वारा प्रस्तुत कर सकता है। उन्होंने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग, हिमाचल प्रदेश द्वारा जारी की गई अधिसूचना अनुसार मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन 07 अप्रैल को कर दिया गया है जबकि पुनरीक्षण प्राधिकारी के समक्ष दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 16 अप्रैल, पुनरीक्षण प्राधिकारी द्वारा दावे एवं आपतियों का निपटान 18 अप्रैल तक, तथा अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील दायर करने की अंतिम तिथि 25 अप्रैल, अपीलों का निपटान अपीलीय प्राधिकारी द्वारा 27 अप्रैल, 2026 तक किया जाएगा।

शैक्षणिक भ्रमण के तहत छात्रों ने जानी मशरूम उत्पादन की बारीकियां

मंडी। डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के औद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय थुनाग स्थित गोहर के बी.एस.सी. तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए मशरूम उत्पादन पाठ्यक्रम के अंतर्गत एक शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत छात्रों ने जिला हमीरपुर के जाहु स्थित शिव शक्ति मशरूम फार्म, मनोह का दौरा किया। इस शैक्षणिक भ्रमण में कुल 62 विद्यार्थियों ने भाग लिया और उन्हें मशरूम उत्पादन की संपूर्ण प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्रदान की गई। फार्म पर विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को मशरूम की विभिन्न प्रजातियों, उनके उत्पादन की वैज्ञानिक विधियों, कम्पोस्ट तैयार करने की तकनीक, बीज (स्पॉन) के उपयोग, तापमान एवं आर्द्रता के नियंत्रण सहित फसल प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाया गया। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को मशरूम के पोषण मूल्य एवं इसके सेवन से होने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि मशरूम एक उच्च प्रोटीन युक्त, पोषक एवं औषधीय गुणों से भरपूर खाद्य पदार्थ है, जिसकी बाजार में लगातार बढ़ती मांग के चलते यह एक लाभकारी व्यवसाय के रूप में उभर रहा है। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को मशरूम उत्पादन से जुड़े स्वरोजगार के अवसरों, कम लागत में इस व्यवसाय को शुरू करने के तरीकों तथा विपणन की संभावनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन के तत्वावधान में बुधवार को रेड क्रॉस मेले के दौरान पुलिस ग्राउंड, धर्मशाला में आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। संदीप कुमार मंडल आयुक्त कांगड़ा इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और शिविर का उद्घाटन किया। शिविर में हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर की जांच तथा छाती का एक्स-रे जैसी आवश्यक जांच सुविधाएं उपलब्ध करवाई गईं। इससे टीबी और गैर-संचारी रोगों की समय पर पहचान में मदद मिली। मुख्य अतिथि ने स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के शिविर स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के घर-द्वार तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि इससे लोगों में नियमित जांच कराने और बीमारी से बचाव की आदत विकसित होती है। डॉ. आर के सूद जिला स्वास्थ्य अधिकारी एवं टीबी अधिकारी ने बताया कि टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत चिन्हित उच्च जोखिम वाले गांवों और वार्डों में ऐसे शिविर लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शिविर की एक खास विशेषता आधुनिक तकनीक का उपयोग था, जिसमें बैटरी से चलने वाले पोर्टेबल और एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) आधारित हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीन का उपयोग किया गया।

मौसम बरसात से पहाड़ों सहित मैदानी क्षेत्रों में भी तापमान में भारी गिरावट

बारिश और ओलावृष्टि से फलदार पौधों को भारी नुकसान

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

सिरमौर जिले में पिछले दो दिनों से हो रही बारिश राहत और आफत दोनों लेकर आई है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ओला दृष्टि से गेंहूँ की फसल व सेब सहित अधिकतर फलदार पौधों को भारी नुकसान हुआ है। वही यह बारिश लहसुन, प्याज और मटर आदि नगदी फसलों के लिए वरदान मानी जा रही है। लगातार हो रही बारिश से नदियों नालों का जलस्तर भी बढ़ गया है।सिरमौर जिले में पिछले दो दिनों से बेमौसमी बरसात हो रही है।

अप्रैल महीने में हो रही बरसात से पहाड़ों सहित मैदानी क्षेत्रों में भी तापमान में भारी गिरावट आई है। इस बरसात से जहां फलदार पौधों, लहसुन, प्याज और मटर आदि नगदी फसलों को संजीवनी मिली है। वहीं यह बारिश लगभग तैयार खड़ी गेहूं की फसलों के लिए नुकसानदायक मानी जा रही है। रुक-रुक कर हो रही बारिश और तापमान में गिरावट और नमी के चलते पहाड़ी क्षेत्रों में गेहूं की फसल पकने में देरी हो गई है। उधर, जिले के अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्र हरिपुरधार, संगड़ाह, नोहराधार और शिलाई आदि क्षेत्रों में कई स्थानों पर ओलावृष्टि हुई है। इस ओलावृष्टि ने फलदार पौधों को भारी नुकसान पहुंचा है। सबसे अधिक नुकसान सेब के पौधों को हुआ है। आलू और मटर आदि फसलों को भी ओलावृष्टि से भारी नुकसान हुआ है। तापमान में गिरावट के चलते तैयार फसलों के पकने में भी देरी हो गई है। ओलावृष्टि और बारिश से हुए नुकसान के चलते किसने और बागवानों की चिंता बढ़ गई है। स्थानीय किसान मेलाराम शर्मा का कहना है कि भारी नुकसान से किसानों के आय के स्रोत खत्म हो गए हैं। लिहाजा, किसानों और बागवानों को नगदी फसलों और फलदार पौधों को हुए नुकसान का उचित मुआवजा प्रदान किया जाए।

अटल टनल से शिमला के कुफरी-नारकंडा तक बर्फबारी, लाहौल स्पीति में सड़कें बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश में अप्रैल महीने के बीच मौसम ने करवट लेते हुए दिसंबर जैसी ठंड का अहसास करा दिया है। राज्य के ऊंचाई वाले इलाकों में बीती रात से रुक-रुक कर बर्फबारी जारी है, जबकि मध्यम और निचले क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हो रही है। शिमला से सटे पर्यटन स्थल भी बर्फ से लकदक हो गए हैं। बर्फबारी से कई जगह वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति में भारी बर्फबारी से 26 सड़कें बंद हैं। मौसम विभाग ने आज कई जिलों में ओलावृष्टि और भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और अगले तीन दिनों तक मौसम के बदले रहने का अनुमान जताया है। लाहौल-स्पीति, कुल्लू, चंबा के भरमौर और पांगी, अटल टनल रोहतांग, शिमला के कुफरी, नारकंडा, खड़ापत्थर और चौपाल में ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है। वहीं राजधानी शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश मध्यम और निचले इलाकों में तेज हवाओं के साथ व्यापक वर्षा हुई है, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है और तापमान में तेज गिरावट आई है। राज्य का औसतन न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया है। लाहौल-स्पीति जिला प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार जिले में कुल 26 सड़कें बंद हैं। रोहतांग दर्रा से कोकसर मार्ग बंद है, जबकि अटल टनल के नॉर्थ पोर्टल से दारचा तक सीमित समय के लिए आवाजाही जारी है। दारचा से सरचू मार्ग पूरी तरह बंद है। दारचा से शिंकुला पास मार्ग केवल स्नो चेन लगे 44 वाहनों के लिए खुला है। ग्रांफू-बाथल मार्ग बंद होने से स्पीति क्षेत्र का संपर्क प्रभावित है।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
स्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेसन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

भारतीय प्रशासनिक अधिकारी की सोच, उसकी योजनाएं और निर्णय भारत के भविष्य की दिशा तय करते हैं : नायब सैनी

प्री-एग्जाम उत्तीर्ण होने पर यूपीएससी ,एचपीएससी और ज्युडिशरी की तैयारी करने वाले युवाओं को मिलेगी वित्तीय सहायता : मुख्यमंत्री नायब सैनी ने की घोषणा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा की कि राज्य के यूपीएससी ,एचपीएससी और ज्युडिशरी के प्री -एग्जाम उत्तीर्ण करने वाले युवाओं को आगे की कोचिंग फीस की प्रतिपूर्ति करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि ₹मुख्यमंत्री युवा प्रतिभा प्रोत्साहन योजना₹ के तहत आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को 25 हजार से लेकर 70 हजार रुपए तक वित्तीय मदद की जाएगी। मुख्यमंत्री यहां संघ लोक सेवा आयोग द्वारा हरियाणा के नव-चयनित युवाओं के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा , मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के आयुक्त डॉ अमित अग्रवाल, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती एवं श्री राकेश संधू , सूचना,जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की अतिरिक्त निदेशक (प्रशासनिक) श्रीमती वर्षा खांगवाल, शहीद स्मारक अंबाला के निदेशक डॉ कुलदीप सैनी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान सरकार ने अपने संकल्प-पत्र में ₹मुख्यमंत्री युवा प्रतिभा प्रोत्साहन योजना₹ शुरू करने का संकल्प किया था , उसी को धरातल पर उतारते हुए अब इस योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को यूपीएससी ,एचपीएससी और ज्यूडिशरी के प्री -एग्जाम उत्तीर्ण करने पर वित्तीय सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों की वार्षिक आय एक लाख रुपये है , उनके बच्चों को 70 हजार रुपये , 1.80 लाख रुपये तक आय वाले परिवारों के बच्चों को 60 हजार , 1.80 लाख रुपये से लेकर 3 लाख रुपये तक आय वाले परिवार के बच्चों को 50 हजार तथा 3 लाख रुपये से लेकर 5 लाख रुपये तक आय वाले परिवार के बच्चों को 25 हजार रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि राज्य के सभी सरकारी विश्वविद्यालयों में यूपीएससी ,एचपीएससी एग्जाम की

कोचिंग दी जाएगी इसके लिए सायंकालीन पारी में कक्षाएं शुरू की जाएंगी ताकि प्रदेश के अधिक से अधिक युवा उक्त परीक्षाओं में सफल हो सकें। श्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय प्रशासनिक अधिकारी की सोच, उसकी योजनाएं और निर्णय भारत के भविष्य की दिशा तय करते हैं। इनके निर्णय से लाखों लोगों का जीवन प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नव-चयनित युवाओं ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर देश की सर्वोच्च सेवाओं की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने नव-चयनित युवाओं को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता आसान नहीं होती। लाखों युवा इस परीक्षा में बैठते हैं, लेकिन वही सफल होते हैं जो अर्जुन की तरह अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हैं।

उन्होंने संघ लोकसेवा आयोग की भारतीय प्रशासनिक सेवा परीक्षा परिणाम में तीसरा स्थान हासिल करने वाले एकांश दुल समेत हरियाणा के सफल 77 होनहार युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा केवल एक नौकरी नहीं है, यह एक जिम्मेदारी है, एक कर्तव्य है, एक सेवा है। यह वह मंच है, जहां आपके निर्णय लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं। अब तक आपकी यात्रा व्यक्तिगत उपलब्धियों की यात्रा थी, लेकिन अब आगे की यात्रा जनसेवा की यात्रा है। उन्होंने कहा कि जब भी आप किसी फाइल पर हस्ताक्षर करें, यह याद रखें कि उसके पीछे किसी गरीब की उम्मीद जुड़ी है। जब भी आप कोई नीति लागू करें, यह सोचें कि उसका प्रभाव समाज के अंतिम व्यक्ति तक कैसे पड़ेगा। और जब भी आप कोई निर्णय लें, तो यह जरूर विचार करें कि क्या यह देश और समाज के हित में है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा के युवाओं ने न केवल सिविल सेवा में, बल्कि चिकित्सा, इंजीनियरिंग, प्रबंधन और तकनीकी क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। यह दशार्ता है कि हमारे राज्य में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। जरूरत केवल सही दिशा और अवसर की होती है। और हमारी डबल इंजन सरकार उसी दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े 11 वर्षों में हरियाणा में एक पारदर्शी और निष्पक्ष व्यवस्था स्थापित की है। यह केवल एक नीतिगत निर्णय नहीं था, बल्कि यह युवाओं के आत्मविश्वास को पुनर्स्थापित करने का प्रयास था। वर्तमान प्रदेश सरकार ने 'बिना पर्ची, बिना खर्ची' के 1 लाख 80 हजार से अधिक युवाओं को योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियां दी हैं।

उन्होंने नए अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि आपके जीवन में भी ऐसी कई बाधाएं आएंगी, प्रशासनिक जटिलताएं होंगी, राजनीतिक दबाव होंगे, कभी सामाजिक परिस्थितियां प्रतिकूल होंगी। लेकिन आप में से जो इन बाधाओं को हटाएगा, वही सच्चा प्रशासक कहलाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आईएएस अधिकारी का सबसे बड़ा मार्गदर्शक हमारा संविधान होना चाहिए। संविधान हमें समानता, न्याय, स्वतंत्रता और बंधुत्व का मार्ग दिखाता है। आपको किसी भी प्रकार के भेदभाव से ऊपर उठकर कार्य करना है। आपका एकमात्र धर्म जनता की सेवा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आज भारत तेजी से बदल रहा है। दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा लगातार बढ़ रही है। हमारा देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। इस परिवर्तन की धुरी आप जैसे युवा अधिकारी हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री रात को 2 बजे तक लोगों से मिलने के बाद सुबह आठ बजे से फिर से जनसेवा में जुट जाते हैं। ऐसे में अधिकारियों को भी पूरी मेहनत एवं तल्लीनता से काम करना पड़ता है। इस अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग के परीक्षा परिणाम में देश में तीसरे स्थान पर आने वाले एकांश ढुल , छठे रैंक पर आई जिन्निया अरोड़ा के अलावा नव-चयनित युवा नितीश , शगुन मेहरा , शिखा ने भी अपने लक्ष्य तक पहुंचने की अपनी यात्रा सांझा की।

हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो ने चलाया विशेष अभियान

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- ए डी जी पी के निर्देश पर 2026 में 90 बिजली चोर गिरफ्तार
- अब आदतन बिजली चोरों को कोई माफी नहीं-नवदीप सिंह विर्क

हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरों के अतिरिक्त महानिदेशक श्री नवदीप सिंह विर्क ने एक समीक्षा बैठक में ब्यूरों के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि एक से अधिक बार आदतन बिजली चोरी करने वालों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाना होगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यवाही का उद्देश्य समाज को यह कड़ा संदेश देना है कि बिजली चोरी केवल राजस्व की क्षति नहीं है बल्कि एक अपराध है।

श्री विर्क ने बताया कि हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरों ने धारा 135 आई इ सी एक्ट 2003 के तहत मुकदमें दर्ज करके इरादतन एवं आदतन बिजली चोरों को गिरफ्तार किया गया है। वर्ष 2026 में जनवरी से मार्च तक इस प्रकार के 90 लोंगों के खिलाफ शिकायत दर्ज करके गिरफ्तारी हुई है। इसके बाद 6 अप्रैल 2026 को बिजली चोरी के 5 अभियोगों का आरोपी रमेश पुत्र धनपत सिंह निवासी कला थाना जाटुसाना जिला रेवाड़ी को 5 मुकदमों में बिजली चोरी का जुमार्ना बिजली निगम में जमा करने बारे बार-बार नोटिस दिये जाने पर भी जुमार्ना राशि जमा न करने पर आदतन अपराधी होने के कारण आरोपी को सभी अभियोगों में शामिल अनुसंधान करके चालान तैयार कर अदालत में पेश किया गया। इस तरह चिन्हित कर हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरों द्वारा पूरे राज्य में कार्यवाही की जा रही है। हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो रेवाड़ी थाना प्रबन्धक पी एस आई/एस एच ओ नरेश कुमार एवं अनुसंधान कर्ता एस आई भारत शर्मा ने प्रशंसनीय कार्य किया है।

प्रदर्शनी का गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी ने किया अवलोकन

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग एवं भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर), के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत विभाजन, सिंधु घाटी तथा सरस्वती नदी को लेकर आयोजित प्रदर्शनी का गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज, आईसीएचआर के अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. (डॉ.) रघुवेंद्र तंवर तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने अवलोकन किया। प्रदर्शनी में सरस्वती-सिंधु सभ्यता का विस्तार को मुख्य रूप से दिखाया गया है इसके साथ ही प्रदर्शनी में दिखाया गया है कि लगभग 10 हजार साल पहले यहां स्थाई जीवन की शुरूआत हुई समय के साथ-साथ यहां की ग्रामीण संस्कृति का विकास नगरीय सभ्यता के रूप में हुआ तथा भारतीय संस्कृति के मूल्यों, सिद्धांत, उपासना और व्यवस्था की नींव सरस्वती

नदी के किनारों पर रखी गई।

प्रदर्शनी में 1947 के बाद देश को विभाजित करने की पूरी प्रक्रिया को उस समय सार्वजनिक चर्चा में इस तरह प्रस्तुत किया गया मानो यह एक अस्थाई उपाय था और दोनों अधिराज्यों का पुनः एक होना तय था। उस समय लगभग 4.5 करोड़ मुसलमान भारत में रह गए। इसी समय पाकिस्तान (पूर्व और पश्चिम) के दोनों अधिराज्यों में करीब 2.1 करोड़ गैर-मुसलमान (पाकिस्तान की आबादी का 27.1 प्रतिशत) बने रहे। इस पर ध्यान देने के बाद सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि लगभग 1.6 करोड़ लोग विस्थापित हुए और पलायन करने के लिए मजबूर हुए और इनमें से लगभग 1.2 करोड़ लोगों ने 1947 के गर्मियों के पांच महीनों के भीतर ऐसा किया। इसने शरणार्थियों की ऐसी समस्या पैदा कर दी जिसका प्रवासियों की माला और इसके उद्गम की प्रकृति के संदर्भ में भी इतिहास में कोई सानी नहीं है। प्रदर्शनी में व्यंग्य चित्र दशार्ता है कि माउंटबेटन भारत को दो भागों में विभक्त करने में जादूगर की भूमिका निभाता है, ब्रिटिश प्रधानमंत्री एटली, जवाहरलाल नेहरू और मोहम्मद अली जिन्ना जीवनरक्षा और सफल सर्जरी के चमत्कार हेतु प्रार्थना करते हैं। दुःख है कि भारत के लिए यह चमत्कार साबित नहीं हुआ। विभाजित हिस्सों को पुनः एक राष्ट्र में विलय से परे दोनों अधिराज्य सदा के लिए दुश्मन और विरोधी बन गए।

इस अवसर पर मदन मोहन छाबड़ा, अध्यक्ष, विजन कुरुक्षेत्र, प्रो. ऋचा तंवर, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार तुषार सैनी, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार, आयोजन सचिव डॉ. आरके देसवाल, डॉ. अमरजीत लोचन, डॉ. एके गुप्ता, डॉ. एनपी सिंह, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी, डॉ सौरभ चौधरी,प्रो. दिनेश राणा, प्रो. एसके चहल, प्रो. तेजेन्द्र शर्मा, प्रो. कुसुम लता, प्रो. नीरा राघव, प्रो. रमेश दलाल, डॉ. जितेन्द्र खटकड़, डॉ. धर्मवीर, प्रो. शुचिस्मिता, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, उप-निदेशक डॉ. जिम्मी शर्मा प्रो. अमित लूदरी, डॉ. रविन्द्र बलियाला, धर्मवीर मिजार्पुर, डॉ. कृष्णा, डॉ आबिद अली, डॉ. जितेन्द्र जांगडा सहित शिक्षक, शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद थे।

संक्षिप्त-समाचार

हरियाणा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए विशेष संगोष्ठी का आयोजन आज

कुरुक्षेत्र। हरियाणा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एचसीसीआई) के कुरुक्षेत्र चैप्टर द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमईएस) के सशक्तिकरण हेतु एसएमई आईपीओ के लाभ विषय पर एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इकाइयों को पूंजी बाजार से जोड़ने, उनके विस्तार एवं विकास के नए अवसरों की जानकारी देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। यह संगोष्ठी 9 अप्रैल कोजीटी उमरी में स्थित एक निजी होटल में आयोजित की जा रही है। कुरुक्षेत्र चैप्टर के चेयरमैन डा. नरेंद्र पाल गुप्ता एवं महासचिव डा. वीरेंद्र सिंघल ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मुख्यमंत्री प्रतिनिधि कैलाश सैनी मौजूद रहेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राकेश छाबड़ा ऑल इंडिया प्रेसिडेंट एफआईएसएमई शिरकत करेंगे। संगोष्ठी के मुख्य वक्ताओं में सुमित सक्सेना एवीपी, बीएसई, नई दिल्ली एवं नीता प्रसाद स्ट्रेटेजी हेड सीओईएएस शामिल होंगे, जो सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों को एसएमई आईपीओ की प्रक्रिया, लाभ एवं व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन देंगे। हरियाणा चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री कुरुक्षेत्र चैप्टर चेयरमैन डा नरेंद्र पाल गुप्ता ने बताया कि यह सत्र उद्यमियों के लिए एक उत्कृष्ट अवसर है, जहां वे पूंजी बाजार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कर अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं।

दलित सम्मान पर आघात बर्दाश्त नहीं: सैलजा

चंडीगढ़। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, कांग्रेस कार्यसमिति की सदस्य एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने असम के मुख्यमंत्री द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष के प्रति की गई आपत्तिजनक एवं अमर्यादित टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह बयान न केवल एक वरिष्ठ और सम्मानित नेता का अपमान है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना और राजनीतिक शिष्टाचार पर भी सीधा आघात है। कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जो देश के एक प्रतिष्ठित दलित नेता हैं और जिनका सार्वजनिक जीवन पांच दशकों से अधिक का रहा है, उनके प्रति इस प्रकार की भाषा का प्रयोग अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। सांसद ने आरोप लगाया कि इस प्रकार की बयानबाजी भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता को उजागर करती है और यह केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे दलित समाज के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य है। सांसद सैलजा ने कहा कि आज जब देश के सामने अनेक गंभीर मुद्दे हैं और कांग्रेस पार्टी उन पर सरकार से जवाब मांग रही है, तब सत्तारूढ़ दल के नेता मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। यह उनकी घबराहट और वास्तविक मुद्दों से बचने की प्रवृत्ति को दशार्ता है। कुमारी सैलजा ने मांग की कि असम के मुख्यमंत्री को अपने इस बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए और भविष्य में इस प्रकार की अमर्यादित भाषा के प्रयोग से बचना चाहिए। कुमारी सैलजा ने कहा कि राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन व्यक्तिगत एवं अपमानजनक टिप्पणियां किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकतीं। सांसद कुमारी सैलजा ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी दलित समाज के सम्मान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रही है और ऐसे किसी भी कृत्य का पुरजोर विरोध करती रहेगी। हरियाणा में गेहूं खरीद को लेकर पैदा हुई गंभीर स्थिति पर कड़ी चिंता व्यक्त करते हुए सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा एक-एक दाना खरीदने के दावे पूरी तरह खोखले साबित हो रहे हैं। मंडियों में किसान कई दिनों से अपनी फसल लेकर बैठे हैं, लेकिन सरकारी खरीद शुरू न होने से उन्हें भारी आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सांसद ने कहा है कि चरखी दादरी, फतेहाबाद, रोहतक और नरवाना सहित कई जिलों में हजारों क्विंटल गेहूं मंडियों में पहुंच चुका है, लेकिन खरीद प्रक्रिया शुरू नहीं हुई। सरकार नमी और तकनीकी कारणों का बहाना बनाकर किसानों को गुमराह कर रही है, जिससे किसान मजबूर होकर अपनी उपज प्राइवेट खरीदारों को कम कीमत पर बेचने को विवश हो रहे हैं।

डॉ. सोमवीर जाखड़ मेमोरियल फेलोशिप बनेगी प्रेरणा का स्रोत: प्रो. सोमनाथ सचदेवा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

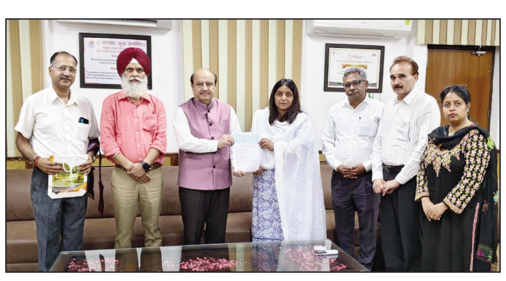

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में शिक्षा और शोध को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल सामने आई है। स्वर्गीय डॉ. सोमवीर जाखड़ की स्मृति में उनकी पत्नी डॉ. प्रितिका द्वारा ह्लडॉ. सोमवीर जाखड़ मेमोरियल फेलोशिपह्व स्थापित करने का प्रस्ताव कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा को सौंपा गया। इसके तहत डॉ. प्रितिका ने कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी एलुमनी एसोसिएशन (कुका) के माध्यम से 3 लाख रुपये की राशि का चैक को कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा को भेंट किया। यह फेलोशिप विश्वविद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू की जाएगी और एम.एससी. (बॉटनी) के टॉपर छात्र को प्रदान की जाएगी। कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, ह्लडॉ. सोमवीर जाखड़ की स्मृति में प्रस्तावित यह फेलोशिप न केवल उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान को सम्मानित करेगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनेगी। ऐसे प्रयास विश्वविद्यालय में प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और शोध संस्कृति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कुलसचिव प्रो. वीरेन्द्र पाल ने कहा कि यह पहल निश्चित रूप से विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक साबित होगी और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को नई दिशा देगी। कुका के निदेशक प्रो. अनिल मित्तल ने बताया कि स्वर्गीय डॉ. सोमवीर जाखड़ विश्वविद्यालय के प्रतिभाशाली पूर्व छात्र रहे हैं। उन्होंने बॉटनी में एम.एससी. और पीएचडी के बाद एक सफल शैक्षणिक करियर बनाया। वे वर्ष 2012 से 2023 तक असिस्टेंट प्रोफेसर और उसके बाद मई 2025 तक एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत रहे। शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. वीरेन्द्र पाल, कुका निदेशक प्रो. अनिल मित्तल, उपनिदेशक डॉ. कंवल गर्ग, प्रो. नरेन्द्र सिंह और डॉ. सुमन मेहंदिया सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

हरियाणा लोक भवन में आज हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग की वार्षिक रिपोर्ट का होगा विमोचन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- बेहतर सेवा देने वाले अधिकारी होंगे सम्मानित

हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग की वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन वीरवार को हरियाणा लोक भवन, चंडीगढ़ में किया जाएगा। इस अवसर पर हरियाणा के महामहिम राज्यपाल प्रो.असीम कुमार घोष रिपोर्ट का विमोचन करेंगे। समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह वार्षिक रिपोर्ट प्रदेश में समयबद्ध सेवा वितरण, शिकायत निवारण, ऑटो अपील सिस्टम तथा विभागवार सेवा प्रदर्शन की वर्षभर की उपलब्धियों का विस्तृत दस्तावेज है। समारोह के दौरान समयबद्ध सेवा वितरण, शिकायतों के त्वरित निस्तारण तथा ऑटो अपील सिस्टम के प्रभावी क्रियान्वयन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले अधिकारियों एवं तकनीकी विशेषज्ञों को भी सम्मानित किया जाएगा। इनमें हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के मुख्य प्रशासक श्री चंद्र शेखर खरे, फरीदाबाद नगर निगम के आयुक्त श्री धीरेंद्र खड़गटा, डीएचबीवीएन, हिसार के कार्यकारी अभियंता श्री होशियार सिंह, पीएचईडी, नारायणगढ़ के कार्यकारी अभियंता श्री अनिल कुमार चौहान, एनआईसी के सिस्टम एनालिस्ट सुश्री अंशु सेठी, तथा एनआईसी के सॉफ्टवेयर डेवलपर श्री प्रशांत कुमार शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग द्वारा अब तक प्रदेश के 56 विभागों एवं संगठनों की 802 अधिसूचित सेवाओं के माध्यम से अब तक कुल 27,43,481 अपीलों/रिवीजनों का पंजीकरण किया गया है, जिनमें से 26,98,634 मामलों का निपटारा किया जा चुका है। यह कुल मामलों का लगभग 98.4 प्रतिशत है, जो आयोग की प्रभावी कार्यप्रणाली और समयबद्ध सेवा वितरण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। वार्षिक रिपोर्ट में विभिन्न विभागों की प्रमुख सेवाओं के प्रदर्शन को भी रेखांकित किया गया है। इनमें आय प्रमाण पत्र (शैक्षणिक उद्देश्य), निवासी प्रमाण पत्र, जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, बिजली कनेक्शन, बिलिंग शिकायतें, जलापूर्ति बहाली, सीवरेज अवरोध, प्रॉपर्टी आईडी जारी करना, चरित्र प्रमाण पत्र तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित सेवाएं प्रमुख रूप से शामिल हैं। इन सेवाओं के माध्यम से लाखों नागरिकों को समयबद्ध लाभ उपलब्ध कराया गया है, जो सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेह प्रशासन की दिशा में हरियाणा सरकार की प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से प्रदर्शित करता है।

महात्मा जयंती समारोह के लिए प्रशासन की तरफ से किए जाएंगे सुरक्षा व्यवस्था के किए जाएंगे पुख्ता इंतजाम : विश्राम कुमार मीणा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 11 अप्रैल कोबाबैन में महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती समारोह में करेंगे शिरकत

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि 11 अप्रैल को सुबहके समय सैनी समाज की तरफ से बाबैन के गांव बरगट में महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस जयंती समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ-साथ हरियाणा सरकार के मंत्रीगण व सांसदगण भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन की तरफ से पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा बुधवार को लघु सचिवालय के सभागार में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों की एक बैठक को संबंधित कर रहे थे। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि सैनी समाज की तरफ से 11 अप्रैल को बाबैन के गांव बरगट में महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस जयंती समारोह में समाज के लोग शिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी होंगे। इसके अलावा प्रदेश के मंत्रीगण और सांसदगण भी कार्यक्रम में पहुंचने की सहमति व्यक्त की है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने पुलिस प्रशासन व संबंधित विभागों के अधिकारियों को अपने स्तर पर समय रहते सुरक्षा व्यवस्था के प्रबंध करना सुनिश्चित करें। सैनी समाज के अध्यक्ष गुरनाम सिंह सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 11 अप्रैल को महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती समारोह में पहुंचकर महात्मा ज्योतिबा फुले संस्थान का शिलान्यास करेंगे। यह संस्था सैनी समाज की तरफ से 8 एकड़ भूमि में तैयार किया जाएगा।

भारत के अध्यात्म एवं संस्कृति की विश्व में पहचान: स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में ह्लकुरुक्षेत्रः थ्रू द एजेसह्व विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का बुधवार को विधिवत शुभारंभ किया गया। इस सम्मेलन का आयोजन भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर), नई दिल्ली, श्रीमद भगवद गीता अध्ययन केंद्र, स्वदेशी शोध संस्थान, जिओ गीता तथा विजन कुरुक्षेत्र के सहयोग से किया जा रहा है, जबकि इसकी फंडिंग आईसीएचआर, नई दिल्ली द्वारा की जा रही है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने कहा कि भारत के अध्यात्म एवं संस्कृति की विश्व में विशिष्ट पहचान है। श्रीमद्भागवत गीता का महत्व अत्यंत व्यापक और गहरा है। विश्व के अनेक चिंतकों और दार्शनिकों ने इसकी उदारता और सार्वभौमिक दृष्टि को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि गीता में केवल आध्यात्मिकता का गहन दर्शन ही नहीं मिलता, बल्कि उसमें राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक कर्तव्य, नैतिकता और लोक कल्याण जैसे मूल्यों का भी उच्च चिंतन निहित है।

स्वामी ज्ञानानंद जी ने कहा कि गीता में राष्ट्रवाद का भी अलौकिक चिंतन निहित है, जो व्यक्ति को केवल अपने हित तक सीमित नहीं रखता, बल्कि समाज, राष्ट्र और मानवता के व्यापक कल्याण के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने अपने वक्तव्य में कुरुक्षेत्र के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र को उसके ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के अनुरूप पर्यटन और तीर्थ स्थल के रूप में वह स्थान अभी तक पूर्ण रूप से नहीं मिल पाया है, जिसका वह वास्तव में अधिकारी है। उन्होंने कहा कि तीर्थ के रूप में कुरुक्षेत्र का महत्व चार धाम से कम नहीं है। यह वही पावन भूमि है जहाँ महाभारत का महान युद्ध हुआ और जहाँ भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश दिया, जिसने

पूरी मानवता को धर्म, कर्म और सत्य का मार्ग दिखाया। स्वामी ज्ञानानंद जी ने कहा कि इसके बावजूद कुरुक्षेत्र को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए अभी भी पर्याप्त प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र की ऐतिहासिक विरासत और गीता के सार्वभौमिक संदेश को विश्व के समक्ष प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना समय की आवश्यकता है, जिससे आने वाली पीढ़ियाँ भी इस महान परंपरा से प्रेरणा ले सकें और भारतीय संस्कृति के इस अमूल्य धरोहर को समझ सकें।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि भारत के अध्यात्म एवं संस्कृति की विश्व में पहचान है। श्रीमद्भगवद्गीता का महत्व अत्यंत व्यापक और गहरा है। विश्व के अनेक चिंतकों और दार्शनिकों ने इसकी उदारता और सार्वभौमिक दृष्टि को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि गीता में केवल आध्यात्मिकता का गहन दर्शन ही नहीं मिलता, बल्कि उसमें राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक कर्तव्य, नैतिकता और लोककल्याण जैसे मूल्यों का भी उच्च चिंतन निहित है। ये सिद्धांत किसी भी समाज और राष्ट्र के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने अपने वक्तव्य में कुरुक्षेत्र के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र को उसके ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के अनुरूप पर्यटन और तीर्थ स्थल के रूप में वह स्थान नहीं मिल पाया है, जिसका वह वास्तव में अधिकारी है। यह वही पावन भूमि है जहाँ महाभारत का महान युद्ध हुआ और जहाँ भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश दिया, जिसने पूरी मानवता को धर्म, कर्म और सत्य का मार्ग दिखाया।

पद्मश्री प्रो. (डॉ.) राघवेंद्र तंवर, अध्यक्ष, भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने कहा कि कुरुक्षेत्र केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि आस्था, इतिहास और संघर्ष की जीवंत धरोहर है। इतिहास को समझने के लिए केवल धार्मिक दृष्टि पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके सामाजिक, आर्थिक और भौगोलिक आयामों को भी समझना आवश्यक है। प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री, उपाध्यक्ष, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला ने कहा कि इतिहास केवल लिखित ग्रंथों तक सीमित नहीं होता, बल्कि मौखिक परंपराएं, अभिलेख, लोककथाएं और पौराणिक स्रोत भी इतिहास को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रो. हीरामन तिवारी, सेंटर ऑफ हिस्टोरिकल स्टडीज, जेएनयू ने कहा कि विश्व के महान दार्शनिकों ने भी गीता से शिक्षा ली है। भगवद्गीता महाभारत का अभिन्न हिस्सा होने के बावजूद अपनी अद्वितीय पहचान रखती है। भगवद्गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन, कर्तव्य, नैतिकता और आध्यात्मिकता का सार्वभौमिक दर्शन प्रस्तुत करती है। यही कारण है कि भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के अनेक महान दार्शनिकों, चिंतकों और विद्वानों ने भी गीता से गहरी प्रेरणा प्राप्त की। यह ग्रंथ केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि गहन दार्शनिक और वैश्विक महत्व का स्रोत है।

संपादकीय: युद्धविराम के बाद भी खतरा बरकरार – भारत ने ईरान में फँसे भारतीयों को कहा, 'अभी निकलो, बाद में नहीं'

पश्चिम एशिया एक बार फिर युद्ध की आग में झुलस रहा है। अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों के बाद ईरान जिस संकट के दौर से गुजर रहा है, उसने पूरे क्षेत्र की भू-राजनीतिक स्थिरता को हिलाकर रख दिया है। इस उथल-पुथल के बीच भारत सरकार की सबसे बड़ी चिंता उन हजारों भारतीय नागरिकों की सुरक्षा है जो ईरान में फँसे हुए हैं। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने 8 अप्रैल 2026 को एक और नई एडवाइजरी जारी करते हुए अपने नागरिकों से तत्काल और समन्वित तरीके से ईरान छोड़ने का आग्रह किया है। यह एडवाइजरी न केवल एक कूटनीतिक चेतावनी है, बल्कि यह उस ज़िम्मेदारी का प्रमाण भी है जो भारत अपने प्रत्येक नागरिक के प्रति निभाता है, चाहे वह दुनिया के किसी भी कोने में क्यों न हो। भारतीय दूतावास ने बुधवार को जारी अपनी ताजा एडवाइजरी में ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों से बिना किसी देरी के देश छोड़ने की अपील की है, और यह स्पष्ट किया है कि अमेरिका-ईरान युद्धविराम की घोषणा के बावजूद सुरक्षा स्थिति अभी भी अनिश्चित बनी हुई है। दूतावास ने यह भी रेखांकित किया कि जो नागरिक अभी भी वहाँ हैं, उन्हें दूतावास द्वारा सुझाए गए मार्गों का ही उपयोग करना चाहिए और किसी भी आवाजाही से पहले दूतावास से समन्वय अनिवार्य रूप से करना चाहिए। दूतावास ने विशेष रूप से यह दोहराया कि बिना दूतावास से पूर्व परामर्श और समन्वय के किसी भी अंतरराष्ट्रीय थल-सीमा की ओर बढ़ने का प्रयास नहीं किया जाना चाहिए। यह चेतावनी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि युद्ध की स्थिति में सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा का माहौल पल-पल बदलता रहता है। किसी भी असंगठित या स्वतःस्फूर्त प्रयास से न केवल नागरिक की जान को खतरा है, बल्कि ऐसे कदम बचाव अभियानों को और जटिल बना सकते हैं। यह समझना जरूरी है कि यह एडवाइजरी शून्य में नहीं आई है। इससे पहले 7 अप्रैल को भी दूतावास ने एक निर्देश जारी किया था। उस एडवाइजरी में नागरिकों से कहा गया था कि वे अगले 48 घंटों तक जहाँ हैं वहीं रहें, बिजली और सैन्य प्रतिष्ठानों से दूर रहें, बहुमंज़िला इमारतों की ऊपरी मंज़िलों पर न जाएँ और किसी भी राजमार्ग आवाजाही के लिए दूतावास से समन्वय करें। यानी स्थिति इतनी गंभीर थी कि घर से बाहर निकलना भी जोखिम भरा माना जा रहा था। अब, 48 घंटे बाद भी जब दूतावास को ताजा एडवाइजरी जारी करनी पड़ रही है, तो इससे यही संदेश मिलता है कि संकट अभी पूरी तरह टला नहीं है। आधिकारिक अनुमानों के अनुसार जब 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों के बाद संघर्ष शुरू हुआ, तब ईरान में लगभग 9,000 भारतीय नागरिक मौजूद थे, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र भी शामिल थे। अब तक करीब 1,800 भारतीय स्वदेश लौट चुके हैं। यानी अभी भी सात हजार से अधिक भारतीय ईरान में हैं। यह एक बड़ी संख्या है और इन सभी की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। विदेश मंत्रालय के अनुसार अब तक 1,700 से अधिक भारतीय नागरिक आर्मेनिया और अजरबैजान के थल-सीमा मार्गों से ईरान छोड़ चुके हैं। यह आँकड़ा बताता है कि भारत सरकार और दूतावास की टीम अपने नागरिकों को वापस लाने के लिए जी-तोड़ मेहनत कर रही है। जो मार्ग सुझाए गए हैं वे न केवल सुरक्षित हैं, बल्कि उन पर दूतावास की नजर भी है। इसीलिए यह जरूरी है कि नागरिक अपनी मर्जी से, बिना सोचे-समझे किसी सीमा की ओर न बढ़ें। यह ताजा एडवाइजरी ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा की है, जिससे तनाव में अस्थायी कमी की उम्मीद जगी है। हालाँकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि युद्धविराम सुरक्षा की गारंटी नहीं है और यह नाजुक संतुलन कभी भी टूट सकता है, खासकर यदि कूटनीतिक वार्ता विफल हो जाए। ऐसे में भारत सरकार का यह रुख सराहनीय है कि वह युद्धविराम को पर्याप्त सुरक्षा नहीं मानती और अपने नागरिकों को जल्द से जल्द वहाँ से निकालना चाहती है। युद्धविराम समझौते तक पहुँचने में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख असीम मुनीर की मध्यस्थता की भी भूमिका रही, और अब पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में आगे की वार्ता की मेजबानी का प्रस्ताव दिया है। कूटनीतिक गतिविधियाँ जारी हैं, लेकिन जब तक कोई ठोस और दीर्घकालिक शांति समझौता नहीं होता, ईरान में रहना खतरे से खाली नहीं है। दूतावास ने नागरिकों की सहायता के लिए आपातकालीन संपर्क नंबर भी जारी किए हैं: +989128109115, +989128109102, +989128109109, और +989932179359। इसके अलावा ईमेल पर भी सहायता उपलब्ध है। नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे स्वतंत्र रूप से यात्रा संबंधी निर्णय न लें, विशेष रूप से संवेदनशील या संघर्ष-प्रभावित इलाकों में। इस पूरे घटनाक्रम से एक महत्वपूर्ण सबक उभर कर आता है – संकट की घड़ी में सरकार और नागरिक के बीच संवाद और समन्वय ही सबसे बड़ा हथियार है। भारत की यह प्रतिक्रिया ‟वसुधैव कुटुम्बकम्" की उस भावना को प्रतिबिंबित करती है जहाँ देश अपने हर नागरिक को परिवार का सदस्य मानता है। ईरान में मौजूद भारतीयों को चाहिए कि वे दूतावास के निर्देशों का पालन करें, घबराहट में कोई जल्दबाजी का कदम न उठाएँ, और सुरक्षित निकासी के लिए आधिकारिक चैनलों पर भरोसा रखें। अंततः यह समय धैर्य, अनुशासन और सहयोग का है। जो सरकार आपकी सुरक्षा के लिए दिन-रात काम कर रही है, उस पर भरोसा रखें – क्योंकि सुरक्षित घर वापसी ही सबसे बड़ी जीत है।

ईरान करता बड़े पलटवार, अमरीका दोस्तों से ही लाचार

डॉ. प्रभात ओझा (हि.स)

ऐसा मान लेना जल्दबाजी होगी कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जिसे 'दलाल' कहा था, उसी पाकिस्तान ने जंग रुकवा दी। प्रारम्भिक तौर पर अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पोस्ट से जरूर यह लगता है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मैं दो हफ्तों के लिए ईरान पर बमबारी और हमले को रोकने पर सहमत हूं।' ट्रंप ने कहा कि यह निर्णय पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर से बातचीत के बाद लिया गया। उन दोनों ने मुझसे नियोजित हमलों को टालने का आग्रह किया था।

राष्ट्रपति का यह निर्णय वाला बयान, उस समय सीमा के सिर्फ एक घंटा पहले आया, जिसके बाद उन्होंने 'एक पूरी सभ्यता का नामोनिशान मिटा देने' की धमकी दी थी। जो भी हो, युद्ध एक सभ्य दुनिया के लिए महापाप ही होता है। इसे शुरू करने के 40वें दिन अचानक शांति का ख्याल आ जाने के पीछे कुछ तो हुआ होगा। उस तय लाइन पर आगे बढ़ने के लिए गुरुवार 10 अप्रैल से इस्लामाबाद में बातचीत करने का निर्णय हुआ। दुनिया इससे राहत की सांस लेगी, इसके संकेत मिलने शुरू हो गये। युद्धविराम घोषित होते ही कच्चे तेल की कीमत करीब 100 डॉलर प्रति बैरल नीचे आ गया। शुरूआती घंटों में ही भारत के शेयर बाजार में भी रौनक देखने को मिलने लगी थी।

खबर पहले भी थी कि पाकिस्तान बातचीत में मध्यस्थता कर रहा है। फर्क यह है कि अब आधिकारिक रूप से दोनों पक्षों के घोषित प्रतिनिधि आमने-सामने बैठेंगे। स्वाभाविक है कि इतनी भयावह तल्खी के बाद सहमति के लिए लेनदेन भी होगी। इस 'दलाली' में मध्यस्थ को क्या मिलेगा, यह भी देखना है। अब मध्यस्थता अथवा दलाली मुख्य प्रश्न नहीं है। प्रश्न है कि किन परिस्थितियों में संघर्ष रोकना पड़ा। शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर के कहने भर से यह हो गया, प्रारम्भिक तौर पर दुनिया में इसे कोई नहीं मान रहा। अभी तो राष्ट्रपति ट्रंप की बेचारगी और लाचारी ही दिख रही है। इसे समझने के लिए युद्ध विराम पर इजराइल के पहले बयान पर नजर डालनी चाहिए। बयान के एक हिस्से में कहा गया है, 'इजराइल अमरीका की उस कोशिश का समर्थन करता है जिसमें यह सुनिश्चित करना है कि ईरान अब परमाणु हथियार, मिसाइल या आतंक का खतरा न बने। न अमरीका के लिए, न इजराइल के लिए, न ईरान के अरब पड़ोसियों के लिए और न ही दुनिया के लिए।'

दरअसल, ईरान खतरा न बने, यह तो बातचीत के रुख से तय होगा। अभी वह अपने उन पड़ोसियों के लिए खतरा जरूर है, जहां अमरीकी अड्डे हैं। ईरान ने युद्ध के दौरान साफ कर दिया था कि वह अपने 'पड़ोसी भाइयों' पर नहीं बल्कि उनके यहां अमरीकी ठिकानों पर हमले कर रहा है। यही नहीं, ईरान ने ट्रंप की ताजा धमकी के बाद मध्य एशिया के विभिन्न देशों में मौजूद महत्त्वपूर्ण पुलों, जैसे कुवैत का शेख अल अहमद अल सबाह सी ब्रिज, सऊदी अरब और बहरीन को जोड़ने वाला किंग फहद कॉजवे, जार्डन का किंग हुसैन ब्रिज, दामिया और अब्दौलन ब्रिज को निशाने पर रखा था। उसने इजराइल के परमाणु ठिकानों और मध्य एशिया की कई रिफाइनरीज पर भी हमले की योजना बना ली। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि ये सम्बंधित देश ट्रंप पर युद्ध रोकने का दबाव बढ़ा रहे थे।

बातचीत किस दिशा में जाएगी, इस पर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। फिलहाल तो अमरीका की लाचारी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आए होर्मुज प्रस्ताव से भी समझा जा सकता है। ट्रंप का अल्टीमेटम खत्म होने से पहले सुरक्षा परिषद में होर्मुज खोलने पर बहरीन की तरफ से आया प्रस्ताव गिर गया। इस पर वोटिंग में रूस और चीन ने वीटो कर दिया। और तो और, जिस पाकिस्तान के मध्यस्थ होने की खबर है, वह मतदान से गैरहाजिर रहा। पाकिस्तान इस समय सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है। परिणाम यह रहा कि होर्मुज को खुलवाने के अमरीकी इरादे को धक्का पहुंचा। बातचीत के परिणाम का इंतजार करना होगा, अभी तो अमरीका अब तक दुश्मन रहे ईरान के पुनर्निर्माण में मदद करने का भी वचन दे रहा है। चालाक और अस्थिर ट्रंप आगे क्या करें, इसका भी भरोसा नहीं। फिलहाल तो वे लाचार ही लग रहे हैं।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

कैसे सेहत और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते स्ट्रा

विवेक शुक्ला (हि.स)

हम सब अपने पसंदीदा पेय - ठंडी कॉफी, ताजा नींबू पानी या कोक को पीने के लिए स्ट्रॉ का इस्तेमाल बिना एक पल सोचे कर लेते हैं। ये हमें सुविधाजनक, साफ-सुथरा और सुरक्षित लगता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह छोटा-सा प्लास्टिक या पेपर स्ट्रॉ हमारी सेहत और पर्यावरण दोनों को चुपचाप नुकसान पहुँचा रहा है? इन छोटे से स्ट्रॉ का केवल कुछ मिनटों के लिए इस्तेमाल होता है, इसलिए इनसे होने वाले नुकसान की कोई चर्चा ही नहीं हो पाती है। लेकिन दुनिया भर में हर दिन इस्तेमाल किए जाने वाले स्ट्रा समुद्र तट और महासागर की सफाई के दौरान सबसे आम कचरे में से एक होते हैं।

अपने छोटे और हल्के आकार के कारण स्ट्रॉ की शायद ही कभी रीसायक्लिंग होती हो। ये नदियों, समुद्रों और कचरा स्थलों (लैंडफिल) में पहुंच जाते हैं, जहां ये सैकड़ों साल तक बने रह सकते हैं। राजधानी के पर्यावरणविद् और उद्यमी गुरसेव चावला कहते हैं, 'भारत में हमारी बड़ी आबादी और बढ़ती कैफे कल्चर के कारण स्ट्रॉ का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिससे समस्या और गंभीर हो रही है।'

कुछ साल पहले, दुनिया के कई हिस्सों में प्लास्टिक स्ट्रॉ पर प्रतिबंध लगना शुरू हुआ, जिसका लोगों ने स्वागत किया। इसके बाद पेपर और मकई से बने प्लास्टिक के स्ट्रॉ बाजार में आए और उन्हें 'पर्यावरण के अनुकूल' विकल्प के रूप में देखा गया। लेकिन लोगों की धारणा और वास्तविकता के बीच अंतर है। चावला ने इस विषय की गहराई से रिसर्च की। कई देशों का दौरा किया। उन्होंने जो पाया, वह चौंकाने वाला और चिंताजनक था। अपनी शोध की यात्रा ने उन्हें 'कामापैक्स' नामक कंपनी शुरू करने के लिए प्रेरित किया, जो गन्ने के अपशिष्ट से बने स्ट्रॉ बनाती है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले स्ट्रॉ के पीछे छिपी सच्चाइयों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का काम किया।

प्रख्यात चिकित्सक और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं, 'कई पेपर स्ट्रॉ में रसायन होते हैं, जिन्हें 'फॉरएवर केमिकल्स' भी कहा जाता है। ये आसानी से नष्ट नहीं होते और लंबे समय तक पर्यावरण और हमारे शरीर में बने रह सकते हैं। इन्हें नष्ट करने के लिए विशेष औद्योगिक परिस्थितियों की जरूरत होती है, जो भारत के अधिकांश शहरों में उपलब्ध नहीं हैं।'

प्लास्टिक स्ट्रॉ क्यों हानिकारक हैं

प्लास्टिक स्ट्रॉ सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली एकल-उपयोग (सिंगल-यूज) वस्तुओं में से एक हैं। जब ये गर्मी, धूप या नींबू पानी जैसे अम्लीय पेय के संपर्क में आते हैं तो ये माइक्रोप्लास्टिक नामक छोटे कण छोड़ जाते हैं। माइक्रोप्लास्टिक बहुत छोटे प्लास्टिक कण होते हैं, जो हमारे भोजन और पेय के माध्यम से हमारे शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। प्लास्टिक में ऐसे रसायन भी होते हैं जो हमारे हार्मोन को प्रभावित कर सकते हैं और समय के साथ हमारी सेहत को तबाह करने लगते हैं।

एक स्ट्रॉ भले ही नुकसानदेह न लगे, लेकिन इसके नियमित इस्तेमाल से इसका प्रभाव बढ़ता जाता है और यह एक गंभीर चिंता का कारण बन सकता है। यह दिखाता है कि केवल प्लास्टिक को किसी अन्य सामग्री से बदलना पर्याप्त नहीं है- विकल्प वास्तव में सुरक्षित और टिकाऊ होना चाहिए।

बेहतर विकल्प क्या

यहीं पर गन्ने के (Bagasse) से बने स्ट्रॉ एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आते हैं। बगैस (Bagasse) का हिंदी अर्थ खोई है, जो गन्ना या ज्वार का रस निकालने के बाद बचा हुआ सूखा, रेशेदार अवशेष होता है। यह मुख्य रूप से चीनी मिलों में ईंधन, बिजली उत्पादन, कागज, लुगदी और पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग सामग्री (डिस्पोजेबल प्लेट, कप) बनाने के लिए एक नवीकरणीय स्रोत के रूप में उपयोग किया जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह भारत में आसानी से उपलब्ध है। आप इसे देश के बड़े चीनी उद्योग का उप-उत्पाद कह सकते हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि बगास से बने स्ट्रॉ के कई फायदे हैं। जैसा कि ये पूरी तरह प्लास्टिक-मुक्त और गैर-विषैले होते हैं, इनमें हानिकारक रसायन नहीं होते और ये प्राकृतिक रूप से नष्ट हो जाते हैं और घर पर भी गल सकते हैं। ये कृषि अपशिष्ट से बनाए जाते हैं, जिससे बेकार चीज उपयोगी बन जाती है। ये रोजमर्रा के उपयोग के लिए पर्याप्त मजबूत होते हैं और पेय में कोई हानिकारक पदार्थ नहीं छोड़ते।

क्या यह बड़े स्तर पर संभव है?

सबसे अच्छी बात ये यह है कि बगास आधारित उत्पादों का उत्पादन पहले से ही बढ़ रहा है। पर्यावरण अनुकूल विकल्पों की बढ़ती मांग और सिंगल-यूज प्लास्टिक पर सख्त नियमों के कारण कई व्यवसाय अब ऐसे विकल्प अपनाने लगे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आज के उपभोक्ता अधिक जागरूक हो रहे हैं। वे उन ब्रांड्स को पसंद करते हैं जो वास्तव में पर्यावरण की परवाह करते हैं। व्यवसायों के लिए सुरक्षित विकल्प अपनाने से विश्वास और ब्रांड छवि दोनों में सुधार हो सकता है।

क्या बदलने की जरूरत है

सरकारी नीतियां भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। केवल प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाना पर्याप्त नहीं है। यह स्पष्ट होना चाहिए कि 'सुरक्षित' और 'कम्पोस्टेबल' किसे कहा जाए। भ्रामक दावों पर नियंत्रण होना चाहिए और कृषि अपशिष्ट का उपयोग करने वाले उद्योगों को समर्थन मिलना चाहिए। चावला कहते हैं कि उपभोक्ताओं के लिए संदेश सरल है: केवल लेबल पर भरोसा न करें। सवाल पूछें और अपने स्वास्थ्य तथा पर्यावरण के लिए सही निर्णय लें।

एक स्ट्रॉ भले छोटी चीज लगे लेकिन सबको इस तरह की ही स्ट्रॉ का इस्तेमाल करना होगा जो हमारी सेहत और हमारे पर्यावरण के लिए हानिकारक ना हो। अब समय है कि हम सुविधा से आगे बढ़कर जागरूक विकल्प चुनें- एक-एक घूंट के साथ।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और जाने-माने स्तंभकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष: आज पैतृक संपत्ति से जुड़े मामलों में आपके पक्ष में फैसला आने की संभावना है। वैवाहिक जीवन में प्रेम और सामंजस्य बढ़ेगा। विवाह योग्य लोगों के लिए रिश्ते तय हो सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: सरकारी क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि वरिष्ठ अधिकारी असंतोष जता सकते हैं। जमीन-जायदाद में निवेश करने से फिलहाल बचें। आत्मविश्वास में थोड़ी कमी महसूस हो सकती है। नए प्रोजेक्ट या काम की शुरूआत आज टालना बेहतर रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: परिवार में शांति और संतुलन बना रहेगा। आपका आत्मविश्वास कार्यों को सफल बनाने में सहायक होगा। दोस्तों के माध्यम से व्यापार के नए और उपयोगी आइडिया मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में प्रदर्शन शानदार रहेगा और कानूनी मामलों में भाग्य आपका साथ देगा। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: ऑफिस में कुछ सहकर्मी आपके प्रति असहयोग या अनादर दिखा सकते हैं। व्यापार में बड़े जोखिम लेने से बचना जरूरी है। पैरों में दर्द या हल्की चोट की समस्या हो सकती है। संयम और सतर्कता बनाए रखें। मानसिक ऊर्जा थोड़ी कमजोर रह सकती है। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: वैवाहिक जीवन में चल रहा तनाव खत्म होगा। जमीन या रियल एस्टेट से जुड़े कामों में अच्छा लाभ मिलने के संकेत हैं। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा और घर में स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में बड़े लक्ष्य हासिल करने की दिशा में प्रगति होगी। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: परिवार के लोग आपकी सराहना करेंगे। घर में किसी शुभ कार्य या आयोजन को लेकर खरीदारी हो सकती है। शरीर में गर्मी के कारण त्वचा संबंधी समस्याएं या एसिडिटी परेशान कर सकती है। युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। *(सिटी दर्पण)*

तुला: सामाजिक और लोकसेवा से जुड़े लोगों की आय में वृद्धि के संकेत हैं। नए व्यवसाय की योजना बन सकती है। आपका व्यवहार लोगों को प्रभावित करेगा और आपके प्रयासों का अच्छा परिणाम मिलेगा। मित्रों के माध्यम से शुभ समाचार मिलने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: काम का दबाव अधिक रह सकता है और अनावश्यक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। पिता का सहयोग और आशीर्वाद मिलेगा। घर में मन कम लगेगा। बच्चों का पढ़ाई में ध्यान कम हो सकता है। आज किसी से उधार लेने से बचें। *(सिटी दर्पण)*

धनु: कानूनी मामलों में राहत मिलने की प्रबल संभावना है। सभी कार्य आसानी से पूरे होंगे। नए प्रेम संबंधों को लेकर उत्साह बना रहेगा। यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात हो सकती है। गुरु समान व्यक्ति का आशीर्वाद मिलेगा और नौकरी बदलने के लिए समय अनुकूल है। *(सिटी दर्पण)*

मकर: आपका गुस्सा रिश्तों में तनाव ला सकता है, इसलिए संयम रखें। ईर्ष्या के कारण किसी की आलोचना करने से बचें। आज किसी को पैसा उधार न दें, वरना वापसी में दिक्कत आ सकती है। अजनबियों पर भरोसा करना नुकसानदेह हो सकता है। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: नौकरीपेशा लोगों के स्थानांतरण के योग बन रहे हैं। नए व्यवसाय को लेकर रचनात्मक विचार आएंगे। कोई बड़ा व्यापारिक समझौता होने की संभावना है। तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। कार्यक्षेत्र का माहौल आपके पक्ष में रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

मीन: विदेश में रहने वाले मित्रों से अच्छी खबर मिल सकती है। मन में अनजाना डर बना रह सकता है, लेकिन धैर्य बनाए रखें। दूसरों को खुश करने के चक्कर में अपनी खुशियों को नजरअंदाज न करें। शाम का समय परिवार के साथ सुखद रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

कांग्रेस अध्यक्ष का अनर्गल प्रलाप

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु जब यह प्रतिस्पर्धा तथ्यों, नीतियों और विचारों से हटकर कटु, उग्र और विभाजनकारी भाषा में बदल जाए, तब समझ लीजिए वह लोकतंत्रीय चेतना को आहत करने लगी है। कहना होगा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा असम की एक चुनावी सभा में भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को 'जहरीला सांप' बताने वाला बयान इसी गिरते राजनीतिक स्तर का परिचायक है। यह टिप्पणी देखी जाए तो संपूर्ण लोकतांत्रिक मयार्दाओं और सामाजिक सौहार्द पर आज प्रश्नचिह्न खड़ा करती दिखती है।

असम के नीलांबाजार में दिए गए इस बयान में खड़गे ने धार्मिक संदर्भ का उपयोग करते हुए मुसलमानों से यहां तक कह दिया कि 'कुरान में लिखा है कि नमाज पढ़ते समय अगर कोई जहरीला सांप दिख जाए तो उसे तुरंत मार देना चाहिए।' इसी तर्ज पर उन्होंने भाजपा-आरएसएस को 'खत्म करने' की बात कही। बोले, 'बीजेपी-आरएसएस वह जहरीला सांप है। अगर इन्हें नहीं मारा तो जान बचाना मुश्किल हो जाएगा।' यह भाषा राजनीतिक आलोचना कहीं से भी नहीं है बल्कि एक खतरनाक संकेत समाज में वैमनस्य फैलाने के संबंध में है।

यदि इस पूरे विवाद को तथ्यों और जमीनी हकीकत के संदर्भ में देखा जाए, तब सच स्वयं में प्रकाशमान हो उठता है, समझ आता है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का लगाया गया आरोप कितना विद्वेशपूर्ण और असत्य है। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अक्सर अल्पसंख्यक खासकर (मुसलमान और ईसाई) विरोधी होने का आरोप लगाया जाता है, किंतु सरकारी योजनाओं और उनके लाभार्थियों के आंकड़े इस दावे को कमजोर करते हैं। वहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हर विपदा के दौरान एवं सहज स्थिति में समाज जीवन के हित जो कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, वे इस झूठ को सिरे से नकारने के लिए पर्याप्त हैं।

पिछले एक दशक में केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं पर नजर डालें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि इनका लाभ बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग तक पहुंचा है। उदाहरण के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2015 से 2024 के बीच लगभग 03 करोड़ से अधिक पक्के मकानों का निर्माण हुआ। विभिन्न राज्यों के आंकड़ों के अनुसार, इन लाभार्थियों में अल्पसंख्यक समुदाय की हिस्सेदारी कई स्थानों पर उनकी जनसंख्या के अनुपात से कहीं अधिक रही है। उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में कई जिलों में मुस्लिम लाभार्थियों की हिस्सेदारी 25 फीसद से 35 प्रतिशत के बीच दर्ज की गई, जबकि उनकी जनसंख्या लगभग 18-20% के आसपास है।

इसी प्रकार प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 9.6 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन वितरित किए गए। पेट्रोलियम मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इनमें बड़ी संख्या में मुस्लिम और अन्य अल्पसंख्यक महिलाओं को लाभ मिला। कई सामाजिक अध्ययनों में यह पाया गया कि ग्रामीण मुस्लिम परिवारों में उज्ज्वला योजना का प्रभाव विशेष रूप से सकारात्मक रहा, जिससे धुएं से होने वाली बीमारियों में कमी आई।

किसी को नहीं भूलना चाहिए कि स्वास्थ्य क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना एक ऐतिहासिक पहल रही है। इस योजना के अंतर्गत 50 करोड़ से अधिक लोगों को 05 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवरेज दिया गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अब तक 06 करोड़ से अधिक अस्पताल उपचार इस योजना के तहत हो चुके हैं। इनमें अल्पसंख्यक समुदाय की भागीदारी उल्लेखनीय रही है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां आर्थिक रूप से पिछड़े मुस्लिम समुदाय बड़ी संख्या में रहते हैं।

आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का प्रभाव भी उल्लेखनीय है। इस योजना के तहत अब तक 40 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से लगभग 60 फीसद लाभार्थी महिलाएं हैं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, मुस्लिम समुदाय के छोटे व्यापारियों और कारीगरों ने इस योजना का व्यापक लाभ उठाया है। कई राज्यों में मुद्रा लोन प्राप्त करने वालों में मुस्लिम उद्यमियों की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत तक पहुंची है।

शिक्षा के क्षेत्र में भी केंद्र सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के लिए चलाई जा रही छात्रवृत्ति योजनाएं उल्लेखनीय हैं। प्री-मैट्रिक, पोस्ट-मैट्रिक और मेरिट-कम-मीन्स स्कॉलरशिप के तहत हर वर्ष लाखों छात्रों को सहायता दी जाती है। 2014 से 2023 के बीच 05 करोड़ से अधिक छात्रवृत्तियां वितरित की गईं, जिनमें बड़ी संख्या मुस्लिम छात्रों की रही है। इसके बाद के सालों में भी यही स्थिति देखने को मिलती है, वस्तुतः यह दशार्ता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भाजपा सरकार की प्राथमिकता 'समावेशी विकास' है, न कि 'चयनात्मक लाभ' किसी को प्रदान करना है।

अब एक सरल उदाहरण से भी इसे समझ लेते हैं, मान लीजिए किसी राज्य में मुस्लिम आबादी 20 प्रतिशत है, किंतु जब सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन आते हैं, तो उनमें से 30-40 प्रतिशत लाभार्थी मुस्लिम समुदाय से होते हैं। इसका कारण यह है कि ये योजनाएं धर्म के आधार पर नहीं, आर्थिक और सामाजिक जरूरत के आधार पर लागू की जाती हैं। यानी जो गरीब है, वंचित है, वही प्राथमिकता में आता है चाहे वह किसी भी धर्म-समुदाय का ही क्यों न हो। राज्य स्तर पर भी यही प्रवृत्ति दिखाई देती है। असम में हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में चल रही योजनाओं में सभी समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के दौरान कानून-व्यवस्था और योजनाओं के वितरण में पारदर्शिता आई है, जिससे सभी वर्गों को समान रूप से लाभ मिला है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखण्ड, दिल्ली, गुजरात, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र आज आप किसी भी भाजपा शासित राज्य के आंकड़ों को उठाकर देख कसते हैं। जनसंख्या के अनुपात में सबसे अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ उल्पसंख्यक विशेषकर मुसलमानों के द्वारा ही उठाया जा रहा है।

इसके विपरीत, कांग्रेस का राजनीतिक नैरेटिव लंबे समय से 'भय' और 'भ्रम' पर आधारित रहा है। अल्पसंख्यकों में उसके द्वारा खासतौर पर मुसलमानों और ईसाईयों के बीच यह संदेश देने की कोशिश की जाती रही है कि भाजपा और संघ उनके विरोधी हैं। किंतु जब वास्तविकता में योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचता है, तो यह नैरेटिव कमजोर पड़ता है।

राजनीतिक विमर्श में भाषा की मयार्दा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। 'जहरीला सांप' और 'मार देना चाहिए' जैसे शब्द सीधे तौर पर उकसावे की श्रेणी में आते हैं। यह लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर करते हैं और समाज में विभाजन को बढ़ावा देते हैं। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में इस प्रकार की भाषा बोलना पूरी तरह से अनुचित और खतरनाक है। यह सभी समझ लें कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा पर यदि निष्पक्ष दृष्टि से विचार किया जाए, तो उसका मूल उद्देश्य राष्ट्र को संगठित करना और उसे सशक्त बनाना है। संघ की प्रार्थना में प्रतिदिन 'भारत को परम वैभव तक पहुंचाने' की कामना की जाती है। यही दृष्टिकोण भारतीय जनता पार्टी की नीतियों में भी परिलक्षित होता है, जहां 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' उसकी नीति का आधार है।

ऐसे में अब प्रश्न यही उठता है कि आखिर समाज में 'जहर' कौन फैला रहा है? कौन समाज को बांटने वाली भाषा का उपयोग कर रहा है? या वह जो विकास और समावेशन की बात कर रहा है? वस्तुतः कहना होगा कि आज मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान कांग्रेस की वर्तमान स्थिति को भी दशार्ता है, जहां ठोस मुद्दों की बजाय भावनात्मक और विभाजनकारी भाषा का सहारा लिया जा रहा है। कांग्रेस को यह समझ लेना होगा कि भारत की जनता अब पहले से अधिक जागरूक है। वह भाषण से कहीं अधिक काम देखती है। आरोपों से अधिक वह परिणामों का मूल्यांकन करती है।

देश में पिछले वर्षों के दौरान व्यापक स्तर पर जिस प्रकार से जनकल्याणकारी योजनाओं का विस्तार हुआ है और उनका लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचा है, उसने आज विकास की राजनीति को टिकाऊ बना दिया है। यही कारण है जो भाजपा लगातार राज्यों में अपनी जीत दर्ज करा रही है। यहां समग्रता से कांग्रेस के लिए कहना यही है कि वह समय के साथ 'अनर्गल प्रलाप' और झूठ फैलाना बंद करे। 'वास्तविक विकास' बनाम विकास विहीन समाज के बीच के अंतर को स्पष्ट रूप से समझ ले, अन्यथा ऐसा न हो कि कांग्रेस जो अभी विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी है, उसके लिए स्वयं का अस्तित्व भी बचाए रखना मुश्किल हो जाए, क्योंकि जनता सब देख रही है, वो सब जानती है!

मान सरकार द्वारा मोहाली में अत्याधुनिक बहु-उद्देशीय प्रदर्शनी एवं कन्वेंशन सेंटर किया जाएगा विकसित: संजीव अरोड़ा

मोहाली में मेगा प्रदर्शनी एवं कन्वेंशन सेंटर के आने से 15-25 हजार नौकरियों का रास्ता खुलेगा: संजीव अरोड़ा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के उद्योग एवं वाणिज्य, निवेश प्रोत्साहन, स्थानीय निकाय तथा बिजली मंत्री संजीव अरोड़ा ने आज मोहाली में पल्कशा यूनिवर्सिटी और सेक्टर 83 के इंफोसिस कैंपस के निकट एक अत्याधुनिक बहु-उद्देशीय प्रदर्शनी एवं कन्वेंशन सेंटर (ई.सी.सी.) विकसित करने का ऐलान किया। यह निवेश, बुनियादी ढांचे और विश्वव्यापी व्यापारिक अवसरों के केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहे पंजाब का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा, अरविंद केजरीवाल, राष्ट्रीय संयोजक और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी नेतृत्व में की जा रही यह ऐतिहासिक पहल पंजाब को निवेश और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए पसंदीदा स्थान बनाने के प्रति पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

प्रोजेक्ट की अधिक जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि कन्वेंशन सेंटर मोहाली आईटी सिटी के बिल्कुल बीच में लगभग 14 एकड़ क्षेत्र में सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत विकसित किया जाएगा। लगभग 250 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाला यह प्रोजेक्ट एग्जीकन इवेंट्स मीडिया सॉल्यूशंस लिमिटेड द्वारा विकसित किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि प्रोजेक्ट के लिए रियायत की अवधि 15 वर्ष होगी।

मंत्री ने कहा, इस प्रोजेक्ट के तहत बड़े स्तर पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी के लिए एक अत्याधुनिक कन्वेंशन सेंटर बनाया जाएगा, जो विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और सुविधाओं से लैस होगा।

उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहला चरण 31 दिसंबर 2026 तक और दूसरा चरण 31 दिसंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। बुनियादी ढांचे के बारे में जानकारी देते हुए मंत्री ने कहा कि

ई.सी.सी. में बड़े स्पैन वाले कॉलम-फ्री प्रदर्शनी हॉल होंगे, जिनमें लगभग 40,000 वर्ग फुट और 15,000 वर्ग फुट के दो बड़े हॉल के साथ लगभग 15,000 वर्ग फुट में फैला रिटेल, फूड और बेवरेज जोन तथा लगभग 1000 वाहनों की पार्किंग सुविधा भी शामिल होगी। उन्होंने आगे कहा कि इस सुविधा में विश्व स्तरीय लैंडस्केप वाले पब्लिक स्पेस और आयोजन करने के लिए खुले सार्वजनिक क्षेत्र भी शामिल होंगे।

मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा, ई.सी.सी. एक लचीला, बहु-कार्यात्मक स्थान के रूप में काम करेगा, जो 5,000 से 10,000 डेलिगेट्स वाली कॉन्फ्रेंस और सम्मेलनों की मेजबानी, 2,000 लोगों की सुविधा के लिए लगभग 20,000 वर्ग फुट के मीटिंग एरिया, 200 से 500 बूथों वाले व्यापार मेलों और प्रदर्शनियों, 1,000 से 10,000 श्रोताओं वाले कॉर्पोरेट कार्यक्रमों, 1,000 से 10,000 लोगों वाले सांस्कृतिक और विविध कार्यक्रमों तथा 15,000 लोगों तक के सामाजिक आयोजनों की मेजबानी करने में सक्षम है।

आधुनिक डिजाइन और स्थिरता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि इस सुविधा में उन्नत कॉलम-फ्री संरचनात्मक प्रणालियां, कुशल ट्रैफिक सकुर्लेशन और लॉजिस्टिक्स प्लानिंग, आधुनिक एमइपी, एवी, आइटी सिस्टम का एकीकरण, एनबीसी मानकों का पालन, अग्नि सुरक्षा और पहुंच-योग्यता मानक तथा ग्रीन 5-स्टार सस्टेनेबल डिजाइन सिद्धांत अपनाए जाएंगे।

मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा, यह कन्वेंशन और प्रदर्शनी केंद्र पंजाब के लिए एक नुहार बदलने वाला प्रोजेक्ट साबित होगा। यह ग्लोबल कार्यक्रमों की मेजबानी, निवेश आकर्षित करने और बड़े स्तर पर रोजगार सृजन की हमारी क्षमता को प्रभावी ढंग से बढ़ाएगा। मोहाली एक आधुनिक शहरी और टेक्नोलॉजी हब के रूप में तेजी से उभर रहा है और ऐसा विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा इसके विकास की गति को और तेज करेगा। आर्थिक प्रभावों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट के पहले पांच वर्षों में 15,000 से 25,000 के बीच रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। साथ ही पर्यटन, आतिथ्य और सहायक क्षेत्रों को बढ़ावा देते हुए पंजाब को एक अग्रणी माइस डेस्टिनेशन के रूप में पंजाब की स्थिति मजबूत करेगा।

मंत्री संजीव अरोड़ा ने आगे कहा, यह प्रोजेक्ट मोहाली को 21वीं सदी के आईटी और सेवाओं के हब के रूप में विकसित करने, व्यवसाय करने में आसानी बढ़ाने, निवेशक इकोसिस्टम को मजबूत करने और विश्व स्तरीय सहयोग एवं आयोजनों को समर्थन देने के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा बनाने के पंजाब सरकार के व्यापक विजन से पूरी तरह मेल खाता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एग्जीकन ग्रुप के चेयरमैन एम. क्यू. सईद, पुडा के ए.सी.ए. विकास हीरा, प्रोजेक्ट के आर्किटेक्ट संजय सूर्या और राहुल शाह, डायरेक्टर उपस्थित थे।

कृषि विभाग के 500 से अधिक कर्मचारी फसलों के नुकसान का लेंगे जायजा: गुरमीत सिंह खुड्डियां

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री सरदार गुरमीत सिंह खुड्डियां ने आज बताया कि हाल ही में खराब मौसम के कारण फसलों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए राज्य के सात जिलों के प्रभावित क्षेत्रों में कृषि विभाग के 500 से अधिक कर्मचारियों को लगाया गया है।

इस संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि इस कार्य में लगाए गए इन कर्मचारियों में ग्रुप-ए के 145 अधिकारी भी शामिल हैं, जो प्रभावित जिलों, अमृतसर, श्री मुक्तसर साहिब, फाजिल्का, बठिंडा, मानसा, फिरोजपुर और मोगा में आकलन कार्यों की विशेष रूप से निगरानी कर रहे हैं। इन टीमों को मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान की

अगुवाई वाली पंजाब सरकार द्वारा की गई विशेष गिरदावरी (फसलों के नुकसान का आकलन) की घोषणा के सुचारू क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए राजस्व विभाग के साथ समन्वय के माध्यम से काम करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। यह कदम मुख्यमंत्री द्वारा खराब हुई फसल की विशेष गिरदावरी के बारे में की गई घोषणा के एक दिन बाद उठाया गया है, जो पंजाब की अर्थव्यवस्था की रीढ़ किसानों को तुरंत राहत प्रदान करने की राज्य सरकार की प्राथमिकता को दशार्ता है।

प्राकृतिक आपदा के प्रभाव के बारे में बताते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चला है कि हाल ही में हुई बारिश और ओलावृष्टि के कारण सात जिलों में 1.25 लाख एकड़ से अधिक क्षेत्र में गेहूं की फसल प्रभावित हुई है। स. खुड्डियां ने कहा, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार इस संकट की घड़ी में किसानों के कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और प्राकृतिक आपदा के कारण हुए नुकसान की भरपाई निर्धारित नियमों के अनुसार की जाएगी। डिप्टी कमिश्नरों द्वारा अंतिम रिपोर्ट सौंपने के बाद हर प्रभावित किसान को उसका हक मिलना सुनिश्चित करने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी।

डी.आर.एम.संजीव कुमार ने फिरोजपुर मंडल के यात्रियों को दी महत्वपूर्ण सुरक्षा सलाह

सिटी दर्पण संवाददाता
जैतो

उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल प्रबंधक संजीव कुमार ने कहा कि फिरोजपुर मंडल द्वारा रेलयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर जन-जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। इस अभियान के दौरान, यात्रियों और आम नागरिकों से अपील की जाती है कि वे चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने से बचें और ट्रेन के पूरी तरह रुकने के बाद ही प्लेटफॉर्म से सुरक्षित तरीके से चढ़े या उतरे। आरक्षित कोच के अलावा दिव्यांग, महिला कोच, गार्ड ब्रेक या पार्सल वैन में अनधिकृत यात्रा करना रेल अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे यात्रा के दौरान अपने सामान को सुरक्षित रखें, खिड़की और दरवाजों के पास सतर्क रहें तथा कीमती वस्तुओं को खिड़की से दूर रखें। अनजान व्यक्तियों से खाने-पीने की वस्तुएं लेने से भी परहेज करें। चलती

ट्रेन के दरवाजे या पायदान पर खड़े होकर यात्रा करना या सेल्फी लेना जानलेवा हो सकता है। साथ ही, यात्रा के दौरान ज्वलनशील वस्तुएं ले जाना भी प्रतिबंधित है। यदि किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु दिखाई दे तो तुरंत टीटीई, आरपीएफ या जीआरपी को सूचित करें अथवा रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर संपर्क करें। मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार ने कहा कि लापरवाही न केवल ट्रेन संचालन को प्रभावित करती है बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी खतरा है। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे सुरक्षा नियमों का पालन करें और सुरक्षित यात्रा को प्राथमिकता दें।

उत्तर रेलवे के जीएम ने अमृतसर-जालंधर-लुधियाना सैक्सन का निरीक्षण किया ,यात्री सुविधाओं की समीक्षा की

जैतो । उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार पाण्डेय द्वारा आज अमृतसर-जालंधर-लुधियाना रेलखंड का विस्तृत निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न रेलवे स्टेशनों एवं संबंधित अवसंरचना का गहन निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं, स्वच्छता, संरक्षा व्यवस्थाओं तथा परिचालन दक्षता की समीक्षा की। महाप्रबंधक उत्तर रेलवे ने अमृतसर रेलवे स्टेशन की रिडेवलपमेंट कार्यो का निरीक्षण कर उनकी प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने वेटिंग हॉल, बुकिंग कार्यालय, आरक्षण कार्यालय, पार्किंग व्यवस्था, सकुर्लेटिंग एरिया तथा स्टेशन की सेकेंड एंट्री सहित विभिन्न यात्री सुविधाओं का व्यापक अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने यात्रियों की सुविधा एवं

पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए डिजिटल ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। महाप्रबंधक, द्वारा ब्यास रेलवे स्टेशन पर प्रस्तावित रिडेवलपमेंट कार्यो की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न यात्री सुविधाओं का जायजा लेते हुए कार्यो की प्रगति का आकलन किया। इस अवसर पर डेरा राधा स्वामी सत्संग ब्यास की प्रबंधन समिति के सदस्यगण भी उपस्थित रहे ।महाप्रबंधक द्वारा जालंधर सिटी रेलवे स्टेशन पर प्रस्तावित रिडेवलपमेंट कार्यो की समीक्षा की गई। इस दौरान उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध विभिन्न यात्री सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए चल रहे कार्यो की प्रगति का विस्तृत आकलन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए। जालंधर छावनी रेलवे स्टेशन के प्रमुख विकास कार्य पूर्ण हो चुके हैं। इसी क्रम में महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे द्वारा स्टेशन पर रिडेवलपमेंट कार्यो का अवलोकन किया गया तथा कार्यो की गुणवत्ता और प्रगति का जायजा लिया गया ।निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे ।महाप्रबंधक ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए सेवा गुणवत्ता में निरंतर सुधार हेतु प्रेरित किया तथा महाप्रबंधक ने यात्रियों को सुरक्षित, बेहतर और सुगम रेल सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

एक पिता के लिए बड़ी राहत: मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत चार महीने की दिलजोत को 2.77 लाख का इलाज कवर मिला; तीन महीनों में 6,000 से अधिक नवजात बच्चों का इलाज किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री सेहत योजना की शुरूआत के दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा था कि इलाज के बारे में सोचो, बिल के बारे में नहीं। सरकार तुम्हारे इलाज का खर्च उठाएगी। अबोहर में रश्प्रीत कौर और भरत कुमार के घर जन्मी चार महीने की दिलजोत जैसे परिवारों के लिए ये शब्द बहुत मायने रखते हैं।

दिलजोत को गंभीर संक्रमण और वेंट्रीकुलर सेप्टल डिफेक्ट (दिल में छेद) की बीमारी पाई गई, जो जन्म से पहले ही विकसित हो जाती है। उसके माता-पिता उसे इलाज के लिए बठिंडा ले गए। उनका एकमात्र मकसद था - उसकी जान बचाना। गंभीर इलाज का खर्च बहुत ज्यादा था, लेकिन मुख्यमंत्री सेहत योजना उनके लिए वरदान बनकर आई। दिलजोत को विशेष चिकित्सकीय देखभाल मिली, जिसमें 24 घंटे निगरानी शामिल थी, और उसके परिवार को एक दिन भी पैसे की चिंता नहीं करनी पड़ी।

भरत कुमार, जो अबोहर में एक छोटा सैलून चलाते हैं, ने कहा कि डॉक्टरों ने उन्हें बताया था कि उनकी बेटी के दिल में छेद है। उनकी बच्ची का इलाज दो अलग-अलग अस्पतालों में हुआ और स्वास्थ्य कार्ड के तहत 2.77 लाख रुपये का पूरा खर्च कवर हो गया।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में यह योजना सुनिश्चित करती है कि किसी भी परिवार को स्वास्थ्य और आर्थिक मुश्किलों में से किसी एक का चुनाव न करना पड़े। इस योजना के तहत हर मां और नवजात बच्चे को सालाना 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज मिल सकता है - चाहे सरकारी अस्पताल हो या सूचीबद्ध निजी अस्पताल - और यह सुविधा बच्चे के जन्म के पहले घंटों से ही उपलब्ध होती है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री बलबीर सिंह ने कहा कि हम गांवों में कार्यक्रम चला रहे हैं ताकि परिवार समय पर जांच करवाएं और इलाज में देरी न करें। पिछले तीन महीनों में ही 6,000 से अधिक नवजात बच्चों का इलाज इस योजना के तहत किया गया है, जो नवजात बच्चों को समय पर चिकित्सा सेवा देने में योजना की बढ़ती पहुंच को दशार्ता है। यह योजना जन्म के समय कम वजन, समय से पहले जन्म, संक्रमण और अन्य नवजात जटिलताओं के इलाज में मदद करती है तथा मां की स्वास्थ्य देखभाल और प्रसव के बाद की स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूत बनाती है।

दिलजोत का केस अकेला नहीं है। पूरे पंजाब में अब परिवार नवजात बच्चों को शुरूआती दिनों में ही इलाज के लिए अस्पताल ले आ रहे हैं, क्योंकि उन्हें भरोसा है कि इलाज का खर्च उन्हें नहीं झेलना पड़ेगा।

बठिंडा के अग्रवाल अस्पताल में एक नवजात, जिसे गंभीर पीलिया और सांस लेने में दिक्कत थी, का लगभग 1 लाख रुपये का इलाज पूरी तरह इस योजना के तहत कवर किया गया।

मुलजिम अपने हैंडलरों द्वारा निर्धारित जगहों से हथियारों की खेप प्राप्त करते थे: डीजीपी गौरव यादव

हथियार तस्करी मॉड्यूल का पदार्फाश; नाबालिग समेत चार व्यक्ति 7 पिस्तौलों सहित गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित प्रदेश बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने चार व्यक्तियों को, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है, सात आधुनिक पिस्तौलों सहित गिरफ्तार करके सरहद पार से हथियारों की तस्करी के मॉड्यूल का पदार्फाश किया है। यह जानकारी आज यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान गुरविंदर सिंह उर्फ गिंदर (32), जॉबनबीर सिंह उर्फ जॉबन (23), दोनों निवासी गांव लधेवाल, अमृतसर; गांव भूसे, तरन तारन के निवासी लवप्रीत सिंह उर्फ लव; और एक 16 वर्षीय नाबालिग के रूप में हुई है। बरामद की गई पिस्तौलों में दो .30 बोर पीएक्स 5 स्टॉर्म, इटली निर्मित दो .30 बोर पिस्तौल, एक .30 बोर चीनी पिस्तौल, ऑस्ट्रिया निर्मित एक .30 बोर और एक 9 एमएम पिस्तौल तथा 12 जिंदा कारतूस शामिल हैं। पुलिस टीमों ने मुलजिमों का मोटरसाइकिल भी जब्त कर लिया है।

16 वर्षीय नाबालिग मुलजिम का भी पुराना आपराधिक रिकॉर्ड, असला एक्ट के तहत केस का सामना कर रहा है: सीपी अमृतसर गुरप्रीत भुल्लर

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि उक्त मुलजिम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से पाकिस्तान स्थित तस्करों के

संपर्क में थे। उन्होंने बताया कि अवैध हथियारों की खेप अटारी सेक्टर में गांव भैणी और नेश्टा क्षेत्र के पास ड्रोन के जरिए भेजी जा रही थी।

डीजीपी ने बताया कि अपने हैंडलरों के निर्देश पर काम करते हुए उक्त मुलजिम निर्धारित जगहों से खेपें प्राप्त करके इन्हें आगे अपने स्थानीय गुर्गों को सप्लाई करते थे। उन्होंने कहा कि पूरे नेटवर्क का पदार्फाश करने के लिए इस मामले में आगे-पीछे के संबंधों की जांच की जा रही है। पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कार्रवाई संबंधी विवरण साझा करते हुए कहा कि आरोपी गुरविंदर उर्फ गिंदर, जॉबनबीर उर्फ जॉबन और लवप्रीत उर्फ लव को छह पिस्तौलों सहित गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि छापेमारी के दौरान उनका चौथा साथी मौके से भागने में कामयाब रहा, जिसके बाद पुलिस टीमों ने अपनी तलाश जारी रखी और तेजी से कार्रवाई करते हुए अगले दिन उक्त नाबालिग आरोपी को एक पिस्तौल सहित गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि गुरविंदर उर्फ गिंदर और लवप्रीत उर्फ लव के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। साथ ही नाबालिग आरोपी के खिलाफ अमृतसर देहाती के पुलिस थाना घरिंडा में असला एक्ट के तहत पहले भी एक आपराधिक मामला दर्ज है, जिसमें उसके पास से तीन पिस्तौल बरामद की गई थीं।

इस संबंध में पुलिस थाना छेहरटा, अमृतसर में असला एक्ट की धारा 25(8) के तहत एफआईआर नंबर 72 दिनांक 02-04-2026 दर्ज की गई है।

संक्षिप्त-समाचार

महिलाओं के लिए सर्वोत्तम संस्था 2026 के रूप में ट्राइडेंट समूह सम्मानित

चंडीगढ़। ट्राइडेंट समूह को ईटी एज द्वारा ह्लमहिलाओं के लिए सर्वोत्तम संस्था 2026ह्व के रूप में सम्मानित किया गया है। यह सम्मान कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए समावेशी, सहयोगपूर्ण और सशक्त वातावरण विकसित करने की दिशा में समूह के निरंतर प्रयासों को मान्यता देता है। इस अवसर पर ट्राइडेंट समूह की मुख्य मानव संसाधन अधिकारी पूजा बी. लूथरा ने कहा,ह्लट्राइडेंट में महिलाओं का सशक्तिकरण हमारी सोच, कार्यप्रणाली और विकास का अभिन्न हिस्सा है। हम ऐसा कार्यस्थल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां महिलाएं सम्मानित महसूस करें, उन्हें पूरा सहयोग मिले और वे आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। यह सम्मान हमारे इस विश्वास को और मजबूत करता है कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो संस्था भी अधिक सुदृढ़ बनती है। इस दिशा में समूह ने कई महत्वपूर्ण पहल शुरू की हैं। ह्यश्रीजनाह्ण, ह्यअस्मिता अवकाशह्ण और ह्यशगुन/आशीर्वादह्ण जैसे कार्यक्रमों के साथ ह्यहस्तकलाह्ण पहल को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त मातृत्व लाभ, लचीले कार्य विकल्प, स्वास्थ्य एवं कल्याण संबंधी कार्यक्रम तथा नेतृत्व विकास की व्यवस्थाएं भी महिलाओं को प्रदान की जा रही हैं।

गैंगस्टरों ते वार का 78वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 400 स्थानों पर छापेमारी; 192 गिरफ्तार

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों पर शुरू की गई निर्णायक ह्यगैंगस्टरों ते वारह्ण मुहिम के 78वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के साथियों के चिन्हित और मैप किए गए 400 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि ह्लगैंगस्टरों ते वारह्व पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक व्यापक अभियान है, जिसकी शुरूआत 20 जनवरी 2026 को डीजीपी गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्यभर में विशेष अभियान चला रही हैं। 78वें दिन पुलिस टीमों ने पांच हथियार बरामद करने के बाद 192 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे इस अभियान की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 19,642 हो गई है। इसके अलावा 109 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई, जबकि 41 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने छह भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 के माध्यम से गोपनीय रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में सूचना दे सकते हैं और आपराधिक गतिविधियों की जानकारी साझा कर सकते हैं। इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम ह्लयुद्ध नशों विरुद्धह्व के 403वें दिन 115 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 841 ग्राम हेरोइन, 860 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 25,550 रुपये की ड्रग मनी बरामद की। इसके साथ ही, केवल 403 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 57,728 हो गई है। नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 24 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार के लिए तैयार भी किया।

आईकू ने एनिवर्सरी सेल के साथ जश्न मनाया

चंडीगढ़। हाई-परफॉर्मेंस स्मार्टफोन ब्रांड आईकू अपने छह साल पूरे होने का जश्न सीमित अवधि की एनिवर्सरी सेल के साथ मना रहा है। 6 अप्रैल से 10 अप्रैल 2026 तक ग्राहक अमेजन.इन और आईकू.इन पर आईकू स्मार्टफोन्स पर आकर्षक ऑफर्स का लाभ उठा सकते हैं। पिछले छह वर्षों में आईकू ने भारत के युवा और टेक-सेवी उपभोक्ताओं के लिए पावरफुल और परफॉर्मेंस-ड्रिवन इनोवेशन देने की प्रतिबद्धता निभाई है। इस यात्रा के केंद्र में 70 लाख से अधिक ह्यक्वेस्टर्सह्ण का मजबूत समुदाय है, जिनकी फीडबैक उत्पादों को बेहतर बनाने और भरोसा कायम करने में मदद करती है। ग्राहक आईकू ई-स्टोर और अमेजन.इन पर इन एनिवर्सरी ऑफर्स का लाभ उठा सकते हैं। भारत में प्रीमियम फ्लैगशिप के लिए नया स्तर तय करते हुए, आईकू 15 में इंडस्ट्री का बेस्ट सैमसंग 2के एम14 लीड ओएलईडी डिस्प्ले दिया गया है। यह भारत का सबसे ब्राइट डिस्प्ले है, जिसमें 2600 निट्स (एचबीएम) और 6000 निट्स लोकल पीक ब्राइटनेस मिलती है। स्नैपड्रैगन 8 एलीट जेन 5 प्रोसेसर और आईकू के प्रोप्राइटरी सुपरकंप्यूटिंग चिप क्यू3 से पावर्ड यह डिवाइस शानदार स्पीड और एफिशिएंसी देता है, जिसे भारत के सबसे बड़े 8के सिंगल लेयर वीसी कूलिंग सिस्टम का सपोर्ट मिलता है। यह फ्लैगशिप ओरिजिनल ओएस 6 पर आधारित एंड्रॉइड 16 के साथ आता है और इसमें 5+7 साल के सॉफ्टवेयर अपडेट मिलते हैं।

स्पीकर संधवां ने मेरा घर मेरे नाम योजना के तहत गांव फिड्डे कलां, कोटकपूरा के निवासियों को सौंपे उनके घरों के मालकी सर्टिफिकेट

चंडीगढ़। आज ज़िला फरीदकोट के कोटकपूरा में पड़ने वाले गांव फिड्डे कलां में आयोजित समारोह के दौरान पंजाब विधानसभा स्पीकर श्री कुलतार सिंह संधवां ने ह्यमेरा घर मेरे नामह्ण योजना के तहत 170 से अधिक लाभार्थियों को उनके घरों के मालकी प्रमाण-पत्र सौंपे। यह योजना पंजाब सरकार द्वारा पंजाब के लोगों को संपत्ति के मालकी अधिकार प्रदान करने के उद्देश्य से चलाई जा रही है। इससे पहले इलाके के अधिकांश लोग अपने घरों में रहने के बावजूद कानूनी दस्तावेजों या मालकी अधिकारों से वंचित थे। जिस कारण उन्हें बैंक से ऋण लेने या घर की खरीद-बिक्री के समय कई प्रकार की मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। इस योजना के माध्यम से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को न केवल अपने घरों के पूर्ण कानूनी अधिकार मिलेंगे, बल्कि उनके जीवन में सुरक्षा और स्थिरता भी आएगी। कोटकपूरा के निवासियों ने पंजाब सरकार का धन्यवाद करते हुए कहा कि पंजाब सरकार ने आज हमारा अधूरा सपना पूरा कर दिया है। स्पीकर ने कहा कि हम पंजाब के लोगों की मदद करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे, ताकि वे अपनी ज़िंदगी बड़े मान-सम्मान के साथ बसर कर सकें।

मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने पानी संरक्षण के लिए नई तकनीक अपनाने पर दिया जोर

चंडीगढ़/लुधियाना। पंजाब के भूमि एवं जल संरक्षण, खान एवं भू-विज्ञान तथा जल संसाधन मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल ने आज पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पी.ए.यू.), लुधियाना में राज्य की पहली केंद्रीय धुरवी सिंचाई प्रणाली का उद्घाटन किया। यह उत्तरी भारत में आधुनिक, स्वचालित सिंचाई तकनीक की स्थापित की गई पहली परियोजना है। इस अवसर पर पी.ए.यू. के वाइस चांसलर डॉ. सतबीर सिंह गोसल, डी.जी.एम. नाबार्ड अमित गर्ग तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। प्रगतिशील किसान, वैज्ञानिक, फैकल्टी सदस्य तथा मृदा एवं जल संरक्षण, कृषि, बागवानी और अन्य संबद्ध विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर बोलते हुए कैबिनेट मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने वैज्ञानिकों, अधिकारियों और विद्यार्थियों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई.) के उभरते युग में नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने और अत्याधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने की अपील की। उन्होंने पंजाब में भूजल की नाजुक स्थिति को उजागर करते हुए जल संरक्षण के लिए आधुनिक सिंचाई तरीकों को बढ़ावा देने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। बरिंदर गोयल ने पंजाब सरकार की भूजल संरक्षण के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कृषि में सतही जल के उपयोग को बढ़ाने के लिए किए गए महत्वपूर्ण प्रयासों की सराहना की। उन्होंने पंजाब में उन्नत केंद्रीय धुरवी सिंचाई प्रणाली की शुरूआत के लिए मृदा एवं जल संरक्षण विभाग की प्रशंसा की तथा पी.ए.यू. में इस अग्रणी प्रदर्शन परियोजना को वित्तीय सहायता देने के लिए नाबार्ड का धन्यवाद किया।

अमेरिका-इजराइल ने ईरान पर हमले रोके, दो हफ्ते का संघर्ष विराम प्रभावी

इस्लामाबाद में होगी ऐतिहासिक वार्ता, जेडी वैंस संभालेंगे कमान

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन/तेल अवीव/ तेहरान

अमेरिका आखिरकार दो सप्ताह के संघर्ष विराम (सीज फायर/ युद्ध विराम) पर सहमत हो गया। इस पर इजराइल ने भी हां कर दी है। दोनों ने मध्यस्थ देशों का मान रख लिया और अब ईरान के साथ आमने-सामने की बातचीत की तैयारी की जा रही है। 28 फरवरी से ईरान के साथ छिड़े युद्ध की लपटों में अमेरिका और इजराइल के मददगार देश भी झुलस चुके हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सोशल ट्रुथ पर दो हफ्ते के युद्ध विराम के ऐलान से दुनिया ने बड़ी राहत महसूस की है। अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमले रोक दिए हैं। सीएनएन, सीबीएस न्यूज, अल जजीरा, दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि प्रशासन अब ईरान के साथ सीधी (आमने-सामने की) बातचीत की तैयारी कर रहा है। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संभवतः उप राष्ट्रपति जेडी वैंस करेंगे। इसका मकसद दीर्घकालिक समझौते का प्रारूप तैयार करना है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने माना कि इस समय आमने-सामने की बातचीत की चर्चा चल रही है। उन्होंने साफ किया कि इसकी अंतिम घोषणा राष्ट्रपति या व्हाइट हाउस करेंगे। कुछ अधिकारियों ने बताया कि यह बैठक संभवतः पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में होगी। इन अधिकारियों के अनुसार, ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ, दामाद जेरेड कुशनर और उप राष्ट्रपति जेडी वैंस के इस बैठक में शामिल होने की उम्मीद है। हालांकि वैंस इस समय हंगरी के दौरे पर हैं। उधर, ईरान के खिलाफ शुरू किए सैन्य अभियान में अमेरिका के सहयोगी इजराइल के अधिकारी ट्रंप के रुख में अचानक आए बदलाव से आश्चर्यचकित हैं। हालांकि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ट्रंप की सहमति पर अपनी हां कर दी है। इससे साफ हो गया है कि इजराइल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अनुसरण करते हुए इस संघर्ष विराम का पालन करेगा। इस बीच एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान के अंदर हमले रोक दिए हैं। ईरान ने कहा है कि संघर्ष विराम के दौरान उसकी सेना होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के आवागमन को नियंत्रित करेगी। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने एक बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि ईरान की 10 सूत्री योजना को स्वीकार कर लिया गया है।

ईरान की घोषणा, अमेरिका से कल इस्लामाबाद में शुरू होगी बातचीत

तेहरान। अमेरिका-इजराइल के दो हफ्ते के संघर्ष विराम पर सहमत होने के बाद ईरान के लोग और वहां की हुकूमत खुश है। ईरान ने घोषणा की है कि अमेरिका से शुक्रवार को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में बातचीत शुरू होगी। तेहरान का कहना है कि ये बातचीत उसके 10 सूत्री प्रस्ताव पर केंद्रित होगी। इस प्रस्ताव में होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण और सभी प्रतिबंधों को हटाने की मांग की गई है। अल जजीरा चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने भी अमेरिका के साथ दो हफ्ते के युद्ध विराम पर सहमति जताई है। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने कहा है कि वाशिंगटन के साथ बातचीत शुक्रवार को इस्लामाबाद में शुरू होगी। बातचीत सिर्फ और सिर्फ प्रस्ताव के दायरे में होगी। ईरान का यह बयान बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद आया है। ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के बिजली संयंत्रों और पुलों पर बमबारी की धमकी वापस लेने और दो हफ्ते तक हमला न करने पर सहमत हो गए हैं। ट्रंप ने कहा कि यह समझौता होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति पर निर्भर करेगा। ईरान को उसे तुरंत और सुरक्षित रूप से खोलना होगा। उल्लेखनीय है कि यह एक संकरा जलमार्ग है। यह मार्ग खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। इस रास्ते से दुनिया की तेल आपूर्ति का पांचवां हिस्सा गुजरता है। 28 फरवरी के हमले के बाद ईरान ने होर्मुज की नाकाबंदी कर दी। इससे वैश्विक तेल व्यापार बाधित हो गया। इससे तेल की कीमतें बढ़ गईं और दुनिया भर में ईंधन की कमी हो गई। ईरान के जवाबी हमलों की गूंज पूरे खाड़ी क्षेत्र में सुनाई दी। इस जंग में ईरान के साथ आतंकी समूह हिजबुल्लाह और हूती भी खुलकर सामने आ गए।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में भी चौतरफा तेजी का रुख

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच दो सप्ताह तक सीजफायर का ऐलान होने के बाद ग्लोबल मार्केट से आज मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान सपाट स्तर पर मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए थे। लेकिन, डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज जोरदार मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए थे। वहीं एशियाई बाजार में आज चौतरफा खरीदारी होती हुई नजर आ रही है।

पश्चिम एशिया में जारी जंग में अगले दो सप्ताह तक के लिए सीजफायर का ऐलान होने के पहले अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार होता रहा। इस दबाव की वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक सपाट स्तर पर बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 6,616.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत नैस्डेक ने 0.03 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 21,990.75 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि सीजफायर का ऐलान होने के बाद आज डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में जोरदार तेजी आ गई। फिलहाल यह सूचकांक 1,082.12 अंक यानी 2.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 47,666.58 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। सीजफायर का ऐलान होने के पहले पिछले सत्र के दौरान यूरोपीय बाजार भी दबाव में कारोबार करते रहे। एफटीएसई इंडेक्स 0.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,348.79 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,908.74 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 246.49 अंक यानी 1.08 प्रतिशत टूट कर 22,921.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच सीजफायर का ऐलान होने के कारण एशियाई बाजार में आज जबरदस्त जोश बना हुआ है। एशिया के सभी नौ बाजार के सूचकांक जोरदार उछाल के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 841.50 अंक यानी 3.64 प्रतिशत उछल कर 23,979 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 767.47 अंक यानी 2.97 प्रतिशत कि छलांग लगा कर 25,884 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

कोस्पी इंडेक्स में आज जोरदार तेजी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 387.03 अंक यानी 7.04 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,881.81 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र करेंगे विदेशी राजदूतों से सामूहिक संवाद

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह आज काठमांडू में पदस्थ रहे करीब २० देशों के राजदूतों के साथ सामूहिक संवाद करेंगे। सरकार गठन के बाद यह पहली बार है जब विभिन्न देशों के राजदूत सामूहिक रूप से बालेन्द्र सरकार के साथ बैठक करने जा रहे हैं।

इस समूह चर्चा में नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल भी सहभागी होने वाले हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस बैठक का उद्देश्य नेपाल की ताजा राजनीतिक स्थिति और सरकार की प्राथमिकताओं के बारे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय को जानकारी देना है। प्रधानमंत्री सचिवालय के अनुसार, इस चर्चा के लिए भारत, चीन, अमेरिका, जापान और ब्रिटेन सहित एक दर्जन से अधिक देशों के राजदूतों को प्रधानमंत्री कार्यालय में आमंत्रित किया गया है। पदभार संभालने के बाद से प्रधानमंत्री शाह ने विदेशी प्रतिनिधियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात नहीं की है, जबकि पारंपरिक शिष्टाचार भेंट के लिए बार-बार अनुरोध किए गए थे। आमतौर पर, नए प्रधानमंत्री पदभार ग्रहण करने के कुछ दिनों के भीतर ही राजदूतों को अलग-अलग अपने कार्यालय या निवास पर आमंत्रित करते हैं–जिसे अकसर अत्यधिक औपचारिकता के लिए आलोचना का सामना करना पड़ता है। प्रधानमंत्री के राजनीतिक सलाहकार असीम शाह ने कहा, पहले राजदूतों की अत्यधिक आवाजाही और सामान्य कूटनीतिक मयार्दा से परे आसान पहुंच की एक संस्कृति थी।

संघ के नाम से फिर फर्जी पत्र, कांग्रेस की घटिया राजनीति का एक और उदाहरण

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

असम में चुनाव प्रचार समाप्त होने के अंतिम दिन एक बार फिर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नाम पर एक फर्जी पत्र जारी किया गया। इसे कथित रूप से संघ प्रमुख द्वारा प्रधानमंत्री को लिखा गया पत्र बताया जा रहा है। असम में ही कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा संघ और भाजपा पर की गई अभद्र और अमर्यादित टिप्पणी के बाद संघ के नाम से फर्जी पत्र जारी करने को कांग्रेस की सोशल मीडिया टीम से जोड़कर देखा जा रहा है। रा.स्व. संघ के प्रचार विभाग के पूर्व पदाधिकारी व सुरूचि प्रकाशन के अध्यक्ष राजीव तुली ने इसकी निंदा करते हुए कहा कि हालांकि इस सबसे हमारा स्वयंसेवक और संघ के जानकार प्रभावित नहीं होते। पर चुनावी राजनीति के लिए अनावश्यक रूप से संघ पर हमले करने से कांग्रेस ही रसातल में जा रही है। लोग उनकी इस घटिया मानसिकता को खारिज कर रहे हैं। दरअसल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लेटरहेड पर और संघ प्रमुख के फर्जी हस्ताक्षर से प्रधानमंत्री को लिखे गए पत्र की भाषा शैली ही इतनी स्तरहीन और घटिया है कि संघ का स्वयंसेवक तो क्या, कोई भी सामान्य समझ का व्यक्ति भी उसे खारिज कर देगा। पत्र में संघ की नाराजगी को दिखाने के लिए प्रधानमंत्री को कथित रूप से यह कहा गया है कि असम भाजपा में जो हो रहा है और मुख्यमंत्री पर जो आरोप लग रहे हैं, वह गंभीर हैं और उसे देखा जाना चाहिए। इसके साथ ही प्रधानमंत्री को चेतावनी या सलाह देने वाली भाषा में पत्र लिखा गया है। राजीव तुली ने इसे हास्यास्पद और निर्लज्ज असफल प्रयास करार दिया है। उनका कहना है कि यह कार्य कांग्रेस की दुष्प्रचार टोली ने किया हो या किसी अन्य राजनीतिक समूह ने, वे अभी संघ और उसके स्वयंसेवकों को समझ ही नहीं सके हैं। उन्हें यह सामान्य सी समझ भी नहीं है कि राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी तो बहुत दूर की बात, संघ अपने से जुड़े किसी भी संगठन को पत्र लिखकर या सार्वजनिक रूप से कभी निर्देशित ही नहीं करता। संघ और उसके समविचारी संगठनों की कार्यशैली इतनी जबरदस्त है कि संगठन के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी समय समय पर समन्वय बैठकों में मिलते हैं, देश-समाज के विषयों पर चर्चा करते हैं और फिर आपसी तालमेल से कार्यक्रम तय कर उस पर कार्य करते हैं। संघ अपने से जुड़े किसी भी संगठन को निर्देशित नहीं करता बल्कि परस्पर चर्चा से किसी भी विषय या विवाद का समाधान करता है। इसके बावजूद संघ के विरोधी पक्ष के लोग इस प्रकार के स्तरहीन और फर्जी पत्र जारी कर अपनी घबराहट और चुनावी हार को पहले ही स्वीकार कर लेते हैं। आखिर उनके पास क्या मुद्दों की कमी है या लोगों का उन्हें समर्थन हासिल नहीं है जो वे संघ का नाम चुनावी राजनीति में लाकर उसका लाभ लेना चाहते हैं।

संक्षिप्त-समाचार

मिर्ची व्यापारी हत्याकांड का खुलासा: पत्नी ने प्रेमी संग रची साजिश, लूट की कहानी निकली झूठी

धार। मध्य प्रदेश के धार जिले के गोंदीखेड़ा चारण गांव में मिर्ची व्यापारी देवकृष्ण पुरोहित की हत्या का मामला चौंकाने वाले मोड़ पर पहुंच गया है। शुरुआती तौर पर इसे लूट की वारदात माना जा रहा था, लेकिन पुलिस जांच में यह सुनियोजित हत्या साबित हुई है। जांच में सामने आया है कि इस वारदात के पीछे मृतक की पत्नी का ही हाथ था, जिसने अपने प्रेमी और साथियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। पुलिस सूत्रों के अनुसार प्रियंका के किसी अन्य व्यक्ति से संबंध थे और पति देवकृष्ण इस रिश्ते में बाधा बन रहा था। इसी कारण उसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। घटना की रात आरोपितों को घर में प्रवेश भी पत्नी ने ही दिलाया। इसके बाद देवकृष्ण को कमरे में ले जाकर बेरहमी से पीटा गया, जिससे सिर में गंभीर चोट लगने पर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपितों ने पूरी घटना को लूट जैसा दिखाने का प्रयास किया। प्रियंका ने पुलिस को बताया कि 4-5 बदमाश घर में घुसे, उसे बंधक बनाया और लाखों रुपये के आभूषण व नकदी लूटकर फरार हो गए। उसने खुद को पीड़ित बताकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन घटनास्थल और उसके बयानों में विरोधाभास मिलने पर मामला खुल गया। पुलिस की गहन पड़ताल में सामने आया कि लूट की कहानी मनगढ़ंत थी और वारदात घर की अंदरूनी जानकारी के आधार पर अंजाम दी गई। मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि अन्य आरोपितों की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है और जल्द ही सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। यह घटना रिश्तों में विश्वास टूटने और सुनियोजित हत्या की सनसनीखेज कहानी बनकर सामने आई है।

उत्तराखंड के कई इलाकों में बारिश से बढ़ी ठंडक, ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी

देहरादून। उत्तराखंड में बुधवार सुबह से ही मौसम ने करवट ली है। बदरीनाथ, केदारनाथ सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश हो रही है, जबकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हो रही है। लगातार बारिश और बर्फबारी के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। इसका प्रभाव मैदानी क्षेत्रों में भी देखने को मिल रहा है, जहां ठंडक बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी 24 घंटों के दौरान भी प्रदेश में मौसम का यही रुख बने रहने की संभावना है। देहरादून सहित राज्य के कई इलाकों में बुधवार सुबह से जारी बारिश के चलते मौसम ठंडा हो गया है और अधिकतम तापमान करीब 24 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में भी वर्षा का व्यापक असर देखने को मिला है। उत्तरकाशी जनपद के गंगोत्री, यमुनोत्री सहित सभी तहसील क्षेत्रों में हल्की वर्षा हो रही है, जबकि गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में हल्की बर्फबारी दर्ज की गई है। हर्षिल घाटी में भी बारिश के चलते ठंड बढ़ गई है। चमोली जिले स्थित बदरीनाथ, चंपावत, नई टिहरी और मसूरी,नैनीताल में भी बारिश का सिलसिला जारी है, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है। रुद्रप्रयाग जिले के केदारनाथ, अल्मोड़ा,बागेश्वर,हरिद्वार, उधम सिंह नगर जनपद में भी सुबह से हो रही बारिश के कारण मौसम में ठंडक लौट आई है। लगातार वर्षा से जहां एक ओर जंगलों में लगी आग पर काबू पाने में मदद मिली है, वहीं दूसरी ओर काश्तकारों को रबी की फसलों को नुकसान होने से मायूसी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है। मौसम विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार, आगामी 24 घंटों में भी प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी जारी रहने की संभावना है।

सीटीसी में प्रशिक्षु जवान की मौत के बाद हंगामा

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले के जादूगोड़ा स्थित कांस्टेबल ट्रेनिंग सेंटर (सीटीसी) में प्रशिक्षु जवान की मौत के बाद मंगलवार को देर रात तक हंगामे की स्थिति बनी रही। साथ ही जवानों ने घटना को लेकर आक्रोश जताते हुए परिसर में नारेबाजी की और अपनी विभिन्न समस्याओं को उठाया। हालांकि प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जवान की मौत अस्पताल में इलाज के दौरान हुई है। मृतक की पहचान बजरंगी यादव के रूप में हुई है, जो रांची जिला बल में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत थे और वर्तमान में सीटीसी में प्रशिक्षण ले रहे थे। जानकारी के अनुसार, वे पिछले करीब एक सप्ताह से बीमार थे। मंगलवार दोपहर उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने पर प्रशिक्षण केंद्र से उन्हें तत्काल यूसीआईएल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज शुरू किया गया। बावजूद इसके, शाम करीब 4 बजे उनकी मौत हो गई। जवान की मौत की खबर मिलते ही सीटीसी परिसर में मौजूद प्रशिक्षु आक्रोशित हो उठे। उन्होंने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि बीमार होने के बावजूद समय पर छुट्टी और पर्याप्त राहत नहीं दी जाती है। कुछ जवानों ने यह भी कहा कि प्रशिक्षण के दौरान मानसिक दबाव अधिक रहता है और उनकी समस्याओं पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जाता। हंगामे की सूचना मिलते ही वरीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। देर रात तक अधिकारियों और जवानों के बीच बातचीत का दौर चलता रहा, जिसके बाद हालात धीरे-धीरे सामान्य हुए। इधर, सीटीसी के एएसपी विजय आशीष कुजूर ने मामले को लेकर बताया कि ऐसी कोई बात नहीं है, जवान की मौत इलाज के दौरान अस्पताल में हुई है।

आरबीआई ने रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर रखा बरकरार

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने नीतिगत दर रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा है। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक के बाद ये जानकारी दी। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसलों की घोषणा करते हुए बताया कि रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर स्थिर रखा गया है। मल्होत्रा ने बताया कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने वित्त वर्ष 2026-27 की अपनी पहली मौद्रिक समीक्षा में आम सहमति से नीतिगत दर रेपो को 5.25 फीसदी पर यथावत रखा है। संजय मल्होत्रा ने चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया संकट से आपूर्ति श्रृंखलाा प्रभावित हुई, लेकिन कई अन्य देशों की तुलना में भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है।

सीजफायर का ऐलान होते ही कच्चे तेल में बड़ी गिरावट, 17 प्रतिशत तक टूटा डब्ल्यूटीआई क्रूड

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

अमेरिका- इजराइल और ईरान के बीच जारी जंग को लेकर सीजफायर का ऐलान होने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में 17 प्रतिशत तक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड लुढ़क कर 91.88 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया, वहीं वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट डब्ल्यूटीआई क्रूड टूट कर 91.05 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया।

इसके पहले पिछले सत्र के दौरान ब्रेंट क्रूड 109.27 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर बंद हुआ था, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड ने 112.95 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया था। भारतीय समय के अनुसार सुबह नौ बजे ब्रेंट क्रूड 13.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 94.56 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड 15.20 प्रतिशत लुढ़क कर 95.78 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचा हुआ था। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के पावर और सिविलियन इंफ्रास्ट्रक्चर पर बमबारी पर दो सप्ताह के लिए रोक लगाने की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमत में ये गिरावट आई है। ट्रंप ने कहा है कि बोले ईरान के साथ विवादित मुद्दों पर सहमति बनी है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर उन्होंने बताया कि ये दोतरफा सीजफायर होगा, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि ईरान हॉर्मुज स्ट्रेट को तुरंत और सुरक्षित रूप से फिर से खोलने पर सहमत हो जाए।

पूरी दुनिया में होने वाली कच्चे तेल और गैस आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा हॉर्मुज स्ट्रेट के जरिये होता है, लेकिन पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण इसके लगभग ठप पड़ जाने से दुनिया भर में उथल-पुथल मच गई है और कच्चे तेल की कीमत में जबरदस्त उछाल आ गया। खासकर, डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत 70 प्रतिशत तक बढ़ गई।

नेपाल ने विश्व बैंक से 85 मिलियन डॉलर का रियायती ऋण स्वीकार किया

काठमांडू। नेपाल सरकार ने ग्रेटर लुम्बिनी परियोजना के निर्माण के लिए विश्व बैंक से 85 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर रियायती ऋण स्वीकार करने का निर्णय लिया है। संघीय मामलों एवं सामान्य प्रशासन मंत्री प्रतिभा रावल ने मंगलवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक के निर्णय की आज जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब परियोजना का काम आगे बढ़ेगा। यह परियोजना बुद्ध की जन्मस्थली नेपाल के लुम्बिनी को केंद्र में रखकर कपिलवस्तु, रूपन्देही और पश्चिम नवलपरासी जिलों को विकसित करने के लिए तैयार की गई है। ऋण के लिए पूर्व वित्तमंत्री विष्णु पौडेल की पहल पर पिछले वर्ष ही विश्व बैंक के समक्ष लगभग 12.5 अरब रुपये के बराबर का प्रस्ताव पेश किया गया था। अब परियोजना कार्यान्वयन के लिए समझौता किया जाएगा। समझौते के बाद यह राशि कपिलवस्तु, रूपन्देही और नवलपरासी के बुद्ध से संबंधित क्षेत्रों के विकास में खर्च की जाएगी। लुम्बिनी विकास कोष के अनुसार, इस परियोजना के तहत तीनों जिलों में स्थित बुद्ध से जुड़े स्थलों पर पर्यटकों के लिए बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा। परियोजना का कार्यान्वयन शहरी विकास मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय के माध्यम से होगा।

इजरायल में नेपाली दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए जारी किया हाई अलर्ट

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

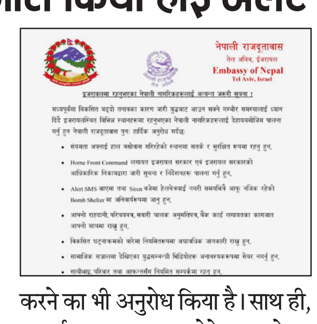
नेपाली राजदूतावास
तेल अविव, इजरायल
Embassy of Nepal
Tel Aviv, Israel

इजराइल स्थित नेपाली दूतावास ने इजराइल के विभिन्न क्षेत्रों में रह रहे नेपाली नागरिकों के लिए एक हाई अलर्ट संदेश जारी करते हुए उनसे संयमित, सतर्क और सुरक्षित तरीके से रहने की अपील की है।

नेपाली दूतावास ने बुधवार आठ बिंदुओं वाला एक अत्यावश्यक परामर्श जारी कर यह आग्रह किया है। आपातकालीन स्थिति में सहायता के लिए दूतावास ने द्वितीय सचिव कुमार बहादुर श्रेष्ठ और तृतीय सचिव संज कुमार शाह से मोबाइल फोन के माध्यम से संपर्क करने को कहा है। दूतावास के द्वारा जारी बयान के अनुसार, द्वितीय सचिव कुमार बहादुर श्रेष्ठ का संपर्क नंबर +972-535360748 और तृतीय सचिव संज कुमार शाह का संपर्क नंबर +972-545582077 है। दूतावास ने होम फ्रंट कमांड सहित इजराइल सरकार और उसके आधिकारिक निकायों द्वारा जारी निर्देशों और सूचनाओं का पालन करने का भी अनुरोध किया है। साथ ही, अलर्ट एसएमएस प्राप्त होने या खतरे का संकेत देने वाले सायरन बजने पर लापरवाही न करते हुए तुरंत अपने निकटतम बम शेल्टर में जाने की सलाह दी गई है। इजराइल में रह रहे नेपाली नागरिकों से अपने पासपोर्ट, पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, बैंक कार्ड आदि महत्वपूर्ण दस्तावेज हमेशा अपने साथ रखने और ताजा घटनाक्रम की नियमित जानकारी लेते रहने को भी कहा गया है। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर प्रसारित युद्ध संबंधी वीडियो को अनावश्यक रूप से साझा न करने तथा अपने दोस्तों, परिवार और रिश्तेदारों के साथ नियमित संपर्क में रहने की भी अपील की गई है।

खरगे के विरुद्ध आरएसएस असम प्रांत की इकाइयों ने दिसपुर एवं सिलचर थाने में दर्ज कराई प्राथमिकी

एजेंसी (हि.स.)
गुवाहाटी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की उत्तर असम प्रांत एवं दक्षिण असम प्रांत इकाइयों ने दक्षिण असम में आयोजित एक हालिया चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दिए गए कथित अपमानजनक, उकसावेपूर्ण एवं साम्प्रदायिक रूप से संवेदनशील बयानों के संबंध में विधिक कार्रवाई की मांग करते हुए क्रमशः गुवाहाटी स्थित दिसपुर पुलिस थाना तथा सिलचर पुलिस थाना में औपचारिक पुलिस शिकायत दर्ज कराई है प्रांत कार्यवाह खगेन सैकिया और प्रांत संघचालक ज्योत्स्नामय चक्रवर्ती द्वारा हस्ताक्षरित बयान में बताया गया है कि शिकायतों के अनुसार कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने श्रीभूमि जिले के करीमगंज दक्षिण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नीलामबाजार में आयोजित एक चुनावी सभा में विवादास्पद टिप्पणी की। आरोप है कि उन्होंने आरएसएस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विचारधारा की तुलना जहरीले सांपसे करते हुए उसके समाप्त किए जाने का आह्वान किया। शिकायत में उद्धृत कथन के अनुसार खरगे ने कथित रूप से कहा, यदि आप नमाज अदा कर रहे हों और आपके सामने एक जहरीला सांप आ जाए, तो आपको नमाज रोककर पहले उस सांप को मारने के लिए दौड़ना चाहिए, कुरान यही सिखाती है। मैं कहता हूं कि आरएसएस और भाजपा उसी जहरीले सांप की तरह हैं; यदि आप आरएसएस और भाजपा जैसे जहरीले सांप को समाप्त नहीं करेंगे, तो आप जीवित नहीं रह पाएंगे। बीती देररात जारी एक बयान में आरएसएस ने इस प्रकार के वक्तव्य पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इस प्रकार की टिप्पणियां चुनावी अभियान के दौरान धार्मिक भावनाओं का उपयोग करते हुए आरएसएस एवं भाजपा के कार्यकताओं और समर्थकों के विरुद्ध शत्रुता, भय तथा हिंसा को उकसा सकती हैं।

पोषण पखवाड़ा

बच्चों के मस्तिष्क विकास पर रहेगा विशेष जोर

देशभर में आज से शुरू होगा 8वां पोषण पखवाड़ा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

केंद्र सरकार 9 से 23 अप्रैल तक देशभर में 8वां पोषण पखवाड़ा 2026 मनाएगी। इस वर्ष का थीम है– जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क के विकास को अधिकतम करना। यह अभियान कुपोषण मुक्त भारत के संकल्प को सशक्त करने के साथ-साथ जन-जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देगा। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ 9 अप्रैल को दोपहर 3 से 4 बजे के बीच यहां विज्ञान भवन में होगा।

कार्यक्रम का नेतृत्व केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी करेंगी। उनके साथ राज्य मंत्री सवित्री ठाकुर और सचिव अनिल मलिक भी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने एक्स पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मिशन पोषण 2.0 के अंतर्गत यह पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में मिशन पोषण 2.0 के अंतर्गत 9 से 23 अप्रैल तक देशभर में 8वां पोषण पखवाड़ा 2026 मनाया जाएगा। इस वर्ष का थीम जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क के विकास को अधिकतम करना है, जो हमारे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखने पर केंद्रित है। पखवाड़े के दौरान देशभर के आंगनवाड़ी केंद्रों में माताओं, अभिभावकों, परिवारों और स्थानीय संस्थाओं की भागीदारी से विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। इनमें पोषण पंचायतें, जागरूकता सत्र, शुरूआती उत्तेजना गतिविधियां, खेल आधारित शिक्षा और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने वाले अभियान शामिल होंगे।

उद्घाटन कार्यक्रम में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की श्रेष्ठ पहलें प्रदर्शित की जाएंगी। आंगनवाड़ी कार्यकताओं के योगदान को भी रेखांकित किया जाएगा। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एनआईसी वेबकास्ट प्लेटफॉर्म और मंत्रालय के यूट्यूब चैनल पर होगा।

मंत्रालय ने बताया कि छह वर्ष की आयु तक बच्चों का लगभग 85 प्रतिशत मस्तिष्क विकास हो जाता है। ऐसे में शुरूआती 1,000 दिन पोषण, देखभाल और सीखने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस वर्ष के अभियान में मातृ एवं शिशु पोषण, स्तनपान और पूरक आहार पर जोर दिया जाएगा। साथ ही 0 से 3 वर्ष तक के बच्चों के लिए संवेदनशील देखभाल और शुरूआती सीखने की गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए खेल आधारित शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा।

अर्जेंटीना दौरे के लिए 24 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम घोषित

सलीमा टेटे संभालेंगी कमान; फॉरवर्ड दीपिका और अनुभवी गोलकीपर सविता की टीम में वापसी

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने अर्जेंटीना दौरे के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम की 24 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह दौरा 13 से 17 अप्रैल 2026 तक ब्यूनस आयर्स में खेला जाएगा, जहां भारत को मेजबान टीम के खिलाफ चार मैचों की सीरीज खेलनी है। यह दौरा एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 और एशियाई खेलों की तैयारियों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का बेहतरीन संतुलन देखने को मिला है। मिडफील्डर सलीमा टेटे को एक बार फिर टीम की कमान सौंपी गई है, जो अपने शांत स्वभाव और बेहतरीन खेल के लिए जानी जाती हैं। इस दौरे की सबसे बड़ी खबर फॉरवर्ड दीपिका की वापसी है, जो चोट से उबरकर टीम में लौटी हैं। उनकी वापसी से टीम को पेनल्टी कॉर्नर पर मजबूती मिलेगी। उनके गैरमौजूदगी में नवनीत कौर, मनीषा चौहान, उदिता और अन्नू जैसे खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया था।

फोटोः हि.स.

गोलकीपिंग विभाग में अनुभवी सविता की वापसी टीम के लिए राहत भरी खबर है। हाल के क्वालिफायर में उनकी अनुपस्थिति में बिचू देवी ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी उपयोगिता साबित की थी। अब दोनों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा टीम के लिए फायदेमंद साबित होगी।

डिफेंस में ज्योति और फॉरवर्ड मुमताज खान की वापसी भी टीम को मजबूती देगी। वहीं, बलजीत कौर, वैष्णवी फाल्के, रुतुजा पिसाल, ईशिका और साक्षी राणा जैसे युवा खिलाड़ियों पर भी सभी की नजरें रहेंगी, जिन्होंने हाल के समय में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है।

मुख्य कोच सजॉर्ड मारिजन ने टीम चयन पर कहा कि यह दौरा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देने और टीम संयोजन को मजबूत करने का बेहतरीन मौका है।

भारत और अर्जेंटीना के बीच चारों मुकाबले 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को खेले जाएंगे। सभी मैच स्थानीय समयानुसार सुबह 11:00 बजे (भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे) शुरू होंगे।

अर्जेंटीना दौरे के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम

गोलकीपरः	सविता, बिचू देवी
डिफेंडरः	निक्की प्रधान, ईशिका चौधरी, सुशीला चानू, मनीषा चौहान, ललथांतलुआंगी, ज्योति, उदिता।
मिडफील्डरः	वैष्णवी फाल्के, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, सलीमा टेटे, नेहा, दीपिका सोरेंग, रुतुजा पिसाल, ईशिका
फॉरवर्डः	बलजीत कौर, नवनीत कौर, दीपिका, अन्नू, ब्यूटी डुंगडुंग, लालरेम्सियामी, मुमताज खान

दिव्या देशमुख ने अन्ना मुजिचुक को हराकर संयुक्त बढ़त बनाई

फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026: प्रज्ञानानंद हारे

एजेंसी (हि.स.)

साइप्रस

फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 के आठवें राउंड में मंगलवार को भारत की दिव्या देशमुख ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष पर चल रहीं अन्ना मुजिचुक को हराकर संयुक्त बढ़त हासिल कर ली। अपने पहले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में खेल रहीं दिव्या ने शुरूआत में दबाव झेला, लेकिन एंडगेम में शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ वह मुजिचुक, आर वैशाली, झू जिनर और कटरीना लाग्नो के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गई हैं।

फोटोः हि.स.

मुकाबले के मिडिलगेम और शुरूआती एंडगेम में मुजिचुक का नियंत्रण दिख रहा था और खेल ड्रॉ की ओर बढ़ता नजर आ रहा था। हालांकि 76वें मूव के बाद दिव्या ने लगातार चेक देते हुए विरोधी राजा को खुली स्थिति में ला दिया। 80वें मूव पर मुजिचुक की एक गलती भारी पड़ी और दिव्या ने निर्णायक हमला बोलते हुए जीत दर्ज कर ली। महिला वर्ग के अन्य मुकाबलों में वैशाली ने बिबिसारा अस्साउबायेवा के खिलाफ ड्रॉ खेला, जबकि लाग्नो ने अलेक्जेंड्रा गोयाच्किना को हराया। झू जिनर ने तान झोंगयी पर जीत हासिल की।

ओपन वर्ग में शीर्ष पर चल रहे जावोखिर सिंदारोव और आंद्रेई एसिपेंको के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा। खेल के मध्य चरण में दोनों खिलाड़ियों ने संतुलित खेल दिखाया और अंततः मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ।

भारत के आर प्रज्ञानानंद को अनीश गिरी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। गिरी ने 36.e6 के महत्वपूर्ण मूव के जरिए दबाव बनाया और प्रज्ञानानंद को अंततः हार माननी पड़ी।

अन्य मुकाबलों में हिकारू नाकामुरा ने फैबियानो कारुआना को हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की, जबकि वेई यी और मैथियास ब्लूबाउम के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा।

सहजा को पैचरिन ने हराया, बीजेकेसी में थाईलैंड से हारा भारत

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

सहजा यमलापल्ली की तीन सेट तक चले मुकाबले में पैचरिन चीपचंदेज से शिकस्त के कारण भारत बुधवार को यहां बारिश से प्रभावित बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) टेनिस टूर्नामेंट के एशिया-ओशिनिया ग्रुप एक के पहले मुकाबले में थाईलैंड से हार गया। विश्व रैंकिंग में 384वें स्थान पर काबिज सहजा पर बहुत कुछ निर्भर था। यह मैच बारिश के कारण मंगलवार को बीच में रोकना पड़ा था।

फोटोः हि.स.

भारत पहला एकल मुकाबले हारने के कारण सहजा से वापसी करने की उम्मीद कर रहा था लेकिन यह 25 वर्षीय खिलाड़ी उसे मुकाबले में बनाए रखने में नाकाम रही। वह विश्व रैंकिंग में 449वें नंबर पर काबिज पैचरिन से 4-6, 6-1, 4-6 से हार गई। यह मैच दो घंटे 25 मिनट तक चला। सहजा ने निर्णायक सेट में 3-4 के स्कोर पर खेल फिर से शुरू करते हुए फोरहैंड शॉट बाहर मार दिया और पैचरिन ने अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए 5-3 की बढ़त बना ली। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने अपनी सर्विस बरकरार रखी जब पैचरिन का बैकहैंड स्लाइस शॉट नेट पर जा लगा। इससे स्कोर का अंतर 4-5 हो गया। मैच बेहद रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया था। सहजा ने कुछ बेहतरीन ग्राउंडस्ट्रोक लगाए और बेसलाइन पर दबदबा कायम रखा। यहां तक कि थाई खिलाड़ी के शॉट बाहर जाने के कारण उन्होंने ब्रेक प्वाइंट भी हासिल कर लिया था। लेकिन निर्णायक मौके पर उनसे गलती हो गई और उन्होंने अपने शॉट बाहर मार दिए।

पहली जीत की तलाश में 'बदलाव' के दौर से गुजरेगी केकेआर

ईडन गार्डन्स में लखनऊ सुपर जायंट्स से भिड़ेगी कोलकाता

एजेंसी (हि.स.)

कोलकाता

लय हासिल करने के लिए जूझ रही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुरुवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ होने वाले मैच में सत्र की पहली जीत हासिल करने के लिए अपनी अंतिम एकादश में व्यापक बदलाव कर सकती है। केकेआर के लिए वापसी करना आसान नहीं होगा क्योंकि उसका सामना मोहम्मद शमी जैसे तेज गेंदबाज से होगा जिन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में चार ओवर में नौ रन देकर दो विकेट लिए थे। उन्होंने लगातार ओवरों में अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड को आउट किया था। घरेलू क्रिकेट में बंगाल की तरफ से खेलने वाले शमी यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। वह सीधी सीम गेंदबाजी और गेंद की स्विंग कराने में माहिर हैं तथा वह ईडन गार्डन्स की परिस्थितियों का भरपूर फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

फोटोः हि.स.

केकेआर ने अभी तक तीन मैचों में जीत हासिल नहीं की है। यहां की पिच तेज गेंदबाजों के लिए मददगार हो सकती है। बारिश के कारण रद्द कर दिए गए पिछले मैच में पंजाब किंग्स के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट ने दिखाया कि अधिक घास वाली पिच पर सीधी सीम गेंदबाजी कितनी प्रभावी हो सकती है। उन्होंने तीन गेंद के अंदर फिन एलन और कैमरन ग्रीन को आउट करके केकेआर के शीर्षक्रम को ध्वस्त कर दिया था। केकेआर भाग्यशाली रहा कि यह मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। इससे उसने अंक तालिका में अपना खाता भी खोला। पश्चिमी बंगाल के गंगा वाले क्षेत्र से लेकर मन्नार की खाड़ी तक निम्न दबाव बनने के कारण यहां पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है। बुधवार देर रात और गुरुवार की सुबह बारिश होने की संभावना है। हालांकि मैच शाम 7:30 बजे से शुरू होने के कारण इस पर ज्यादा असर पड़ने की संभावना नहीं है। केकेआर के लिए शमी पावरप्ले में बड़ा खतरा साबित होंगे। उनके अलावा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव और मिस्ट्री स्पिनर दिग्वेश राठी का सामना करना भी आसान नहीं होगा। एलएसजी की ताकत उनकी पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी करना है। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद दोनों के खिलाफ पावरप्ले में शानदार प्रदर्शन किया था।

टीम इस प्रकार

केकेआरः अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, सुनील नारायण, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, वरुण चक्रवर्ती, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, कैमरून ग्रीन, फिन एलन, मथीशा पथिराना, तेजस्वी सिंह, कार्तिक त्यागी, प्रशांत सोलंकी, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, सार्थक रंजन, दक्ष कामरा, रचिन रवींद्र, ब्लेसिंग मुजाराबानी, सौरभ दुबे और नवदीप सैनी.

एलएसजीः ऋषभ पंत (कप्तान), मिचेल मार्श, एडेन मारक्रम, हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्जके, मुकुल चौधरी, अक्षत रघुवंशी, जोश इंग्लिस, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, मोहम्मद शमी, अवेश खान, एम सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, आकाश सिंह, प्रिंस यादव, अर्जुन तेंदुलकर, एनरिक नोर्किया, नमन तिवारी, मयंक यादव, मोहसिन खान।

मैच शुरू होने का समयः शाम 7.30 बजे।

आयुष ने एशियाई चैंपियनशिप में विश्व के सातवें नंबर के खिलाड़ी लिन शी फेंग को हराया

एजेंसी (हि.स.)

निंगबो (चीन)

भारत के आयुष शेट्टी ने बुधवार को यहां बैडमिंटन एशियाई चैंपियनशिप में चीन के विश्व में सातवें नंबर के खिलाड़ी लिन शी फेंग को सीधे गेम में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। पिछले साल यूएस ओपन सुपर 300 का खिताब जीतने वाले विश्व के 25वें नंबर के खिलाड़ी आयुष ने 51 मिनट में 21-13 21-16 से जीत दर्ज की।

लिन ने शुरूआत में ही 4-1 की बढ़त बना ली, लेकिन आयुष ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 7-7 से बराबर कर दिया। इसके बाद उन्होंने धीरे-धीरे खेल पर नियंत्रण बनाकर पहला गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में चीन के खिलाड़ी ने अच्छी शुरूआत करके 4-1 से बढ़त हासिल कर दी और फिर इसे 12-9 तक बढ़ा दिया, लेकिन आयुष ने लगातार छह अंक बनाकर मैच का रुख पलट दिया और स्कोर 18-13 कर दिया। लिन ने अंतर कम करते हुए स्कोर 16-18 कर दिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपना संयम बनाए रखा और खिताब के दावेदार माने जा रहे लिन को बाहर का रास्ता दिखा दिया। भारत का कोई भी खिलाड़ी 1965 के बाद इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में पुरुष एकल का खिताब नहीं पाया है। तब दिनेश खन्ना ने खिताब जीता था। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने 2023 में पुरुष युगल का खिताब जीता था। सात्विक के चोटिल होने के कारण यह स्टार भारतीय जोड़ी इस बार टूर्नामेंट में भाग नहीं ले रही है।

फोटोः हि.स.

पीएसपीसीएल में 10वीं -आईआईटी पास के लिए शानदार नौकरी का मौका

सहायक लाइनमैन के 3000 पदों पर भर्ती; 15 तारीख से करें आवेदन

पंजाब स्टेट पावर कॉपोरेशन लिमिटेड ने असिस्टेंट लाइनमैन भर्ती 2026 के लिए आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस भर्ती अभियान के तहत कुल 3000 पदों को भरा जाएगा। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 15 अप्रैल 2026 से 6 मई 2026 तक आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती में उम्मीदवारों का चयन कंप्यूटर आधारित परीक्षा के जरिए किया जाएगा, जिसके बाद सफल अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन किया जाएगा।

आवेदन के लिए आयु सीमा की शर्तें

इस भर्ती के लिए उम्मीदवार का मैट्रिक (10वीं) या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। साथ ही, अभ्यर्थी के पास एनसीवीटी या एससीवीटी से इलेक्ट्रिशियन या वायरमैन ट्रेड में आईटीआई सर्टिफिकेट होना चाहिए। इसके अलावा, उम्मीदवार को कम से कम मैट्रिक स्तर पर पंजाबी भाषा पास करना भी जरूरी है। आयु सीमा की बात करें तो उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 37 वर्ष निर्धारित की गई है। हालांकि, आरक्षित वर्गों को सरकारी नियमों के अनुसार आयु में छूट प्रदान की जाएगी।

PSPCL Assistant Lineman Exam Pattern 2026: क्या रहेगा परीक्षा पैटर्न

अनुभाग	विषय	प्रश्न	अंक
भाग-I (पात्रता)	पंजाबी भाषा का ज्ञान	50	50 (न्यूनतम 25 अंक आवश्यक)
भाग-II (योग्यता आधारित)	तकनीकी प्रश्न (इलेक्ट्रीशियन/वायरमैन)	50	50
	पंजाबी भाषा का ज्ञान	20	20
	सामान्य ज्ञान	10	10
	तर्क	10	10
	अंकगणित	10	10
कुल भाग-II		100	100

श्रेणी का नाम	लंबित पद	नए पद	कुल पद	महिलाओं के लिए
सामान्य	600	600	1200	170
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (एहर)	154	154	308	47
अनुसूचित जाति (मजहबी)	380	153	533	63
अनुसूचित जाति (मजहबी-पूर्व सैनिक)	33	31	64	0
अनुसूचित जाति (मजहबी-खिलाड़ी)	25	8	33	0
अनुसूचित जाति (अन्य)	381	154	535	60
अनुसूचित जाति (अन्य-पूर्व सैनिक)	32	30	62	0
अनुसूचित जाति (अन्य-खिलाड़ी)	24	8	32	0
पिछड़ा वर्ग	191	154	345	61
पिछड़ा वर्ग (पूर्व सैनिक)	22	31	53	0
पूर्व सैनिक (स्वयं/आश्रित)	108	108	216	61
दिव्यांग	99	31	130	16
स्वतंत्रता सेनानी	15	0	15	7
कुल	1461	1539	3000	516

कितना लगेगा आवेदन शुल्क

वर्ग	आवेदन शुल्क	जीएसटी @ 18%	कुल शुल्क
अनुसूचित जाति/दिव्यांग को छोड़कर सभी उम्मीदवार	₹1200	₹216	₹1416 + बैंक शुल्क
अनुसूचित जाति और दिव्यांग	₹750	₹135	₹885 + बैंक शुल्क

स्टाफ नर्स के पदों पर भर्ती, 13 अप्रैल तक आवेदन का मौका

गुजरात सबऑर्डिनेट सर्विस सिलेक्शन बोर्ड ने स्टाफ नर्स (आयुर्वेद), क्लास-3 पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती के तहत कुल 90 पद भरे जाएंगे। यह भर्ती हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर डिपार्टमेंट में सरकारी नौकरी पाने का अच्छा अवसर है। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 13 अप्रैल 2026 को समाप्त होगी।

पात्रता और योग्यता

उम्मीदवार के पास गुजरात आयुर्वेदिक नर्सिंग फैकल्टी से आयुर्वेदिक नर्सिंग में डिप्लोमा होना चाहिए। साथ ही गुजरात बोर्ड ऑफ आयुर्वेदिक और यूनानी सिस्टम ऑफ मेडिसिन में रजिस्ट्रेशन जरूरी है। उम्मीदवार को कंप्यूटर की बेसिक जानकारी और गुजराती या हिंदी भाषा का ज्ञान होना चाहिए। आयु सीमा 18 से 45 वर्ष निर्धारित की गई है, जिसमें आरक्षित वर्ग को नियमानुसार छूट मिलेगी।

वेतन और सुविधाएं

चयनित उम्मीदवारों को पहले 5 वर्षों तक 40,800 रुपये प्रतिमाह फिक्स वेतन मिलेगा। इसके बाद 7वें वेतन आयोग के अनुसार 29,200 रुपये से 92,300 रुपये तक सैलरी मिलेगी। साथ ही सरकारी भत्ते भी दिए जाएंगे।

चयन प्रक्रिया

भर्ती प्रक्रिया में चार चरण होंगे- लिखित परीक्षा, मेरिट लिस्ट, दस्तावेज सत्यापन, अंतिम चयन। लिखित परीक्षा में सामान्य और तकनीकी ज्ञान से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे।

आवेदन शुल्क

सामान्य वर्गः 500 रुपये

आरक्षित वर्ग (SC/ST/OBC/EWS/महिला): 400 रुपये। फीस ऑनलाइन माध्यम से जमा करनी होगी और परीक्षा में शामिल होने पर यह रिफंड भी की जा सकती है।

ऐसे करें आवेदन

उम्मीदवार केवल ऑनलाइन माध्यम से ojas.gujarat.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं। वेबसाइट पर जाकर रजिस्ट्रेशन करें। आवेदन फॉर्म भरें। दस्तावेज अपलोड करें। फीस जमा करें और फॉर्म सबमिट करें। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि अंतिम तिथि से पहले आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें ताकि किसी तकनीकी समस्या से बचा जा सके।

उत्कृष्टता की हैट्रिक: तीन साल से पीजीआई एशिया में सबसे आगे

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में शामिल, विश्वस्तरीय डमेटीलॉजी में विश्व स्तर पर 18वें स्थान पर

सिटी दर्पण संवाददाात
चंडीगढ़

चिकित्सा शोध में भारत के बढ़ते नेतृत्व की पुष्टि करने वाली एक ऐतिहासिक उपलब्धि में, पीजीआईचंडीगढ़ के डमेटीलॉजी, वेनेरोलॉजी और लेप्रोलॉजी विभाग को एर्थ्फल्ल' की 2026 की रैंकिंग में डमेटीलॉजी के क्षेत्र में एशिया में पहला और विश्व स्तर पर 18वां स्थान मिला है। यह उपलब्धि उत्कृष्टता की हैट्रिक है, जिसमें पीजीआईने लगातार तीन वर्षों (2024, 2025 और 2026) तक एशिया में अपना पहला स्थान बनाए रखा है, और साथ ही पिछले वर्ष के 19वें स्थान से अपनी वैश्विक स्थिति में और सुधार किया है।

अपनी खुशी व्यक्त करते हुए, पीजीआईके निदेशक प्रो. विवेक लाल ने कहा, यह उत्कृष्ट वैश्विक पहचान शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध नवाचार और रोगी-केंद्रित देखभाल के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। एशिया में पहला और दुनिया भर में 18वां स्थान मिलना, उच्च-गुणवत्ता वाले शोध के व्यापक आधार पर किए गए हमारे वैज्ञानिक योगदानों के वैश्विक प्रभाव को दशार्ता है। मैं डमेटीलॉजी विभाग को इस हैट्रिक मील के पत्थर को हासिल करने और राष्ट्र कोंल्लरी स्र१ी दिलाने के लिए बधाई देता हूँ। ये रैंकिंग एशिया के 806 विश्वविद्यालयों के 329,000 शैक्षणिक प्रकाशनों से प्राप्त 5.26 मिलियन उद्धरणों (ृ३३ङ्ल्ल२) के गहन विश्लेषण पर आधारित हैं, जो पीजीआईके शोध परिणामों की गहराई, गुणवत्ता और वैश्विक प्रासंगिकता को रेखांकित करती हैं। विशेष रूप से, विश्व स्तर पर पीजीआईसे ऊपर रैंक किए गए संस्थानों में से 14 संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रमुख केंद्र हैं–जिनमें हार्वर्ड, जॉन्स हॉपकिन्स, मेयो क्लिनिक और स्टैनफोर्ड शामिल हैं–जबकि यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन और चैरिटी, बर्लिन जैसे अग्रणी यूरोपीय संस्थान भी प्रमुखता से शामिल हैं, जो उस विशिष्ट वैश्विक लीग को उजागर करते हैं जिसमें पीजीआईप्रतिष्ठित स्थान रखता है।

अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए, पीजीआईके डमेटीलॉजी विभाग के प्रमुख प्रो. संजीव हांडा ने कहा कि यह निरंतर मान्यता विभाग के अथक समर्पण, टीम वर्क और शैक्षणिक कठोरता को दशार्ती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रोजाना औसतन लगभग 450 मरीजों को देखने के बावजूद, विभाग ने क्लिनिकल देखभाल और शिक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए लगातार प्रभावशाली शोध कार्य किया है। प्रो. हांडा ने इस उपलब्धि का श्रेय अपनी विशिष्ट सलाहकारों की टीम– डॉ. दविंदर प्रसाद, डॉ. सुनील डोगरा, डॉ. दीपांकर डे, डॉ. सेंधिल कुमारन, डॉ. तरुण नारंग, डॉ. राहुल महाजन, डॉ. विनय केशवमूर्ति और डॉ. विनोद शर्मा– के सामूहिक प्रयासों को दिया; साथ ही उन्होंने वरिष्ठ रेजिडेंट डॉक्टरों के एक समर्पित समूह को भी इसका श्रेय दिया, जिन्हें उन्होंने विभाग की रीढ़ बताया।

एर्थ्फल्ल' एक स्वतंत्र, मेट्रिक्स-आधारित रैंकिंग प्लेटफॉर्म है जो 183 देशों के 14,000 से अधिक विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन करता है। यह दुनिया के सबसे बड़े विद्वतापूर्ण डेटाबेस में से एक का उपयोग करता है, जिसमें 246 शोध विषयों पर 119 मिलियन से अधिक प्रकाशन और 3.16 बिलियन उद्धरण शामिल हैं। यह उत्कृष्ट उपलब्धि एक बार फिर त्वचा विज्ञान के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी संस्थान के रूप में, तथा चिकित्सा शिक्षा, शोध और मरीजों की देखभाल के क्षेत्र में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में पीजीआईकी प्रतिष्ठा को मजबूत करती है।

मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 अभियान से पोषण स्तर में लाया जाएगा सुधार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के अंतर्गत, सुपोषित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्तर पर व्यवहार परिवर्तन एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ है। इसी दिशा में जन आंदोलन को पोषण अभियान के रूप में विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य देशभर में पोषण स्तर में सुधार लाना है। अब तक जन आंदोलन के अंतर्गत कुल 15 अभियान–जिनमें 8 पोषण माह एवं 7 पोषण पखवाड़ा शामिल हैं–सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं, जिससे देशभर में जागरूकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में विभिन्न विभागों के समन्वय से अब तक 7 लाख से अधिक जन-जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा चुकी हैं, जो पोषण एवं जनस्वास्थ्य सुधार हेतु एक सुदृढ़ एवं बहु-क्षेत्रीय प्रयास को दशार्ती हैं।

8वें राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा के आयोजन की तैयारी के लिए आज, दिनांक 8 अप्रैल 2026 को, अनुराधा स. चगती, सचिव, सामाजिक कल्याण, महिला एवं बाल विकास, चंडीगढ़ प्रशासन की अध्यक्षता में सभी संबंधित विभागों की बैठक आयोजित की गई। इस वर्ष का केंद्रीय विषय जीवन के प्रथम छह वर्षों में मस्तिष्क विकास को अधिकतम करना है, जो प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं विकास के महत्व को रेखांकित करता है। इस पहल के अंतर्गत निम्नलिखित उप-विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा: मातृ एवं शिशु पोषण, मस्तिष्क विकास हेतु प्रारंभिक प्रोत्साहन (0-3 वर्ष), प्रारंभिक वर्षों में खेल-आधारित शिक्षा (3-6 वर्ष), स्क्रीन टाइम को कम करने में अभिभावकों एवं समुदाय की भूमिका, आंगनवाड़ी केंद्रों को सुदृढ़ बनाने हेतु सामुदायिक सहयोग। बैठक के दौरान, सुश्री चागटी ने सभी विभागों से अपील की कि वे पोषण एवं विषय-आधारित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने समुदाय की भागीदारी को सशक्त बनाने एवं लाभार्थियों को जागरूक करने पर विशेष बल दिया।

यह भी निर्णय लिया गया कि पोषण पखवाड़ा के दौरान प्रतिदिन प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक ढडरत्नअठ हेल्पलाइन (1800-1800-2244) के माध्यम से विशेषज्ञ पैनल सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों के माध्यम से आमजन प्रतिष्ठित आयुष विशेषज्ञों से सीधे संवाद कर पोषण, स्वास्थ्य एवं निवारक चिकित्सा से संबंधित परामर्श प्राप्त कर सकेंगे। बैठक का समापन सभी विभागों द्वारा पोषण पखवाड़ा के सफल आयोजन एवं केंद्र शासित प्रदेश में पोषण स्तर में सुधार हेतु सामूहिक प्रतिबद्धता के साथ हुआ।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर, सेक्टर 27 में पूज्य मुनि श्री प्रतीक सागर जी महाराज का भव्य आगमन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

श्री दिगम्बर जैन मंदिर, सेक्टर 27-बी, चंडीगढ़ में पूज्य मुनि श्री प्रतीक सागर जी महाराज (शिष्य आचार्य श्री पुष्पदंत सागर जी महाराज) का भव्य एवं आध्यात्मिक आगमन हुआ। मुनि श्री का स्वागत गाजे-बाजे तथा सैंकड़ों श्रद्धालुओं के साथ अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। वे प्रातः 8:25 बजे मंदिर परिसर में पधारे।

इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल एवं चण्डीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया व मंदिर सभा के अध्यक्ष अध्यक्ष धर्म बहादुर जैन की अगुआई में मंदिर समिति के सभी सदस्यों ने उनका हार्दिक स्वागत किया। पारंपरिक विधि से उनके पावन चरणों का अभिषेक (चरण वंदना) किया गया एवं आरती अर्पित की गई। इस अवसर पर श्री पार्श्नाथ दिगम्बर जैन मंदिर पंचकूला के अध्यक्ष किशोरी लाल जैन, श्वेताम्बर जैन मंदिर सेक्टर 2, चंडीगढ़ से मंत्री प्रदीप जैन, एसएस जैन सभा सेक्टर 18, चंडीगढ़ से अध्यक्ष विजय जैन एवं समस्त दिगम्बर जैन सोसाइटी कार्यकारिणी उपस्थित थी। अम्बाला से भी 55 श्रद्धालु सभा में उपस्थित हुए। मंच संचालन एडवोकेट आदर्श जैन ने किया। कार्यक्रम की समाप्ति के बाद अल्पाहार का आयोजन किया गया।

गुलाब चंद कटारिया ने अपने संबोधन में जीवन में प्रेम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रेम ही समाज में सौहार्द और एकता का आधार है।

पूज्य मुनि श्री ने भी अपने प्रवचन में भगवान महावीर के सिद्धांतों का अनुसरण करने का संदेश दिया और सभी को प्रेम, अहिंसा एवं सदाचार के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के बारे में धर्मबहादुर जैन अध्यक्ष श्री दिगम्बर जैन सोसाइटी ने बताया की महाराज जी चंडीगढ़ के बाद वह पंजाब की और प्रस्थान करेंगे।

पूर्व मेयर कुलभूषण गोयल की ओर से वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क सेवा

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

शहर में धार्मिक आस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अमरनाथ अग्रवाल द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष धार्मिक स्थल यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा अप्रैल माह के दौरान विभिन्न पवित्र स्थलों तक संचालित होगी, जिसमें श्रद्धालुओं को एसी कोच के माध्यम से निःशुल्क यात्रा सुविधा प्रदान की जाएगी। पंचकूला के पूर्व मेयर कुलभूषण गोयल की ओर से अपने स्वर्गीय पिता लाला अमरनाथ अग्रवाल की याद में यह यात्रा करवाई जा रही है। पिछले कई वर्षों से कुलभूषण गोयल शहर के वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क यात्रा करवा रहे हैं और हजारों ही लोग इसका लाभ उठा चुके हैं। कुलभूषण गोयल ने बताया कि यह सेवा ह्लपहले आओ, पहले पाओह्व के आधार पर केवल वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपलब्ध रहेगी। यात्रा का संचालन पंचकूला से किया जाएगा और बस सेवा माता मनसा देवी गौधाम से शुरू होकर वहीं समाप्त होगी। कुलभूषण गोयल ने बताया कि 11 अप्रैल को रेणुका जी (दिवसीय यात्रा), 18-19 अप्रैल को हरिद्वार (रात्रि विश्राम झ पंचकूला भवन, हरिद्वार), 25 अप्रैल को सकुंबरी देवी व आदिबद्री (दिवसीय यात्रा) करवाई जाएगी। इस आयोजन का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर प्रदान करना और उनकी आस्था को सुदृढ़ करना है। अमरावती एजुकेशनल सोसाइटी, पंचकूला इस यात्रा का संचालन कर रही है। बुकिंग के लिए इच्छुक व्यक्ति सेक्टर-2 स्थित कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं या इच्छुक वरिष्ठ नागरिक बुकिंग के लिए मोबाइल नंबर 92161-15297 और 89013-37344 पर संपर्क कर सकते हैं। आयोजकों ने बताया कि सीमित सीटों के कारण समय रहते पंजीकरण करवाना आवश्यक है।

संक्षिप्त-समाचार

स्थापना दिवस पर भाजपा मंडल इकाई की पदयात्रा

पंचकूला। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में माता मनसा देवी मंडल द्वारा भव्य पदयात्रा का आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष अजय मित्तल एवं मंडल अध्यक्ष प्रमोद वत्स के संयुक्त नेतृत्व में यह पद यात्रा राजीव कॉलोनी से शुरू होकर इंदिरा कॉलोनी तक निकाली गई। पदयात्रा में सैकड़ो कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों ने पूरे उमंग, उत्साह के साथ भाग लिया और पार्टी के समर्थन में जमकर नारे लगाए। यात्रा के समापन पर जिला अध्यक्ष अजय मित्तल ने पार्टी के 47 वें स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियां और विकास कार्य ही भाजपा की पहचान हैं। उन्होंने कहा, भाजपा की असल ताकत पार्टी के कार्यकर्ता है, जो संगठन के माध्यम से देश और समाज की सेवा में सैदव तत्पर रहते है। माता मनसा देवी मंडल अध्यक्ष प्रमोद शर्मा वत्स ने बताया कि पदयात्रा में भारी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय निवासियों ने भाग लिया। पदयात्रा बेहद अनुशासित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

राजकीय ओद्यौगिक प्रशिक्षण संस्थान कालका एट बिटना में प्री-प्लेसमेंट कैंपस ड्राइव का किया गया आयोजन

पंचकूला। राजकीय ओद्यौगिक प्रशिक्षण संस्थान कालका एट बिटना में प्री-प्लेसमेंट कैंपस ड्राइव का आयोजन किया गया, जिसमें गुरुग्राम की बहुराष्ट्रीय कंपनी डेन्सो हरियाणा प्राइवेट लिमिटेड ने भाग लिया। कंपनी ने मानेसर, झज्जर संयंत्र के लिए कुशल उम्मीदवार की आवश्यकता थी। प्रधानाचार्य श्री मनदीप सिंह ने बताया कि इस ड्राईव में 116 छात्रों ने लिखित परीक्षा दी, जिसमें से 68 छात्रों ने टेस्ट क्वालिफाई किया, जिनका इंटरव्यू लिया गया। उन्होंने बताया कि 35 छात्रों को शॉर्ट लिस्ट किया गया। इस अवसर पर वाइस प्रिंसिपल श्री शिव चरण गौतम, श्री संदीप, श्री मुकेश चंदर अप्रेंटिसशिप इंस्ट्रक्टर व राजकीय ओद्यौगिक प्रशिक्षण संस्थान कालका का स्टाफ मौजूद रहा।

दो दिवसीय टाईकॉन चंडीगढ़ 2026 कल से

चंडीगढ़। भारत की स्वदेशी रूप से विकसित होती आईटी क्षमता पर विचारोत्तेजक चर्चाओं की श्रृंखला के लिए मंच तैयार करते हुए, जो युद्ध से प्रभावित और विभाजित विश्व में एक शक्ति-वर्धक के रूप में उभर रही है, टाईकॉन चंडीगढ़ 2026 का 11वां संस्करण 10 और 11 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में हरियाणा के राज्यपाल आशीम कुमार घोष, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी विभिन्न विचार नेताओं के साथ चर्चा का नेतृत्व करेंगे। ह्यइंडिजेनस इनोवेशन, ग्लोबल इम्पैक्टह्न थीम पर आधारित यह दो दिवसीय भव्य सम्मेलन हयात रीजेंसी में आयोजित होगा, जिसका उद्देश्य यह प्रदर्शित करना है कि भारत के स्वदेशी नवाचार किस प्रकार वैश्विक स्तर पर विस्तार पा सकते हैं। यह मंच उद्यमियों, निवेशकों, नीति-निमार्ताओं और वैश्विक नेताओं को एक साथ लाएगा तथा भारत की बढ़ती आईटी स्थिति और उसकी सुदृढ़ क्षमताओं पर गहन चर्चा करेगा, ताकि वर्तमान वैश्विक चुनौतियों के बीच विश्व नागरिकों के लिए सामूहिक भलाई सुनिश्चित की जा सके। टाई चंडीगढ़ चैप्टर के प्रेसिडेंट पुनीत वर्मा ने प्रेस वार्ता में कहा कि वह समय अब बीत चुका है जब भारत को केवल कम लागत वाले बैक ऑफिस के रूप में देखा जाता था।

एसडी कॉलेज में आयोजित फैशन शो में दिखा परंपरा और आधुनिकता का संगम

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के फैशन डिजाइनिंग विभाग की ओर से कॉलेज के ट्रेंड्समोदा क्लब के सहयोग से फैशन शो प्रिज्मा 2026 का आयोजन किया गया। यह फैशन शो रचनात्मकता, शिल्प कौशल और नवाचार का अनूठा संगम बना, जिसमें विद्यार्थियों ने अपने हुनर का शानदार प्रदर्शन किया। इस फैशन शो में बी.वोक फैशन टेक्नोलॉजी एवं अपैरल डिजाइन तथा बीए के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने डिजाइनों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। रैंप पर प्रस्तुत किए गए परिधानों में आधुनिकता और परंपरा का सुंदर मेल देखने को मिला, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत ग्रीन वेलकम सेरेमनी के साथ हुई जिसके बाद कॉलेज के रजिस्ट्रार आशुतोष शर्मा ने प्रेरणादायक संबोधन दिया। वहीं, वंदना की सजीव प्रस्तुति ने कार्यक्रम में गरिमा और सांस्कृतिक रंग भर दिए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न विषयों पर आधारित नवाचारी कलेक्शन्स प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का समापन विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। बेस्ट क्राफ्ट रिवाइवल कलेक्शन का पुरस्कार रिनासिता नोयर के लिए खुशी गर्ग और मुस्कान को प्रदान किया गया, जबकि बेस्ट कमर्शियल कलेक्शन का पुरस्कार ब्लूलिनिया के लिए करण दास बावा को सम्मानित किया गया। बेस्ट प्रिसीजन सिल्हूट का खिताब रंग रीफ के लिए भूमि, पूनम और कशिश को मिला। बेस्ट डिजाइन्ड कलेक्शन के लिए शी वेयर्स मैनी वल्ड्र्स हेतु जाह्नवी, नंदिनी और कमलेश को पुरस्कृत किया गया। वहीं, बेस्ट स्टाइल्ड कलेक्शन की श्रेणी में द ब्रूटलिस्ट फ्रेम के लिए कृष तथा ईस्टसाइड वेस्टसाइड के लिए पिया और किरण को सम्मान मिला। मॉडलिंग श्रेणी में मनी कौर (बी.कॉम प्रथम वर्ष) और रिद्धि बंसल (बीसीए द्वितीय वर्ष) को बेस्ट फीमेल मॉडल का पुरस्कार दिया गया, जबकि अनमोल (बी.वोक मीडिया एंड एंटरटेनमेंट तृतीय वर्ष) ने बेस्ट मेल मॉडल का खिताब हासिल किया। इसके अलावा फ्लेम टू फ्लो के लिए श्रेया पाहूजा को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम की शाम रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से और भी जीवंत हो उठी। मुख्य अतिथि डॉ. नेहा मिगलानी, वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक, द लाइफस्टाइल जर्नलिस्ट मैगजीन तथा निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उन्हें फैशन के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम तलाशने और उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का समापन विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर किया गया, जिनमें उनकी प्रतिभा, रचनात्मकता और नवाचार को सम्मानित किया गया।

यह फैशन शो कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के संरक्षण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सुमिता सिक्का द्वारा किया गया। कोर कमेटी के सदस्य –आशुतोष शर्मा, डॉ. इंदु मेहता, डॉ. राजिंदर सिंह मान, वरिंदर कुमार और लेफ्टिनेंट रितिका सिन्हा – ने आयोजन को सुचारू रूप से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जिला की मंडियों में सुचारू रूप से चल रहा है गेंहू की खरीद और उठान का कार्य

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

अब तक 1839 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद तथा 54 मीट्रिक टन गेंहू का हुआ उठान

जिला में रबी सीजन 2026-27 के दौरान गेंहू की आवक शुरू होने के साथ खरीद का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा जिला की मंडियों में से अब तक 1839 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई और 54 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि सरकारी खरीद एजेंसियों हैफेड और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा रायपुररानी, बरवाला और पंचकूला स्थित अनाज मंडियों में गेहूं की खरीद की जा रही है। उन्होंने बताया कि रायपुररानी अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 307 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कोरपोरेशन द्वारा 218 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। इसी प्रकार बरवाला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 1050 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोशन द्वारा 208 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। इसके अलावा पंचकूला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 56 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। प्रवक्ता ने बताया कि हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोशन द्वारा रायपुररानी अनाज मंडी से 54 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया।

पीजीआई में स्वच्छता पखवाड़ा 2026 के तहत कई गतिविधियां आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

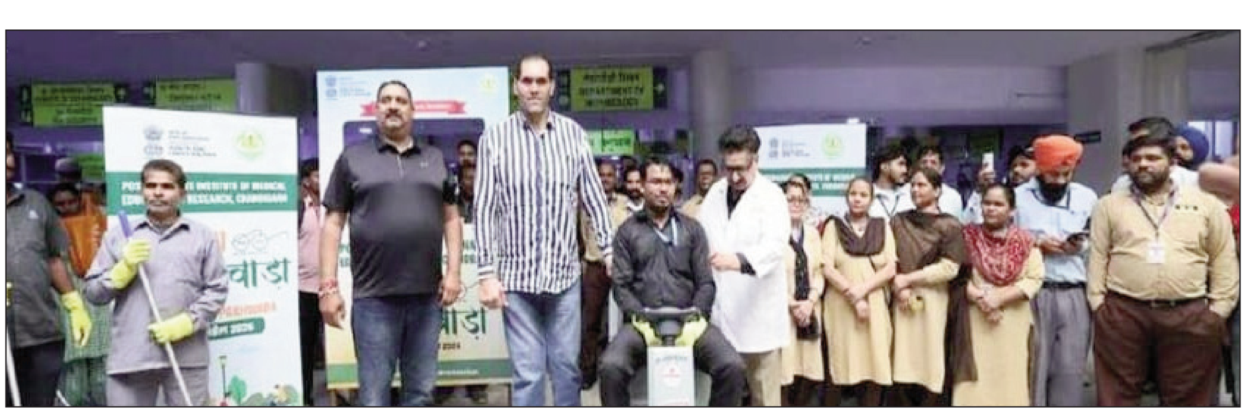

पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़ में स्वच्छता पखवाड़ा 2026 (1-15 अप्रैल) के छठे, सातवें और आठवें दिन, पूरे इंस्टीट्यूट में कैपेसिटी-बिल्डिंग वर्कशॉप, हेल्थ प्रमोशन इवेंट, सेलिब्रिटी एंगेजमेंट, क्रिएटिव कॉम्पिटिशन और इंटेंसिव फिजिकल क्लीनिंग ड्राइव की एक शानदार रेंज एक साथ आई। इन तीन दिनों ने मिलकर पीजीआईके प्रोफेशनल एथिक और इंस्टीट्यूशनल कल्चर, दोनों के तौर पर सफाई के प्रति कमिटमेंट को दिखाया – जिसमें एनवायरनमेंट, नॉलेज इंफ्रास्ट्रक्चर और अपनी पूरी कम्युनिटी की स्पिरिट को एड्रेस किया गया।

इसका मेन हिस्सा हॉस्पिटल अटेंडेंट और सैनिटरी अटेंडेंट के लिए बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट और इन्फेक्शन कंट्रोल प्रैक्टिस पर एक स्ट्रक्चर्ड वर्कशॉप थी। वर्कशॉप में पीजीआईके वार्ड, डळ, क्ळव, डढऊ और सपोर्ट डिपार्टमेंट से ल्अ और रअ स्टाफ की एक बड़ी और अलग-अलग तरह की ऑडियंस आई – जिससे ऑडिटोरियम खचाखच भर गया। फैकल्टी, नर्सिंग स्टाफ और एडमिनिस्ट्रेटिव साथियों ने भी इसमें हिस्सा लिया, जो इस इनिशिएटिव के लिए बड़े पैमाने पर इंस्टीट्यूशनल सपोर्ट को दिखाता है। वर्कशॉप में इन्फेक्शन से बचाव और वेस्ट मैनेजमेंट प्रैक्टिस की पूरी रेंज को कवर करने वाले छह एक्सपर्ट सेशन थे।

हैंड हाइजीन पर पहले सेशन में पार्टिसिपेंट्स को हैंड हाइजीन के पांच मोमेंट्स, हैंडवॉशिंग टेक्निक के सही स्टेप्स और अल्कोहल-बेस्ड हैंड रब के सही इस्तेमाल के बारे में बताया गया। सरफेस डिसइंफेक्शन और क्लीनिंग पर एक सेशन जिसमें हॉस्पिटल की सतहों के प्रकार, सही डिसइंफेक्टेंट, डाइल्यूशन स्टैंडर्ड और सही तरीके से इस्तेमाल करने के तरीके शामिल थे, इसके बाद डिसइंफेक्टेंट की तैयारी, सावधानियां और ढढए पर एक सेशन हुआ, जिसमें ग्लव्स, मास्क और गाउन को सही तरीके से पहनने और उतारने पर जोर दिया गया।

बायोमेडिकल और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पर एक डिटेल्ड सेशन में बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स 2016, चार-कैटेगरी वाला कलर-कोडेड बिन/कंटेनर सिस्टम, वेस्ट बनने के पॉइंट से लेकर आखिरी डिस्पोजल तक की चेन ऑफ कस्टडी, और हर स्टेज पर ल्अ और रअ स्टाफ की खास ज़िम्मेदारियों को कवर किया गया। वर्कशॉप प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट और हॉस्पिटल के माहौल से सिंगल-यूज प्लास्टिक को खत्म करने के कैंपेन पर एक सेशन के साथ खत्म हुई। सही तरीके से पहना गया ग्लव, सही तरीके से डाइल्यूट किया गया डिसइंफेक्टेंट, सही तरह के कचरे के लिए इस्तेमाल किया गया सही बैग – ये छोटी-मोटी चीजें नहीं हैं। ये इन्फेक्शन कंट्रोल की फ्रंटलाइन हैं। आज की वर्कशॉप पीजीआईमें आने वाले हर मरीज की सेफ्टी में एक इन्वेस्टमेंट है, और इस इंस्टीट्यूशन को साफ रखने वाले हर वर्कर की इज्जत और सेफ्टी में एक इन्वेस्टमेंट है। मुझे गर्व है कि पीजीआईस्वच्छता पखवाड़ा का इस्तेमाल सिर्फ.जगहों को साफ करने के लिए नहीं, बल्कि नॉलेज बनाने के लिए कर रहा है।

वर्ल्ड हेल्थ डे 2026 : योग, हेल्दी डाइट और इम्यूनाइजेशन सेशन: वर्ल्ड हेल्थ डे 2026 को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत एक वाइब्रेंट, इंटरैक्टिव प्रोग्राम के साथ मनाया गया। इस इवेंट में हॉस्पिटल अटेंडेंट, सैनिटरी अटेंडेंट, नर्सिंग स्टाफ, फैकल्टी और एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ से खचाखच भरा हुआ था। प्रोग्राम की शुरूआत इन्फेक्शन कंट्रोल पर एक सेशन से हुई, जिसके बाद हेल्दी डाइट और इम्यूनाइजेशन और प्रिवेंटिव हेल्थ के महत्व पर डेडिकेटेड सेशन हुए, और फिर एक यादगार लाइव योग एक्सरसाइज सेशन के साथ खत्म हुआ, जिसमें पूरे ऑडिटोरियम ने एक साथ हिस्सा लिया। योग सेशन – पूरे पखवाड़े के सबसे शानदार पलों में से एक – में सैकड़ों लोगों ने एक साथ बैठकर स्ट्रेचिंग और एक्सरसाइज की, उन्हें हॉल के सामने से गाइड किया गया। इस सेशन ने वर्ल्ड हेल्थ डे के मैसेज को जोरदार तरीके से दिखाया कि अच्छी हेल्थ हर किसी की ज़िम्मेदारी है और सबकी इच्छा भी।

नेहरू हॉस्पिटल में द ग्रेट खली: सफाई को मिला चैंपियन: एक ऐसे पल में जिसने पूरे पीजीआईकैंपस को जोश से भर दिया, मशहूर रेसलर और स्पोर्ट्स एंबेसडर द ग्रेट खली, एक इंटरनेशनल वॉलीबॉल प्लेयर के साथ, चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा सेलिब्रेशन के हिस्से के तौर पर नेहरू हॉस्पिटल गए। यह विज़िट सफाई कैंपेन को एक दमदार सेलिब्रिटी आवाज देने के लिए ऑर्गनाइज की गई थी। द ग्रेट खली ने कैंपेन की एक्टिविटीज में जोश के साथ हिस्सा लिया, जिसमें मैकेनाइज्ड फ्लोर-स्क्रबिंग इक्विपमेंट का डेमोंस्ट्रेशन भी शामिल था, जिससे यह जोर दिया गया कि सफाई हर किसी की ज़िम्मेदारी है – चाहे उसका कद या हैसियत कुछ भी हो। उन्होंने खास तौर पर डिजाइन किए गए 'स्वच्छ ढत्र्क्र' सेल्फी फोटो फ्रेम पर पोज दिया, स्वच्छता शपथ बैनर पर साइन किए, और हॉस्पिटल के स्टाफ और मरीजों से बातचीत की, जिससे पूरे इंस्टीट्यूशन में जबरदस्त उत्साह देखा गया।

पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता: स्वच्छता की सेवा में रचनात्मकता: पीजीआईमें कई जगहों पर एक साथ एक शानदार पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें अस्पताल के कर्मचारियों ने हाथ से बनाए गए पोस्टर बनाए।